

**TEXT PROBLEM  
WITHIN THE  
BOOK ONLY**

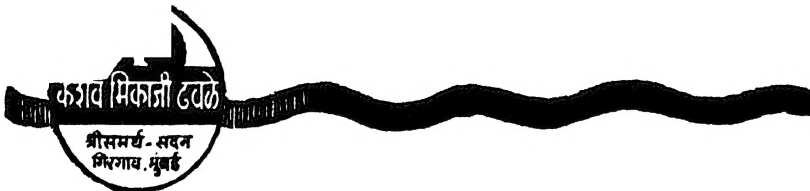
**TEXT  
PROBLEM**

# चन्देरी लहरी

शान्ताराम आठवले

ह्यांची चित्रपटांतील  
अति लोकप्रिय अशी  
निवडक ६५ गाणी

नो टे श न स ह



मूल्य अडीच रुपये

UNIVERSAL  
LIBRARY

**OU<sub>I</sub> 194193**

UNIVERSAL  
LIBRARY

OSMANIA UNIVERSITY LIBRARY

Call No. M781.24/A86ch Accession No. M4646

Author चन्देरी लहरी आठवले शान्ताराव.

Title चन्देरी लहरी. 1947

This book should be returned on or before the date last marked below.

---

11 DEC 1961

|  |  |  |
|--|--|--|
|  |  |  |
|--|--|--|



# चन्देरी लहरी

शान्ताराम आठवले

ह्यांची चित्रपटांतील  
अति लोकप्रिय अशी  
निवडक ६५ गाणी

नो टे श न स ह



\* ५२ \*

मूल्य अडीच रुपये

सर्वाधिकार सुरक्षित  
प्रथमावृत्ति : १९४७

मुद्रक : ज. दि. देसाई  
राष्ट्रवैभव छापखाना  
गिरगांव, मुंबई ४.  
प्रकाशक : के. भि. ढवळे  
भ्रीसमर्थ-सदन : २  
चिराबाजार, मुंबई २  
मुखपृष्ठ : द. ग. गोडसे

प्रस्तुत पुस्तक १९४३ सालीं प्रसिद्ध न्हावयाचें, तें १९४७ मध्ये प्रकाशित होत आहे ! ह्याला कारण लढाई !

माझे गायक मित्र श्री. बाळकृष्णबुवा वाडीकर ह्यांनीं स्वरलेखन करून दिलें आहे. स्वरलेखनाची सर्व जबाबदारी त्यांचीच, श्रेयही त्यांचेंच !

माझ्या गाण्यांपैकीं निवडक गीतांचाच समावेश ह्या संग्रहांत केला आहे. साधारणपणें ज्या गाण्यांचीं ग्रामोफोन रेकॉर्डस् प्रसिद्ध झालीं आहेत, अशींच गाणीं ह्यांत संग्रहित केलीं आहेत.

१९६ सदाशिव, पुणें }  
८८ १।६।४७ }

—शान्ताराम आठवले



## खुणांचा खुलासा

|                   |              |
|-------------------|--------------|
| तीव्र स्वर        | म            |
| शुद्ध स्वर        | खूण नाही     |
| कोमल स्वर         | ग, ध, नी     |
| मंद्र सप्तक       | नी धं पं     |
| मध्य सप्तक        | खूण नाही     |
| तार सप्तक         | सा रे' ग' म' |
| स्वर लांबविणें    | सा SS रेS    |
| एका मात्रेत जास्त |              |
| स्वर घेण्याची खूण | सारेगम       |
| समेची खूण         | सा           |
| काल खूण           | प            |
|                   | ○            |

# अनुक्रम



## अमृतमन्थन

|                     |     |     |     |   |
|---------------------|-----|-----|-----|---|
| किति सुखदा येत निशा | ... | ... | ... | १ |
| सुवसना मोदमय भूबाला | ... | ... | ... | २ |
| राही मम मानसांत     | ... | ... | ... | ३ |
| होई सुखद जगत        | ... | ... | ... | ४ |
| अमृत प्रगट झालें    | ... | ... | ... | ५ |

## कुंकू

|                        |     |     |     |    |
|------------------------|-----|-----|-----|----|
| भारतीं सृष्टीचें       | ... | ... | ... | ६  |
| अहा भारत विराजे        | ... | ... | ... | ८  |
| मन सुद्ध तुझें         | ... | ... | ... | १० |
| रचिलें प्रभुनें जग हें | ... | ... | ... | १२ |
| प्रभुराया रे !         | ... | ... | ... | १४ |
| एक होता राजा           | ... | ... | ... | १६ |

## तुकाराम

|                      |     |     |     |    |
|----------------------|-----|-----|-----|----|
| आधीं बीज एकलें       | ... | ... | ... | १८ |
| निशिदिनि हरिचा ध्यास | ... | ... | ... | १९ |
| वानुं किति रे संदया  | ... | ... | ... | २० |

## गोपालकृष्ण

|                       |     |     |     |    |
|-----------------------|-----|-----|-----|----|
| गौळणि गे साजणी गे     | ... | ... | ... | २१ |
| झर झर झर झर धार झरे ! | ... | ... | ... | २२ |
| वन्दित राधा बाला !    | ... | ... | ... | २३ |
| घेईं रे सोनुल्या      | ... | ... | ... | २४ |
| शिशुपण बरवें          | ... | ... | ... | २५ |

|                     |     |     |     |    |
|---------------------|-----|-----|-----|----|
| गुणशीला तूं अतुला   | ... | ... | ... | २६ |
| उमगायाची न्हाई कुना | ... | ... | ... | २७ |
| रत्नावानी गाई छान ! | ... | ... | ... | २८ |
| भाग्यवती ही कपिला   | ... | ... | ... | २९ |
| तुझाच छकुला         | ... | ... | ... | ३० |
| हासत नाचत जाऊं      | ... | ... | ... | ३१ |

## माझा मुलगा

|                          |     |     |     |    |
|--------------------------|-----|-----|-----|----|
| होइल गम्मत-?             | ... | ... | ... | ३३ |
| मज फिरफिरुनि छळिसि कां ? | ... | ... | ... | ३५ |
| उसळत तेज भरे गगनांत      | ... | ... | ... | ३७ |
| जीवा तुझ्या मोहिनीनें    | ... | ... | ... | ३८ |
| पाहूं रे किति वाट !      | ... | ... | ... | ३९ |

## संत ज्ञानेश्वर

|                  |     |     |     |    |
|------------------|-----|-----|-----|----|
| बघ मंगल दिन आला  | ... | ... | ... | ४१ |
| आम्ही दैवाचे     | ... | ... | ... | ४३ |
| चरण शरण देवा     | ... | ... | ... | ४५ |
| आनंद आनंद अवघा ! | ... | ... | ... | ४६ |

## शेजारी

|                           |     |     |     |    |
|---------------------------|-----|-----|-----|----|
| हासत वसंत ये वर्नीं       | ... | ... | ... | ४७ |
| काका अब्बा                | ... | ... | ... | ४९ |
| जिवाचं मैतर तुम्ही माझ्या | ... | ... | ... | ५२ |
| राधिका चतुर बोले          | ... | ... | ... | ५५ |
| लखलख चन्देरी              | ... | ... | ... | ५८ |
| सारे प्रवासी घडीचे        | ... | ... | ... | ६० |

## सन्त सखू

|                     |     |     |     |    |
|---------------------|-----|-----|-----|----|
| सुखविन पतिदैवता     | ... | ... | ... | ६२ |
| शुभ बोल मुखें बोलवे | ... | ... | ... | ६४ |

|                               |     |     |    |
|-------------------------------|-----|-----|----|
| पाण्डुरंग भेटों वैष्णव निघाले | ... | ... | ६६ |
| भाव भुकेला हरी ...            | ... | ... | ६८ |

## दहा वाजतां

|                           |     |     |    |
|---------------------------|-----|-----|----|
| हवास मज तूं हवास          | ... | ... | ७० |
| तो म्हणाला-सांग ना गे     | ... | ... | ७२ |
| हैं चिमणं गोजिरवाणं       | ... | ... | ७४ |
| गोड गुपित कळलं            | ... | ... | ७६ |
| चल थरकत मुरकत             | ... | ... | ७८ |
| हृदया ! केवि तुला समजावूं | ... | ... | ८० |
| दिसते सृष्टी आज नवीन्     | ... | ... | ८२ |

## भरत भेट

|                        |     |     |    |
|------------------------|-----|-----|----|
| उद्यां होइल राजा राम ! | ... | ... | ८४ |
| चालला वना रघुवीर !     | ... | ... | ८६ |
| वन्दुनि पावन पाया !    | ... | ... | ८९ |
| सांगा शोधुं कुठें ?    | ... | ... | ९१ |
| आले आले रघुवीर !       | ... | ... | ९३ |

## आपलें घर

|                              |     |     |     |
|------------------------------|-----|-----|-----|
| देश आपुला-हें अपुलें घर      | ... | ... | ९६  |
| आला श्रावण नाचत गात          | ... | ... | ९९  |
| बाळा जोजो अंगाई              | ... | ... | १०१ |
| दरियाच्या दुनियेचे शूर सरदार | ... | ... | १०३ |
| तें नाही रे नाही             | ... | ... | १०५ |
| ही सजीव सुमनें देवा !        | ... | ... | १०७ |



# अमृत-मंथन

## सुखदा निशा

किति सुखदा येत निशा । गमे मनासी माता  
 सिञ्चित जगता आशा ॥  
 ताराकुल नभिं हसतें । वसुधातलिं वन फुलतें  
 लुटित गन्ध मन्द पवन । उधळि पहा दाहि दिशा ! ॥

राग कौफी—ताल—एकताल मात्रा ६

|                |                     |                               |                    |
|----------------|---------------------|-------------------------------|--------------------|
| ×              | ०                   | ×                             | ०                  |
| रे म प ध प म प | रे गुरेसा रे नीं सा | सारे ग् मपम                   | प ऽ मपधप गुरे      |
| किति सु ख दा ० | ये ० त ० नि शा ०    | गमे ० मना ०० सी ० मा ००० ता ० |                    |
| ध ऽ ध ध ध नी   | धप मप धप गुरे       | ॥ ध्रु. ॥                     |                    |
| सि ० चित ज ग   | ता ० आ ००० शा ०     |                               |                    |
| म ऽ प ऽ नी ध   | सा सा सा रे सा ऽ    | ध सा सारे मग रे सा            | धनी पध मप          |
| ता ० रा ० कु ल | न भिं ह स तें ०     | व सु धा ००० तलिं              | वन फु ल तें ०      |
| ध ध ध ध ऽ ध    | ध नी प ध म प        | रेमप ध म प                    | रे ग् सा रे नीं सा |
| लु टित गं ० ध  | मं ० द प व न        | उ धळि पहा ०                   | दा ० हि दि शा ०    |

## प्रणयमय विश्व

सुवसना मोद-मय भूबाला । ऋतु वसन्त आला ! ॥

वैभवशाली प्रियकर गमला

भेटाया ये निज रमणीला

सुफलित होत प्रीत या काला । प्रणयच जगतीं भरला ! ॥

### सुवसना० ताल—केरवा

| ×              | ०             | ×             | ०               |
|----------------|---------------|---------------|-----------------|
| प ध नी सा ऽ नी | ऽ नी सा सा    | नी ऽ ध ऽ      | ग ऽ ग ग         |
| सु व स ना ० मो | ० द म य       | भू ० बा ०     | ळा ० ऋ तु       |
| म ० ऽ सा       | गम पध नी सा ऽ | ध ऽ पुनी धप   | गम पध ॥ध्रु॥    |
| व स ० न्त      | आ ० ० ० ० ०   | ला ० ० ० ० ०  | ० ० सु व ॥ध्रु॥ |
| ऽ ध प ध        | सा ऽ सा ऽ     | ऽ सा सा सा    | नी सा ध ऽ       |
| ० वै भ व       | जा ० ली ०     | ० प्रिय कर    | ग म ला ०        |
| ऽ नी नी ऽ      | सा नी सा ध ऽ  | ऽ म प म प     | म ध प म ग ऽ     |
| ० भे टा ०      | या ० ० ये ०   | ० नि ज र म    | णी ० ० ० ला     |
| ऽ गुग ग म      | रे ऽ सा ग     | ऽ म प ध       | नी ऽ सा ऽ       |
| ० सु फ लि त    | हो ० त प्री   | ० त या ०      | का ० ला ०       |
| ऽ सा सा सा सा  | सा सा सा ऽ    | नी सा ऽ ध ऽ प | ग प म ध ॥१॥     |
| ० प्र ण य च    | ज ग ती ०      | भ र ला ० ०    | ० ० सु व        |

## प्राणनाथ

राही मम मानसांत । रम्य मूर्ति प्राणनाथ ॥

करि विकसित हृदय - सुमन हा वसन्त जीवनांत ! ॥

छलित परी विरह-रात । असुरासम घोर ध्वान्त ॥

ने लयास जीवितेश अबला ही होत श्रान्त ! ॥

राग पहाडी—ताल—विलंबित, एकताल, मात्रा १२

×

नी नीप धुसा ऽ नी धप  
रा ० ० ही ० ० म म ०

ध ऽ ध गप धुनी ध  
र ० म्य मू ० ० ० ति

म गमप रे रे सा सा  
क रि ० ० वि क सि त

धुसारेग सारेग सा रे नी सा  
हा ० ० ० ० ० ० व सं ० त

म म म ध ध ऽ  
छ लित प री ०

ध सा धुसारेग सारेग सा सा  
अ सु रा ० ० ० ० ० ० स म

म ऽ प रे ऽ सा  
ने ० ल या ० स

ध सा धुसारेग सारेग सा रे  
अ ब ला ० ० ० ० ० ० ही हो

०

×

गपधुनी पधुनी ध प ग म  
मा ० ० ० ० ० ० न सां ० त

प म ध प ग म  
प्रा ० ण ना ० थ

म ध ध नीधु सा सा  
हृ द य सु ० म न

सा धप पधुनी धुनीधप ग म  
जी व ० नां ० ० ० ० ० ० त ॥ धु ० ॥

म ध नीधु सा ऽ सा  
वि र ह ० रा ० त

रे नी सा ध ग म  
घो ० र ध्वां ० त

म म ध ऽ नीधु सा  
जी वि ते ० ० ० श

नी सा ध पनीधप ग म  
० त श्रा ० ० ० ० ० न्त ॥ १ ॥



## सुखद जगत्

होई सुखद जगत् । जरि नृपति सुनयरत् ।  
 सुर-सुखचि अवतरत् । भुवनांत या ! ॥  
 विपदेंत नित तपत् । जन-हृदय-भू आर्त,  
 नृप-जलद जणुं करित सलिलमय क्षिति—  
 सुखवि जनतेस या ! ॥

राग भीमपलास—ताल—झपताल, मात्रा १०

|                |                             |         |
|----------------|-----------------------------|---------|
| ×              | ०                           | ×       |
| नी सा ऽ सा     | नी सा नी धप गुम             |         |
| हो ई सु        | ख द ज ग० त०                 |         |
| प म प गू सा    | म गू रे रे सा.              |         |
| ज रि नृ प ति   | सु न य र त                  |         |
| नीं नीं सा मम  | प प म प गू म                |         |
| सु र सु ख चि   | अ व त र त                   |         |
| प नी सा गू रे  | सा ऽ नी सा रे सा नी धमप गुम | ॥ध्रु०॥ |
| भु व नां ० त   | या ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०    |         |
| प प गू ऽ म     | प नी सा सा सा               |         |
| वि प दें ० त   | नि त त प त                  |         |
| प नी सा गू रे  | नी सा नी ध प                |         |
| ज न हृ द य     | भू ० आ ० र्त                |         |
| प प प गू सा    | म गू रे रे सा               |         |
| नृ प ज ल द     | ज णुं क रि त                |         |
| नीं नीं सा म म | प प प गू म                  |         |
| स क्लि ल म य   | क्षिति सु ख वि              |         |
| प नी सा गू रे  | सा ऽ नी सा रे सा नी धमप गुम | ॥१॥     |
| ज न ते ० स     | या ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०    |         |

## अमृत-मन्थन

अमृत प्रगट झालें । करितां तें विष-मन्थन ॥  
 भू-देवी 'मोहिनीस' । दे 'माधव' वैभवास  
 ये 'सुमित्र' उदयासी । वरदवचन बोले ! ॥

भैरवी—ताल—दादरा

|                 |                         |           |
|-----------------|-------------------------|-----------|
| ×               | ×                       | ×         |
| सा ग् ग् म प म  | ग म ग् प म ग् रे सा नी  |           |
| अ मृत प्र ग ट   | झा० ० ० ० ० ले ० ०      |           |
| सा प प ऽ प ऽ    | प नी प नी सा नी प म     | ॥ ध्रु० ॥ |
| क रि तां० तें ० | वि ष म ० ० ० न्थ न      |           |
| ग् ऽ म ध् नी ऽ  | सा ऽ सा सा ऽ सा         |           |
| भू० दे० वी०     | मो० हि नी० स            |           |
| नी ऽ सा ऽ सा मा | प नी सा ग् सा ध ऽ प     |           |
| दे० मा० ध व     | वै० ० ० भ वा० स         |           |
| प ऽ प प ऽ प     | प नी प नी सा नी प म     |           |
| ये० सु मि० त्र  | उ द या० ० ० ० सी०       |           |
| सा ग् ग् म प म  | ग् म ग् प म ग् रे सा नी |           |
| व र द व च न     | बो० ० ० ० ० ० ले ० ०    |           |

# कुंकूं

## भारताचें सृष्टिसौन्दर्य

भारतीं सृष्टीचें सौन्दर्य खेळे,  
दावित सतत रूप आगळें ॥  
वसन्त वनांत जनांत हांसे,  
सृष्टीदेवी जणूं नाचे उल्हासें ॥  
गातात सङ्गीत पृथ्वीचे भाट,  
चैत्र-वैशाखाचा पेसा हा थाट ॥  
ज्येष्ठ-आषाढांत मेघांची दाटी,  
कडाडे चपला होतसे वृष्टी ॥  
घालाया सृष्टीला मङ्गलस्नान,  
पूर अमृताचा साण्डे वरून ॥  
गगनीं नर्तन कृष्ण-मेघांचें,  
भूतलीं मयूर उत्तान नाचे ॥  
श्रावणीं पाऊस हास्याचा पडे,  
श्रीकृष्ण-जन्माची दंगल उडे ॥  
बान्धीती वृक्षांना रम्य हिन्दोळे,  
कामिनी धरणी वैभवीं लोळे ॥

भारतीं सृष्टीचें—ताल—दादरा.

×

मगरे सा नीं सा  
भारतीं सृष्टीचें

×

रेम रेम प मप धनी धनी ध प ध म ग रे  
सौंदर्य खेळे ००००० दा वित स त त

×

रेग सा सारेगम गरे  
रू० प आग०००००

॥ध्रु०॥

|                             |                                     |       |
|-----------------------------|-------------------------------------|-------|
| ध॒म॒ प॒ नी॒ सा॑ सा॑         | रे॒ ग॑ रे॒ सा॑नी॒ सा॑ ऽ             |       |
| ब॒स॒न्त॒ ब॒ ना॑ त           | ज॒ ना॑ त हा॑ ० से ०                 |       |
| नी॒ सा॑ रे॒ म॒ ग॒ रे॒       | नी॒ सा॑रे॒ग॒रे॒ नी॒ सा॑ ऽ           |       |
| सृ॒ष्टी॒ दे॒वी॒ ज॒ णं॑      | ना॒चे॒उ॒ ० ० ब॒हा॒से॑ ०             |       |
| ध॒ म॒ प॒ नी॒ सा॑ सा॑        | नी॒ सा॑ सा॑ सा॑ पु॒नी॒सा॑रे॒ सा॑रे॒ |       |
| गा॒ ता॒ त॒ सं॒ गी॒ त        | पृ॒थ्वी॒ चे॒ भा॒ट॒ ० ० ० ०          |       |
| सा॑ नी॒ नी॒ध॒ पु॒ध॒ म॒ग॒रे॒ | रे॒ग॒ नीं॑ सा॒ रे॒ग॒म॒ ग॒रे॒        |       |
| चै॒त्र॒ वै॒शा॒खा॒चा॒ ०      | ऐ॒सा॒ हा॒ था॒ ० ० ट॒ ०              | ॥ १ ॥ |

( पुढील सर्व अंतरे, पहिल्या अंतऱ्याप्रमाणे. )

## ‘अहा भारत विराजे!’

अहा भारत विराजे । जगा दिपवित तेजें  
भादव्यांत येती गौरी-गणपती  
उत्सवा येई बहार् ।

मेळे आरास करोनी — गाती हंसुनी नाचूनी  
ध्वनी त्यांतहि गाजे — ‘अहा भारत विराजे’ ॥  
नवरात्र पूजेची आश्वीन-शोभा  
करिति नारी शृंगार् ॥

लेऊनि वसनें मजेदार — गळा विविध अलंकार  
ध्वनि त्यांतुनि निनादे — ‘अहा भारत विराजे’ ॥  
आली दिवाळी — भुवन उजळी  
आनन्द घे अवतार् ॥

दीपक नभींचें भूवरी येतीं  
दाचिती शोभा अपार्  
माला-तोरणें फुलांचीं — वसनें भूषणें जनांचीं  
शोभा पाहुनी धरेची—  
मनीं स्वर्गहि लाजे — ‘अहा भारत विराजे’ ! ॥

अहा भारत विराजे—ताल—दादरा

|                 |                    |                    |
|-----------------|--------------------|--------------------|
| ×               | ×                  | ×                  |
| ध प ध           | म प म ध पनी धप     | मृग रे ऽ गरे ग     |
| अ हा ०          | भा र त वि रा ० ० ० | जे ० ० ० जगा ०     |
| सा रे सा ग रे ग | सा ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ       | जे ० ० ० ० ० ॥धृ०॥ |
| दि प वि त ते ०  |                    |                    |

सा म म म ग म  
भा द ब्यां त ये ती

प ध प ध नी नी  
गौरी ग ण प ति

प ध प नी ध नी  
उत्स वा ये ई ब

प ऽ प नी ध नी  
हा ० र मे के ०

प ध प नी ध नी  
आ रा स करो ०

प ऽ ऽ नी ध नी  
नी ० ० गा ती ०

प ध प नी ध नी  
हं सु नी ना चू ०

प ऽ ऽ प प ऽ  
नी ० ० ध्व नी ०

म प म प प नी ध्रु प  
त्यां ० त हि गा ० ० ०

म गु र ऽ ग रे ग ॥१॥  
जे ० ० ० अ हा ०

( नवरात्र पूजेची इ. दुसरा अंतरा, पहिल्या अंतन्याप्रमाणें. )

प सा नी सा नी सा  
आ कि दि वा ळी ०

ध नी ध नी ध नी  
भु व न उ ज ळी

प ध प म ग म  
आ नं द वे अ व

प ऽ ऽ ऽ ऽ प  
ता ० ० ० ० र ॥३॥

( 'दीपक नभीचें' पासून पुढें पहिल्या अंतन्याप्रमाणें. )

## तूं चाल पुढं—

मन सुद्ध तुझं गोष्ट हाये पृथ्वी-मोलाची ।  
तूं चाल पुढं तुला र गड्या भीति कशाची ।  
पर्वा बी कुनाची ॥

शेण्डा भल्या कामाचा जो घेउनि निगाला,  
कांटकुट वाटमन्दी बोंचति त्येला,  
रगत निगल्, तरी बी हंसल्, शाबास त्येची ॥  
तूं चाल पुढं तुला र गड्या भीति कशाची ।  
पर्वा बी कुनाची ॥

जो वळखितसे औक्ष म्हंजी मोटी लडाई ।  
अन् हत्याराचं फुलावानि घांव बी खाई  
गळ्यामन्दी पडल् त्येच्या, माळ इजयाची ।  
तूं चाल पुढं तुला र गड्या भीति कशाची ।  
पर्वा बी कुनाची ॥

मन सुद्ध तुझं—ताल—दादरा, मात्रा ६

|       |                  |                       |                    |
|-------|------------------|-----------------------|--------------------|
| सा सा | प ऽ प प प ऽ      | प ऽ प प प ऽ           | प प प म प ध        |
| म न   | सु ० ढ तु झं ०   | गो ० ष्ट हा ये ०      | पृ थि वी मो ला ०   |
|       | पु ध ऽ ऽ ऽ म ऽ   | प ध प म म ऽ           | ग ग ग मृ ग रे ऽ    |
|       | ची ० ० ० ० तूं ० | चा ० ल पु ढं ०        | तु ला र ग ० ळ्या ० |
|       | रे ऽ रे रे सा ग  | रे ऽ ऽ ऽ र रे         | रे ऽ सा सा रे ग    |
|       | भी ० ति क शा ०   | ची ० ० ० प र          | वा ० बी कु ना ०    |
|       | सा ऽ ऽ ऽ सा सा   |                       |                    |
|       | ची ० ० ० म न     | सु ढ तु झं ॥ ध्रु ० ॥ |                    |

ग ऽ ग प प ध सा ऽ सा सा सा ऽ नी ध प प ध नी  
 झें ० डा भल्या ० का ० मा चा जो ० घे उ नि नि गा ०

प ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ग ऽ ग प प ध रे सा सा सा सा ऽ  
 का ० ० ० ० ० कां ० ट कु टं ० वा ० ट मं दी ०

नी ऽ ध प धनी प ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ग प प प प प  
 बों ० च ति त्ये ० ला ० ० ० ० ० र ग त नि ग ल्

ग प प प प प प ऽ प ऽ प ऽ म प ध ऽ ऽ ऽ म ऽ  
 त री बी हं स ल् शा ० बा ० स त्ये ची ० ० ० तूं ० ॥१॥

( चाल पुढं तुलार हे वरीलप्रमाणें.

‘ जो बळखितसे ’ हा, अंतरा ‘ झेंडा भल्या ’ प्रमाणें. )



## मनोवैभव

रचिलें प्रभुनें जग हैं विशाल—  
 विशाल हैं विश्व भल्याबुन्यांचें,  
 नसे फुलांचें, नच कण्टकांचें ॥  
 शिरीं धरीं हैं कधीं दुर्जनांना,  
 उरीं विदारी दुबळ्या जनांना ॥  
 जरी टलेना विपदा कुणाला,  
 हवी जगाला मृदु सौख्यमाला ॥  
 स्वार्थी अशा या सुखलालसेनें,  
 दुणावतें दुःख कुणी न नेणें ॥  
 धरीं न चिर्त्तीं भय तूं जगाचें,  
 हंसूनि साही शर आपदेचे ॥  
 पहा खरें सौख्य तयांत राही,  
 सुधाच होई मग आपदाही ॥  
 तुझ्यासवें दुःखहि तें हंसेल,  
 तुझें मनोवैभव वाढवील ॥

रचिलें प्रभुनें० ताल—केरवा.

( पहिली ओळ तालाशिवाय म्हणणें. )

धं नी रे ऽ र सा रे गू ऽ र गू रे सा नीं ऽ ऽ नीं सा नीं सा ऽ  
 र चि लें ० प्र भु नें ० ० ० ० ० ० ० ० ज ग हें ०

धं नीं सा रे गू म गू म गू रे ऽ रे  
 ० ० ० ० ० ० ० ० वि शा ० ल् ० ॥

X

ऽ नीं नीं ऽ नीं नीं  
० वि ङा ० क हें

०

ऽ सा ऽ सा  
० वि ० श्व  
सा रे सा ऽ नीं पं धं  
ज्यां ० ० ० चें ० ०  
म ग ग ऽ सा  
कां ० ० ० चें  
ध्रु ग् ऽ सा  
० ट कां ० चें ॥ ४० ॥  
सा ऽ सा ऽ

X

ऽ सा नीं सा रे ऽ सा  
० म ० ल्या ० ० बु  
ऽ सा ग् ऽ ग  
० न से ० फु  
ऽ साग गम गम  
० न च कं ० ० ०  
ऽ नीं नीं नीं  
० शि रीं ध  
ऽ नीं सा ऽ नीं सा रे सा  
० क धीं ० दु ० ० जं  
ऽ सा ग ग  
० उ रीं वि  
ऽ सा ग सा ग म प  
० दु ब ल्या ० ० ०

रीं ० हें ०  
नीं सा ऽ नीं पं धं  
नां ० ० बा ० ०  
म रेग ऽ सा  
दा ० ० ० री

०

ध्रु ग सा ऽ ॥ १॥  
० ज नां ना ०

X

ऽ म प ग म  
० ज री ० ट  
ऽ प प प ध्रु ऽ म  
० वि प दा ० ० कु  
ऽ प प ध प  
० ह वी ० ज  
ऽ साग गम गम ध्रु  
० मृदु सौ ० ० ० ख्य

०

प ऽ प ऽ  
ळे ० ना ०  
प ध्रु ऽ प प ध्रु नी ध्रु नी  
णा ० ० ० ला ० ० ० ०  
म ऽ ग सा  
गा ० ला ०  
ऽ ग् ऽ सा ऽ ॥ १॥  
० मा ० ला ०

( 'स्वार्थी अशा या' — आणि 'पहा खरें सौख्य' हे दोन अंतरे—  
'शिरीं धरीं हे' — या अंतन्याप्रमाणें

व

'धरीं न चित्तीं' — आणि 'तुझ्यासवें दुःख'—हे दोन अंतरे—  
'जरी टळेना' — या अंतन्याप्रमाणें.)

## प्रभुराया रे

प्रभुराया रे — हो संकट हैं अनिवार ॥  
 खवळुनि सागर — गरजत नाचे  
 चोंहिकडे अन्धार् ॥  
 फुटलें तारुं — कुणा पुकारुं ?  
 जाइल कैसें पार ? ॥  
 स्थिरली नौका क्षणभर वाटे  
 दाविशि साक्षात्कार ! ॥  
 परि तो ठरला भास, उफाळति  
 लाटा अपरम्पार ॥  
 पसरुनि निजकर — लहरीरूपें  
 न्याहो सागरपार ॥  
 धांवा ! धांवा ! सदया देवा !  
 कोण दुजा आधार ? ॥

प्रभुराया रे० ताल—केरवा.

|                         |                                  |                               |                                 |
|-------------------------|----------------------------------|-------------------------------|---------------------------------|
| S S नी नी<br>० ० प्र भु | X<br>S सारे ग् Sसा<br>०रा० या ०० | ०<br>रेगु म मग्<br>रे० ० हो ० | X<br>S मपु नीप प<br>० सं० क ० ट |
| ग S रे ग्<br>हें ० ज नि | सा S S S<br>वा ० ० ०             | S सा नी नी<br>० र प्र भु      | ॥ध्रु०॥                         |
|                         | S पध्रु पप<br>० ख व लु नि        | प S प ध्रुप<br>सा० गर ०       | ध्रु मपु Sम पम<br>० गर ० ज ० त  |

|                                   |            |          |
|-----------------------------------|------------|----------|
| गुम् ऽ रे रे गुम् प गुम् ऽ नी प प | ग् ऽ रे ग् | सा ऽ ऽ ऽ |
| बा०००० चे०००००० ० षो हि क         | डे ० अं ०  | धा० ० ०  |

ऽ सा नी नी  
० र प्र भु ॥१॥

|              |               |                  |
|--------------|---------------|------------------|
| ऽ नीनी नी ऽ  | ऽ पनी नीसां ऽ | ऽ नीनी सां नी भम |
| ० फु ट लें ० | ० ता० हं ० ०  | ० कु णा ०० ००    |

|                              |            |          |
|------------------------------|------------|----------|
| म पधनी सां नी धप ऽ गुम् ऽ धप | ग् ऽ रे ग् | सा ऽ ऽ ऽ |
| पु का०० ० ० हं ० जा०० इ ल    | कै ० सें ० | पा ० ० ० |

ऽ सा नी नी  
० र प्र भु ॥२॥

|         |               |             |           |
|---------|---------------|-------------|-----------|
| ०       | ×             | ०           | ×         |
| ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ पप प ऽ      | प ऽ पनीधप म | ऽ मम मम   |
| ० ० ० ० | ० स्थि र ली ० | नौ० का००००  | ० क्षण भर |

|             |             |             |               |
|-------------|-------------|-------------|---------------|
| प सां नीध प | ऽ गुम् नी प | ग् ऽ रे ग्  | सा ऽ ऽ सा ॥३॥ |
| बा ० टे ० ० | ० दा० वि शि | सा ० क्षा ० | स्का० ० र     |

( 'परि तो ठरला'—हा अंतरा 'फुटलें तारं' प्रमाणें. )

( 'पसरुनि निजकर'—'स्थिरली नौका' प्रमाणें. )

( 'धांवा धांवा'—'फुटलें तारं' प्रमाणें. )

## राजाराणीची गोष्ट

एक होता राजा । एक होती राणी ॥

अचल तयांची अनुपम प्रीती

दिव्य तयांची सुंदर नगरी

दुःख न तेथें वास करी ॥

विदुनि आपुल्या सद्ना उतरे-

स्वर्गसौख्य जणुं भूमिवरी ॥

बोले राणी — 'मन्मन मोती' !

राजा बोले — 'मी मनचोर' ! ॥

राणी बोले — 'चन्द्रिकाच मी' !

बोले राजा — 'मीहि चकोर' ॥

प्रणयोद्यानीं करिती क्रीडा-

दंग नर्तनीं हर्षभरें

नाचति लतिका, फुलें, झरे ! ॥

एक होता राजा० ताल—केरवा.

( पहिल्या दोन ओळी तालाशिवाय म्हणणें. )

ग ग सा ऽ रे गु ऽ रे ग म ध म प  
एक् हो ता० रा००० जा००००

ध ऽ ध ध प प ध नी ऽ सा ध ऽ प  
ए क्० हो ती० रा०००० नी०००

|            |           |            |                 |
|------------|-----------|------------|-----------------|
| X          | ०         | X          | ०               |
| प ध प ध    | ध रे सा ऽ | नी नी ध प  | धनी सा नी ध प   |
| अ च ल त    | यां० ची०  | अ नु प म   | प्री००० ती०     |
| ऽ नी नी नी | नी ऽ नी ऽ | ऽ नी नी नी | नी प पुनी सा रे |
| दिव्य त    | यां० ची०  | ० सुंदर    | न गरी०००        |

|                               |                          |   |                             |
|-------------------------------|--------------------------|---|-----------------------------|
| ॐ रे रे रे<br>० दुःख न        | सा ग रे ॐ<br>ते ० दे ०   | ॐ नी ध नी<br>० वा स क                   | प ॐ ॐ ॐ<br>री ० ० ०         |
| ॐ नी नी नी नी<br>० बि दु नि आ | ॐ नी नी ॐ<br>० पु ल्या ० | ॐ नी नी नी ॐ<br>० स द ना ०              | ध नी प ॐ<br>उ त रे ०        |
| नी ॐ नी नी<br>स्व ० गं सौ     | ॐ सा ग रे<br>० ह्य ज णुं | ॐ नी ध नी<br>० भू मि व                  | प ॐ ॐ ॐ<br>री ० ० ०         |
| ॐ म ग म<br>० बो ले ०          | प ॐ प ॐ<br>रा ० णी ०     | प ध नी सा<br>म ० न्म न                  | नी ध ध प ॐ<br>मो ० ० ती ०   |
| नी ॐ नी ॐ<br>रा ० जा ०        | नी ॐ नी ॐ<br>बो ० ले ०   | नी ध नी रे<br>मी ० म न                  | सा ॐ ॐ सा<br>चो ० ० र       |
| गं ॐ गं ॐ<br>रा ० णी ०        | गं ॐ गं ॐ<br>बो ० ले ०   | रे गं मं गं र सानी<br>चं ० ० ० द्रिका ० | ध्रु प ध सा ॐ<br>० ० च मी ० |

|                                |                                    |  |                           |
|--------------------------------|------------------------------------|--|---------------------------|
| ×                              | ०                                  | ×  | ०                         |
| ॐ ॐ रे गं मं गं<br>० ० ० ० ० ० | रे सा ॐ ॐ ॐ<br>० ० ० ० ०           | ॐ म ग म<br>० बो ले ०                               | प ध प ध नी<br>रा ० जा ० ० |
| ॐ नी प ध<br>० मी हि च          | प ॐ ॐ प<br>को ० ० र                | ॐ नी नी नी ॐ नी ॐ नी ॐ<br>० प्र ण यो ० द्या ० नी ० |                           |
| ॐ नी नी नी ॐ<br>० क रि ती ०    | नी प प नी सा रे<br>क्री ० डा ० ० ० | ॐ रे रे रे<br>० दं ग न                             | सा ग रे ॐ<br>० तं नी ०    |
| ॐ नी ध नी प<br>० ह र्ष भ       | प ॐ ॐ ॐ<br>रे ० ० ०                | ॐ नी नी नी<br>० ना च ति                            | नी नी नी ॐ<br>ल ति का ०   |
| नी नी ॐ प<br>फु ले ० भ         | प नी सा रे ॐ ॐ<br>रे ० ० ० ० ०     | ॐ रे रे रे<br>० दं ग न                             | सा ग रे ॐ<br>० तं नी ०    |
| ॐ नी ध नी<br>० ह र्ष भ         | प ॐ ॐ ॐ ॥<br>रे ० ० ०              |  |                           |

# संत तुकाराम

## एकलें बीज

आधीं बीज एकलें । बीज अंकुरलें । रोप बाढलें ।  
एका बीजापोटीं । तरु कोटी-कोटी—  
जन्म घेतीं सुमनें फलें ।  
म्यापुनि जगता तूंहि अनन्ता !  
बहुविध रूपें घेसी-घेसी । परि अन्तीं ब्रह्म एकलें ॥

आधीं बीज एकलें० ताढ—केरवा.

|              |             |                 |                              |
|--------------|-------------|-----------------|------------------------------|
| X            |             | X               | नीं ऽ सा ऽ<br>आ • • धीं<br>० |
| ग ऽ ऽ ग      | मग रे ऽ नीं | सा ऽ ऽ ऽ        | धं नीं सारे                  |
| ० • • बी     | ज० ए • क    | लें • • •       | बीज अंकु                     |
| ग ऽ रे ग     | ग रे ऽ नीं  | सा ऽ ऽ ऽ        | ॽ म म ॽ                      |
| र० लें • रो  | प वा • ढ    | लें • • • ॥धृ०॥ | ० ए का •                     |
| म म ऽ ग      | रे ऽ पम     | गरे ऽ ग         | रे ऽ पम                      |
| बीजा • पो    | टीं • तरु   | कोटी • को       | टी • जन्म                    |
| ग रे ऽ ग     | गरे ऽ नीं   | सा ऽ ऽ ऽ        | नीं ऽ सा ऽ                   |
| बेतीं • सु   | मनें • फ    | लें • • •       | आ • धीं • ॥धृ०॥              |
| ॽ रे म म     | प प प ऽ     | मुप ध प म       | ग ऽ सा ऽ                     |
| व्या पु नि   | जगता •      | तूं • हि अ      | व • म्या •                   |
| सा ग ग ग     | ग ऽ ग ऽ     | गम गरे ऽ गम     | गरे ऽ पम                     |
| बहु वि ध     | रू • पें •  | घे०० सी० वे०    | सी • • परि                   |
| ग ऽ रे ग     | ग रे ऽ नीं  | सा ऽ ऽ ऽ        | नीं ऽ सा ऽ                   |
| अं • तीं ब्र | ह ए • क     | लें • • •       | आ • धीं • ॥१॥                |

## हरिचा ध्यास !

निशिदिनी हरिचा ध्यास जिवाला, व्याकुळ विरह करी-हृदया ! ।  
 भुळवुनि जालीं राधा भोळी । छळ हा दारुण कां वनमाळी ?  
 मृदु मञ्जुळ तव ऐकव मुरली । प्रीतिसुधा वितरी-सदया ! ॥

निशिदिनीं हरिचा० ताल—केरवा.

|                |             |              |                |
|----------------|-------------|--------------|----------------|
| ×              | ०           | ×            | ०              |
| ८ पसा सा सा    | सा रे नी ८  | ८ ध प म      | म ध प ८        |
| ० नि शि दि नीं | ह रि चा ०   | ० ध्यास जि   | वा ० ला ०      |
| ८ ग रे सा      | रे ग प म    | प ८ ८ ८      | म ध प ध प म    |
| ० व्या कु ळ    | वि र ह क    | री ० ० ०     | ह द या ० ० ०   |
| ग रे ग रे सा   | रे ग प म    | प ८ ८ ८      | म ध प ८        |
| ० ० व्या कु ळ  | वि र ह क    | री ० ० ०     | ह द या ० ॥ ८ ॥ |
| ८ पु रे रे रे  | रे ८ ग रे   | ८ रे ग रे सा | नी ८ सा ८      |
| ० भु ळ वु नि   | जा ० लीं ०  | ० रा ० धा ०  | भो ० ली ०      |
| ८ पु रे रे ८   | रे ८ ग रे   | ८ रे ग रे सा | नी ८ सा ८      |
| ० छळ हा ०      | दा ० रु ण   | ० कां ० व न  | मा ० ली ०      |
| ८ पसा सा ८     | सा रे नी नी | ८ नी ध प म   | म ध प ८        |
| ० मृ दु मं ०   | जु ळ त व    | ० ऐ ० क व    | सु र ली ०      |
| ८ ग रे सा      | रे ग प म    | प ८ ८ ८      | म ध प ध प म    |
| ० प्री ति सु   | धा ० वि त   | री ० ० ०     | स द या ० ० ०   |
| ग रे ग रे सा   | रे ग प म    | प ८ ८ ८      | म ध प ८        |
| ० ० प्री ति सु | धा ० वि त   | री ० ० ०     | स द या ० ॥ १ ॥ |



# साक्षात्कार !

वानुं किति रे सदया विदुराया दीनवत्सला !

दीनवत्सला धांवुनि ब्रीदासि राखिलें ।

अमृतचि हैं वोळलें । कृष्ण रूपडें देखियलें !

विश्व अवघेंचि त्यांत विरलें, हैं ध्यान सांवळें ॥

वानु कितिरे०

ताल—केरवा.

|             |                |               |                    |
|-------------|----------------|---------------|--------------------|
| ०           | ×              | ०             | ×                  |
| ॐ ग ॐ रे    | ग ग म ॐ        | ग रे रे ॐ     | रे ग नीं सा        |
| ० वा ० वुं  | कि ति रे ०     | स द या ०      | वि दु रा ०         |
| रे ग सा रे  | ग ॐ ग म        | ग रे ॐ नीं    | सा ॐ ॐ ॐ ॥ ध्रु० ॥ |
| आ ० ० ०     | ० ० दी ०       | न व ० त्स     | ला ० ० ०           |
|             | मा ॐ सा ग      | ॐ म प ॐ       | ग म प नीं          |
|             | दी ० न व       | ० त्स ला ०    | धां ० वु नि        |
| ध ॐ प ॐ     | म प ॐ म        | ग ॐ ॐ ॐ ॥ १ ॥ | सा ॐ सा ग          |
| ब्री ० दा ० | सि रा ० खि     | लें ० ० ०     | अ ० मृ त           |
| म ॐ प ॐ     | ॐ ग ॐ म        | प ॐ ॐ ॐ       | ग ॐ म प            |
| चि ० हें ०  | ० वो ० ल       | लें ० ० ०     | कृ ० ण रू          |
| ॐ नीं ध ॐ   | प ॐ म प        | ग ॐ ॐ ॐ       | ग ॐ ग ग            |
| ० प हें ०   | दे ० खि य      | लें ० ० ०     | वि ० श्व अ         |
| ग ग म ग     | रे ॐ रे ॐ      | रे ग सा रे    | ग ॐ ग म            |
| व घें ० चि  | त्यां ० त ०    | वि र लें ०    | हें ० ध्या ०       |
| ग रे ॐ नीं  | मा ॐ ॐ ॐ ॥ १ ॥ |               |                    |
| न सां ० व   | लें ० ० ०      |               |                    |

# गोपाल कृष्ण

## मुरारी आणि व्रजनारी

कृष्ण—गौळणि गे, गौळणि गे, साजणि गे, साजणि गे,  
थाम्ब जरा, थाम्ब जरा ॥

दहींदुध हें गोड किती,  
उतरुनि घट ते दे मज, थाम्ब जरा ॥

एक गौळण—येई कन्हैया ये दहीं लोणी ।

दुसरी गौळण—वाहूं तनमनधन तव चरणीं ।

कृष्ण— कां हा रुसवा ? मोहक फसवा ?  
नाहिं बरा, थाम्ब जरा ॥

गौळणि गे० ताल—केरवा.

|                      |                      |                    |                 |                      |            |
|----------------------|----------------------|--------------------|-----------------|----------------------|------------|
| X                    | ०                    | X                  | ०               | X                    | ०          |
| ग प ध प              | नी ध ध ऽ ऽ           | ग प ध प            | म ग ग ऽ ऽ       | सा ऽ सा रे प ऽ ऽ ऽ   |            |
| गौळणि गे             | ० ० ० ०              | सा जणि             | गे ० ० ०        | थां ० बज रा ० ० ०    | ॥ ध्रु ॥   |
| प ध नी रे            | सारे सा ऽ ऽ          | प नी ध नी ध प ग    | प ऽ ऽ ऽ         | प ध ध प              | ग प प ग    |
| द हीं दुध हें        | ० ० ० ० ०            | गो ० ० ०           | ड ० कि ती ० ० ० | उ त रु नि            | घ ट ते ०   |
| ग ऽ ग रे             | सा ऽ सा रे प ऽ ऽ ऽ   | सा ऽ सा रे प ऽ ऽ ऽ | ॽ ऽ ऽ ऽ         |                      |            |
| दे ० मज              | थां ० बज रा ० ० ०    | थां ० बज रा ० ० ०  | ० ० ० ०         |                      | ॥ १ ॥      |
| ध ऽ ध रे             | सा नी ध प            | म ग सारे           |                 | सा ऽ सा ऽ ध ऽ ध प    | ध रे सा नी |
| ये ० ई क न्है ० या ० | घे ० द हीं           |                    |                 | लो ० णी ० वा ० हूं ० | त न म न    |
| ध प म ग              | सा रे सा ऽ ध ऽ ध प   |                    |                 | ध नी ध ऽ ऽ ध ध प     | ध नी ध ऽ   |
| ध न त व              | च र णीं ० कां ० हा ० |                    |                 | रु स वा ० ० मो ह क   | फ स वा ०   |
| सा ऽ सा रे प ऽ ऽ ऽ   | सा ऽ सा रे           |                    |                 | प ऽ ऽ ऽ              |            |
| ना ० हिं ब रा ० ० ०  | थां ० बज             |                    |                 | रा ० ० ०             | ॥ २ ॥      |

# गोदोहन

झर झर झर झर धार झरे ।  
 धार सुधेची, कामधेनुची ।  
 भर भर भर भर कलश भरे ॥  
 नन्दनवनसम गमतें गोकुळ ।  
 शान्तिसौख्यमय जीवन मंगल ।  
 वैभव धन हें अमोल येथिल—  
 धेनु, गोजिरी वांसरें ॥  
 हरिची मुरली वाजे मञ्जुळ ।  
 प्रमुदित करिते गोकुळ सारें ॥  
 गोदोहन० ताल—केरवा.

|             |              |              |                  |
|-------------|--------------|--------------|------------------|
| X           | ०            | X            | ०                |
| ऽ सारे ग म  | ग गुरे सा सा | ऽ पध प ध     | मऽऽऽ             |
| ० झर झर     | झर० झर       | ० धा० र झ    | रे०००            |
| ऽ ध प ध     | ग प म ऽ      | पध सानी धप म | ग प म ऽ          |
| ० धार सु    | धे० ची०      | का००० म० धे  | ० नुची०          |
| ऽ सारे ग म  | ग गुरे सासा  | ऽ पध प ध     | मऽऽऽ             |
| ० भर भर     | भर० भर       | ० कलश भ      | रे००० ॥ १ ॥      |
| ऽ प प पग    | प प पध पप    | ऽ गम ऽ गुरे  | गमगऽरे सासा      |
| ० नंदन०     | वनस०म०       | ० गम० तें०   | गो०००० कल        |
| प ऽ ग प     | ऽ पमध पप     | ऽ गम गुरे    | गम गुरे सासा     |
| झां० तिसौ   | ०ख्यम०य०     | ० जी० वन     | मं००० गल         |
| ऽ ध प प     | प ध प ऽ      | ग गम गुरे    | गम गुरे सासा     |
| ० वैभव      | ध न हें०     | भ मो०० क     | ये००० थिल        |
| ग ऽ ग ग     | ऽ म गुरे ग   | रेगमपऽऽ म    | गुरे सा ऽ        |
| धे० नुगो    | ० जिरी००     | वा००००० स    | रें००० ॥ २ ॥     |
| ऽ पध ध प    | ऽ गप प ध     | गप गपधप ऽ म  | गम गुरे सासा     |
| ० हरिची०    | ० मुरली०     | वा०००००० जे  | मं००० कल         |
| ऽ सारे ऽ गप | ऽ सारे ऽ गम  | ऽ ग रे गम    | गुरे गुरे सा ऽ   |
| ० प्रमुदित  | ० करि० तें०  | ० गो० कल     | सा००० रें० ॥ ३ ॥ |

## वन्दन

वन्दित राधा बाळा । गोपसख्या घननीळा ॥

इयामळ प्रेमल नन्दकुमार

ब्रह्म सानुलें हें साकार !

जणूं स्वर्गीचें सुम सुकुमार

मोहवि परिमळ हृदया-गोपसख्या घननीळा ॥

करी दुरी-पाप हरी, निरसुनि माया,

पावन करि जगताला ॥

वन्दित राधा० ताल—केरवा

|              |                 |                      |                 |                         |
|--------------|-----------------|----------------------|-----------------|-------------------------|
| X            | o               | X                    | o               |                         |
| मारे ग ग रे  | सारे ग ग रे     | साऽनीसागरे           | ऽऽऽऽ            |                         |
| वं ० ०       | दिस रा० ० धा०   | बा०ळा०००             | ० ० ० ०         |                         |
| ऽ सा सा सा   | नीसागरेसा धं धं | सा ऽ सा ऽ            | नीमागरे ऽऽ      | ॥ध्रु०॥                 |
| ० गो प स     | ख्या००००वन      | नी ० ळा०             | रे ० ० ० ० ०    |                         |
| मारे ग ग रे  | रेग पम ग रे     | रेग पम ग रे          | सा ऽ सा ऽ       |                         |
| इबा ० म ळ    | प्रे०० ० म ळ    | नं००० द कु           | मा ० ० र        |                         |
| ग ऽ ग ग      | ऽ म ग रे        | गम पम ग रे           | सा ऽ ऽ सा       |                         |
| ब्र ० ह्य सा | ० नु कें ०      | हैं ००० सा०          | का ० ० र        |                         |
| ऽ गपु ऽ पम   | ग म रे ग        | ऽ गम ऽ ग रे          | सा ऽ ऽ मा       |                         |
| ० जणूं०स्व०  | गी० चें ०       | ० सु म० सु कु        | मा ० ० र        |                         |
| ऽ ग ग ग      | म म म म         | पध पध पम             | गम ग रे सारे सा | } गोप सख्या<br>घननीळा ॥ |
| ० मोह वि     | परिमळ           | हृदया ०००            | ०००० ०० ०       |                         |
| सा म ऽ रे    | म ऽ म सा        | सारे प म             | प ऽ ऽ ऽ         |                         |
| करी ० दु     | री ० ० ०        | पा० प ह              | री ० ० ०        |                         |
| ऽ मप धप      | मग रेसा रे      | ऽ सा सा सा           | सासा धं धं      |                         |
| ० निरसुनि    | मा०बा००         | ० पा व न             | करि ज ग         |                         |
| मा ऽ सा ऽ    | नीसागरेऽऽ       |                      |                 |                         |
| ता ० ० ळा    | रे ०००००        | ॥ गोप सख्या घननीळा ॥ |                 |                         |

घेइ रे सोनुल्या-धांस प्रीतिचा ।  
 राहुं दे हांसरा—चन्द्र मुखाचा ।  
 हा चिमणीचा—हा मोराचा ।  
 हा बघ गोड किती अपुल्या 'कपिले'चा ।  
 धांस हा प्रीतिचा—वदनिं जाउं दे ।  
 पाहुं दे विश्वरूप-दिव्य त्यामधें ॥  
 धांस हरी जाई—एक तुझ्या पोटी ।  
 लाभते शान्ति किती—सकल जगाला ! ॥

घेइ रे सोनुल्या० ताल—दादरा—मात्रा ६

|                |               |                           |                 |
|----------------|---------------|---------------------------|-----------------|
| X              | X             | X                         | X               |
| सा ऽरे प ऽऽ    | म ग रे सा ऽऽ  | गुप मुग रे सा ऽसा         | सा ऽऽऽऽऽ        |
| वे० इ रे००     | सो० नुल्या००  | धां००० स प्री० ति चा००००० |                 |
| सा ऽरे प ऽऽ    | म ग रे सा ऽऽ  | गुप मुग रे रे सा ऽ        | सा ऽऽऽऽऽ        |
| रा० हुं दे००   | हां० स रा००   | चं००० द्र मु खा०          | चा०००००० ॥ध्रु० |
| सा ऽ रेसा रेसा | रे सा सा ऽऽऽ  | गरे गरे ग सा              | रेसा ऽऽऽऽऽ      |
| हा० चिमणी०     | चा००००००      | हा० मो० रा०               | चा००००००        |
| प म प ग म रे   | ग सा रे सा ऽऽ | गरे गरे गरे               | ग सा रेसा ऽऽ    |
| हा० ब घ गो०    | ड कि ती०००    | अपुल्या० क पि             | ले० चा००० ॥१॥   |

( 'धांस हा प्रीतिचा',—'घेइ रे सोनुल्या', 'प्रमाणें )

( 'धांस हरी जाई'—'हा चिमणीचा' 'प्रमाणें )

# शिशुपण

शिशुपण बरवें हृदया वाटे  
 सुमनचि सुमधुर सकल निराशा विलया नेतें ॥  
 जगांत जयास तुला न कोटें ॥  
 तुजसम श्रीहरि मित्र असावा ।  
 गोड गोड वाजिव पावा ।  
 ऐकुनि मानस हासतें—नाचतें ॥

शिशुपण० ताल—केरवा. मात्रा ४

|               |                  |               |               |
|---------------|------------------|---------------|---------------|
| ×             | ०                | ×             | ०             |
| ग रे ग म      | ग रे सा नीं      | सा सा रे ऽ    | धं ऽ पं ऽ     |
| शि शु प ण     | ब र वें ०        | हृ द या ०     | वा ० टे ०     |
| धं नीं सा रे  | धं नीं सा सा     | सा नीं सा रे  | ग ऽ रे ग प म  |
| सु म न चि     | सु म धु र        | स क ल नि      | रा ० शा ० ० ० |
| ग रे ग रे     | सा ऽ सा ऽ        | सा प ऽ प      | रे म ऽ म      |
| विल या ०      | ने ० तें ०       | ज गां ० त     | ज या ० स      |
| ग ग ऽ ग       | सा ऽ सा ऽ        |               |               |
| तु ला ० न     | को ० ठें ० ॥ १ ॥ |               |               |
| रे रे प प     | म ऽ रे रे        | ऽ प प प       | ग म ध प       |
| तु ज स म      | श्री ० ह रि      | ० मि त्र अ    | सा ० वा ०     |
| म ऽ ऽ रे      | म ऽ ऽ रे         | प ऽ प प       | ग म ध प       |
| गो ० ० ड      | गो ० ० ड         | वा ० जि व     | पा ० ० वा     |
| ध ऽ प म       | ग म प म गरे      | रे रे रे रे ग | रे ऽ ऽ ऽ      |
| ऐ ० कु नि     | मा ० ० ० न स     | हा ० ० ० ० स  | तें ० ० ०     |
| ग म ग म ग म ध | प ऽ ऽ ऽ          |               |               |
| ना ० ० ० ० च  | तें ० ० ० ॥ २ ॥  |               |               |

## समतेची देवता !

गुणशीला तूं अतुला जननी तूं जगताची ।  
तूंच प्राण, तूं जीवन, खाण तूंच सौख्याची ।  
भक्ति घडे स्मरतां तुज शतकोटी देवांची ॥  
सानथोर, नृपपामर; पांखर तव सकळांवर ।  
अर्पिंशि पय अमृतमय तूं देवी समतेची ! ॥

गुणशीला० ताल—दादरा, मात्रा ६

×                      ×                      ×                      ×  
गरे गरे सा ऽ गरे गरे सा ऽ सारे सा ऽ सा ऽ सासा सारेगरे सा ऽ ॥ध्रु॥  
गुण०शी०ला० तूं० जनु०का० न न नी० तूं० जग ता००० ची०  
प ऽ ध्रुप ग ऽ ग प ऽ ध्रुप ग प ग प ऽ प ग ऽ ग रे ऽ प ऽ प ऽ  
तूं०च०प्रा०ण तूं०जी०००वन खा०ण तूं०च सौ०ख्या०ची०  
ऽ प म प ग ऽ ग प म ग रे ऽ सासा सा सा गरे सा ऽ सा ऽ सारे गरे सा ऽ ॥१॥  
०भक्ति घ डे० स्म०र०तां०तुज शतको०टी० दे०वां०००ची०

( पुढील अंतरा, 'तूंच प्राण' प्रमाणें. )

# किस्नाची माया !

उमगायाची न्हाई कुना—

किस्नाची माया लई न्यारी ।

या देवाची माया लई न्यारी ॥

दावी बहुरूप्यापरी-सोंग ढोंग परोपरी

हरि हा ठकडा भारी ! ॥

यमुनेच्या डोहीं, गोपाळाच्या ढाई,

दिसे ठायीं ठायीं,

आभाळाला अन्त न्हाई,

तशी यार्ची रूप पाहीं ! ॥

उमगायाची० ताल—केरवा

|             |              |              |             |
|-------------|--------------|--------------|-------------|
| ×           | ०            | ×            | ०           |
| गग ग ग ग    | ग ग ग ग      | ग रेग मग रे  | सा सा सा रे |
| उम गा या ची | न्हा ई कु ना | किस्ना ०००ची | मा या क ई   |
| नीं ऽ ऽ ऽ   | सा ऽ सा रे   | ग रेग मग रे  | सा सा सा रे |
| न्हा ० ० ०  | री ० बा ०    | देवा ००० ची  | मा या क ई   |
| नीं ऽ ऽ ऽ   | सा ऽ ऽ ऽ     |              |             |
| न्हा ० ० ०  | री ० ० ०     | ॥ध्रु०॥      |             |

|               |                    |               |               |
|---------------|--------------------|---------------|---------------|
| ×             | ०                  | ×             | ०             |
| नीं सा नीं सा | नीं सा नीं सा      | सा सा सा सा   | नीं सा नीं सा |
| दा वी ब हु    | रु प्या प री       | सों ग ढों ग   | प रो प री     |
| सा प म प      | ग म ग रे           | रेग रेग प म   | ग ऽ ऽ ऽ       |
| ह रि हा ०     | ठ क डा ०           | भा ००० ००     | री ० ० ० ॥१॥  |
| धं नीं सा रे  | नीं ० सा ऽ         | ग म प ध       | म ऽ प ऽ       |
| य मु ने न्हा  | ढो ० हीं ०         | गो पा ला च्या | ढा ० ई ०      |
| ध नीं सा रे   | नीं ऽ सा ऽ         | प सा नीं सा   | प ध म प       |
| दि से ठायीं   | ठा ० यीं ०         | आ भा ला ला    | अं त न्हा ई   |
| ग म ग रे      | सा सा सा सा        |               |               |
| त शी या ची    | रु पं पा हीं ॥ २ ॥ |               |               |



## ढवळी-पवळी

रत्नावानी गाई छान । सोभती या माज्या ॥

उडती, बागडती-हुंगति, हम्बरती ।

ही-ढवळी ही पवळी । गोजिरवानी-

करिति आम्हांवरती, लई निर्मळ पिती ! ॥

रत्नावानी० ताल—केरवा.

|                  |                 |                 |               |
|------------------|-----------------|-----------------|---------------|
| X                | •               | X               | •             |
| साग मप           | ध नी सां ऽ      | सां ऽनी धनी धप  | पध धम मप मध   |
| रत्नावानी        | गा ई छा न       | सो० भ ती ० ० ०  | या० ०० मा० ०० |
| प ऽ पध पध        | मप मध प ऽ       | नीधनीध पम गम    | प ऽ ऽ ऽ       |
| ज्या० या० ० ०    | मा० ० ० इया०    | उ ड ती ० बा० गड | ती ० ० ०      |
| पध पम मग गम      | रे ऽ ऽ ऽ        |                 |               |
| हुं० गति हुं० बर | ती० ० ० ॥ध्रु०॥ |                 |               |
| प धः रै सां ऽ    | प धरै सां ऽ     | ऽ पध पध पम      | प ऽ प ऽ       |
| ही ढ वळी ०       | ही प वळी ०      | ० गो० जि० र०    | वा० नी ०      |
| नीध नीध पम गम    | प ऽ ऽ ऽ         | पध धप मग गम     | रे ऽ ऽ ऽ      |
| करिति आम्हांवर   | ती ० ० ०        | लई निर्मळ पि०   | तीं ० ० ० ॥१॥ |

## भाग्यवती 'कपिला'

भाग्यवती ही 'कपिला' धेनु सजविते ! ।

हास्यमुखी, अति मोहक, नटलेली नार शोभते !

रेखियला मंगलमय तिलक कपालीं ।

पदिं घुंगुर खुळ खुळ खुळ-नाद काढिते ॥

पुष्पांच्या घवघवल्या सुन्दर माळा ।

सोन्याची शिंगावर-कान्ति विलसते ॥

भाग्यवती कपिला० ताल—दादरा मात्रा ६

×

×

प नी प नी म प  
भा० ग्य व ती

पनी सांनी पम प ऽ  
ही० ०० कपिला०

मप नीप मरे मारे  
ध० ०० नुसजवि

प ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ  
ते ०००००

म रे म रे सा ऽ  
हा० स्य सु खी०

नी प नी म प प  
अ ति मो० ह क

सां रे सां रे सांनी प ऽ  
न ऽ ट ले ०००ली०

मप नीप पम रे सा रे  
ना० ०० र० शो० भ

प ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥ ध्रु० ॥  
ते ०००००

प नी प नी मप  
रे० खियला०

सां ऽ सां सां सां सां  
मं० ग ल म य

सां सां सां सां सां रे  
तिल क क पा०

नी सां ऽ नी प ऽ ऽ  
ली० ००००००

सां रे सां रे नी सां  
प दिं घुं० गु र

प नी प म प प  
खुळ खुळ खुळ

मप नीप पम रे सा रे प ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ  
ना००० द का० ढि ते ००००० ॥ १ ॥

( 'पुष्पांच्या' हा अंतरा, 'रेखियला' प्रमाणें. )

## तुझाच छकुला

तुझाच छकुला-तुझाच गे-मम माउली !।  
 गोकुळि राखी गोधना, नन्दबाळ मी कांढा ॥  
 यमुनातीरीं चारित धेनू ।  
 धरितो हांसत अधरीं वेणू ।  
 झब् झब् झनन नन, वाजे खनन नन ।  
 भुळति सकल व्रजबाला ! ॥

तुझाच छकुला० ताल—केरवा

|             |             |             |             |
|-------------|-------------|-------------|-------------|
| X           | •           | X           | •           |
| ग रेग मग रे | सा नीं सा ऽ | ग रेग मग रे | सा ऽ सा सा  |
| तुझा०००च    | ळ कु ला ०   | तुझा०००च    | गे ० म म    |
| सा ऽ ऽ रे   | सा ऽ ऽ ऽ    | ॥ध्रु०॥     |             |
| मा ० ० उ    | ळी ० ० ०    |             |             |
| सा ऽ प प    | प ऽ प ऽ     | ऽ प ऽ ध     | प ऽ ऽ ऽ     |
| गो ० कु ळि  | रा ० खी ०   | ० गो०ध      | ना ० ० ०    |
| प ध प म     | ऽ म म ऽ     | ग मग रे ऽ   | ऽ ऽ ऽ ऽ     |
| वं ० द बा   | ० ल मी०     | का ००न्हा०  | ० ० ० ० ॥१॥ |
| प प ध ऽ     | प ऽ ध ऽ     | प ऽ ध म     | प ऽ प ऽ     |
| ब मु बा०    | ती ० रीं०   | चा० रि त    | धे ० ० नू   |
| ब प धनी धनी | प ऽ ध ध     | प प ध म     | प ऽ प ऽ     |
| ध रि तो०००  | हां० स त    | अ ध रीं०    | वे ० णू०    |
| अ ध ऽ प     | म म म म     | मप मप ऽ म   | ग ग ग ग     |
| झन् झन् झ   | न न न न     | वा० ००० जे  | ख न न न     |
| ब ध प म     | म म म म     | ग ऽ रे ऽ    | ० ० ० ०     |
| भुळ तिस     | क ल व्र ज   | बा ० ला ०   | ० ० ० ० ॥२॥ |

# हर्षगीत

सर्वजन—

हांसत नाचत जाऊं  
जाऊं चला गोकुळाला ! ॥

कृष्ण—

घांचत यमुना तीराला  
घेऊनी गोधनाला ॥

पंचा—

हर्षभरें—घुमविन मी—मृदुमुरली— !

लई येढ केलं,  
लई येढं केलं, बासरीनं, पित्तिमीला ॥

राधा—

घालुनि जयमाला—मिरवुया नन्दलाला  
गाउनी गान, विसरुनी भान  
मिरवुया नन्दलाला ! ॥

| हांचत नाचत जाऊं० ताल—केरवा |             |            |                   |
|----------------------------|-------------|------------|-------------------|
| X                          | X           | X          | X                 |
| गुम प प म                  | रेगु म मग   | रे ऽ ग् ऽ  | ऽ ऽ सा नीं        |
| हां ० ० स त                | बा ० ० चत   | बा ० ऊं ०  | ० ० जा ऊं         |
| सा प ऽ धू                  | पम गुम      | प ऽ ऽ ऽ    | ऽ ऽ ऽ ऽ           |
| च का ० गो                  | ० कु ला ०   | का ० ० ०   | ० ० ० ०           |
| प धू सा नी                 | धूप मग्     | रे ऽ सा ऽ  | सा ऽ ऽ ऽ          |
| धां ० व त                  | ब मु ना ०   | ती ० रा ०  | का ० ० ०          |
| सा नीं सा प                | ऽ धू प म    | गुम प ऽ    | ऽ ऽ ऽ ऽ           |
| वे ० ऊ नी                  | ० गो ० ध    | ना ० ला ०  | ० ० ० ० ॥ ध्रु. ॥ |
| प धू नी ध                  | नी ऽ नी व ध | प धू सा नी | सा ऽ ऽ ऽ          |
| ह ० र्ब भ                  | रे ० ० ० ०  | घुम विन    | मी ० ० ०          |
| प धू सा नी                 | सा ऽ ऽ ऽ    | प धू ऽ प   | ऽ म ग् ऽ          |
| मृदु मुर                   | ली ० ० ०    | ल ई ० ये   | ० ढं के ०         |
| गुम प ऽ म                  | ऽ ग् ग् ऽ   | गुम ऽ ऽ ग  | ऽ रे सा नीं       |
| ढं ० ० ० बा                | ० स री ०    | नं ० ० पि  | ० ति मी ०         |
| सा ऽ ऽ ऽ                   |             |            |                   |
| का ० ० ०                   | ॥ १ ॥       |            |                   |

|               |                  |               |                 |
|---------------|------------------|---------------|-----------------|
| X             | X                | X             | X               |
| नीं सा ग म    | धू नी सा नी      | सां ऽ ऽ ऽ     | ऽ ऽ नी नी       |
| वा ० लु नि    | ज य मा ०         | ला ० ० ०      | ० ० मि र        |
| सां गं ऽ रे   | ऽ सां नी ऽ       | सां रे गं ऽ ऽ | ऽ ऽ नी ऽ        |
| बु या ० नं    | ० द ला ०         | ला ० ० ० ०    | ० ० गा ०        |
| सां गं ऽ गुरे | सां नी नी रे सां | मं गं ऽ गुरे  | सां नी नी नी नी |
| उ नी ० गा ०   | ० ० न वि स       | रु नी ० भा ०  | ० ० न मि र      |
| सां गं ऽ रे   | ऽ सां नी ऽ       | सां रे गं ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ         |
| बु या ० नं    | ० द ला ०         | ला ० ० ० ०    | ० ० ० ०         |

॥२॥

# माझा मुलगा

## ‘श्याम’चें गाणें

श्यामः— होइल गम्मत—देशिल जम्मत  
मला आणुनी ॥

हातावरचें घड्याळ सुन्दर  
करितें टिकटिक पळतें भरभर !

दिवाकरः— टाकायाला लगेच फोडुनी ?

श्यामः— अंह !—बांधिन हलूच जपुनी ॥  
मोटरगाडी सुरेख रंगित  
पों पों करुनी हाकिन ऐटित

दिवाकरः— बाबा, तूं, मी येऊं फिरुनी !

श्यामः— आई, तूं, मी येऊं फिरुनी !  
बोलति रागें उगीच तुजशीं  
म्हणुनि गडी फू करिन तयांशीं ! ॥

होइल गम्मत • ताल—केरवा

|             |                |             |            |
|-------------|----------------|-------------|------------|
| ×           | •              | ×           | •          |
| नीं रे ग ध  | प म ग रे       | नीं रे ग ध  | प म ग रे   |
| हो • इ ल    | ग • म्म त      | दे • शि ल   | ज • म्म त  |
| ग रेग मग सा | ऽ नीं सा ऽ     | धं सा धं सा | रे ग सा ऽ  |
| मला • • • आ | • णु नी ॥ध्रु॥ | हा • ता •   | वर चें •   |
| रे ग ऽ रे   | ग म ध प        | म ध नी रें  | नी ध नी ध  |
| घ ळ्या • ल  | सु • न्द र     | क रि तें •  | टि क टि क  |
| ग रे ग रे   | ग रे सा सा     | सा ऽ सा ऽ   | ध नी प ऽ   |
| प ल तें •   | भ र भ र        | टा • का •   | या • ला •  |
| ध नी ऽ ध    | नी रें सा सा   | नीं रे ग ध  | प म ग रे   |
| ल गे • च    | फो • डु नी     | अं • हं •   | बां • धि न |

|            |                |               |              |
|------------|----------------|---------------|--------------|
| ग ग ऽ रे   | सा नीं सा ऽ    | नी रें नी रें | नीं ध प ऽ    |
| ह ळ ० च    | ज पु नी ०      | मो ० ट र      | गा ढी ० ०    |
| ध नी ऽ ध   | नी रें सां सां | ध सां ध सां   | रें गं सां ऽ |
| सु रें ० ख | रं ० गि त      | पों ० पों ०   | क रु नी ०    |
| नी ध नी ध  | प म प प        | मु ध नी रें   | नी ध प म     |
| हा ० कि न  | ऐ ० टि त       | बा ० बा ०     | तूं ० मी ०   |
| ग रे गे रे | ग रे सा ऽ      | मु ध नी रे    | नी ध प म     |
| ये ० ऊं ०  | फि रु नी ०     | आ ० ई ०       | तूं ० मी ०   |

|           |                   |             |            |
|-----------|-------------------|-------------|------------|
| ×         | ०                 | ×           | ०          |
| ग र ग रे  | ग रे सा ऽ         | नीं रे ग रे | ग ऽ ग ऽ    |
| ये ० ऊं ० | फि रु नी ०        | बो ० ल ति   | रा ० गें ० |
| ग म ऽ रे  | ग म प ऽ           | मु ध नी रे  | नी ध प म   |
| उ गी ० च  | तु ज शीं ०        | म्ह णु नि ग | डी ० फू ०  |
| ग रे ग रे | गं रे सा ऽ        |             |            |
| क रि न त  | यां ० शीं ० ॥ १ ॥ |             |            |

## भृङ्ग आणि फुलराणी

मज फिरफिरुनी छळिसि कां ?

गुणगुणुनी कानीं-कां-

वदे फुलराणी ॥

हीं गूढ गीतें — गासी कशाला ?

तूं भृंग काळा — मी गौर बाला !

मी रूपखाणी — पुष्पराणी—

वनीं रानीं नसे कोणी—

पाही माझ्यावाणी ! ॥

मज फिरफिरुनी० ताळ—केरवा.

|                 |             |                 |                |
|-----------------|-------------|-----------------|----------------|
| ×               | ०           | ×               | ०              |
| ऽ ऽ ग् म        | प नी सां रे | सां नी सां ऽ    | ऽ प ध् म       |
| ० ० म ज         | फि र फि रु  | नी ० ० ०        | ० छ ङि धी      |
| प ऽ ऽ ऽ         | नी ध नी सां | सां प ऽ ऽ       | प मु प ध्      |
| का ० ० ०        | गु ण गु णु  | नी ० ० ०        | का ० ० ०       |
| ध् म ऽ ऽ        | ग् रे ऽ ग्  | रे ग् म ग्      | रे ग् सा ऽ     |
| नी ० ० ०        | कां ० ० व   | दे ० फु ल       | रा ० णी ०      |
| ऽ ऽ म ऽ         | ऽ प नी नी   | सां रे' ऽ ऽ     | सां रे' ग् ऽ   |
| ० ० हीं ०       | ० गू ० ढ    | गी ० ० ०        | ते ० ० ०       |
| ऽ ऽ गुरे सां रे | ऽ नी ऽ नी   | पनी सां रे' ऽ ऽ | नी सो ऽ ऽ      |
| ० ० गा ० ० ०    | ० सी ० क    | शा ० ० ० ० ०    | ळा ० ० ०       |
| प ऽ म ऽ         | ऽ प नी नी   | सां रे' ऽ ऽ     | सां रे' ग् ऽ ऽ |
| ० ० तूं ०       | ० भृं ० ग   | का ० ० ०        | ळा ० ० ०       |
| ऽ ऽ गुरे सां रे | ऽ नी ऽ नी   | पनी सां रे' ऽ ऽ | नीं सां ऽ ऽ    |
| ० ० मी ० ० ०    | ० गौ ० र    | बा ० ० ० ० ०    | ळा ० ० ०       |



|            |             |             |            |
|------------|-------------|-------------|------------|
| ऽ ऽ रे ऽ   | ऽ रे ग् म   | म सा सा ऽ   | ऽ सा ऽ रे  |
| ० ० मी ०   | ० रु ० प    | खा ० णी ०   | ० पु ० ष   |
| रे नी नी ऽ | ऽ नी नी सा  | सा प प ऽ    | ऽ ध् प ध्  |
| रा ० णी ०  | ० व नीं ०   | रा ० नीं ०  | ० न से ०   |
| प म ऽ म    | ग् ऽ ग् ऽ   | रे ग् म ग्  | रे ग् सा ऽ |
| को ० ० णी  | पा ० ह्री ० | मा ० झ्या ० | वा ० णी ०  |

## तेज भरे गगनांत !

उसळत—तेज भरे गगनांत ॥  
 उजळे मन्दिर शिखर विराजे—  
 सोनेरी किरणांत ॥  
 गाभाऱ्यांतिल मूर्ति चिमुकली  
 न्हाली नव तेजांत ॥  
 प्रांगणांतले तरु मोहरले  
 पसरे गन्ध दिशांत ॥  
 उत्साहाचे भरले वारे  
 पवनाच्या हृदयांत ॥  
 ओढ लागली त्या तेजाची  
 मम जीवा विरहार्त ॥  
 हृदय परी कां अजुनी माझें  
 फिरतें अन्धारांत ? ॥  
 उजळिल अन्तर कधी 'निरन्तर'  
 घेउनि निजरूपांत ? ॥

तेज भरे गगनांत० केरवा ताल—मात्रा; ४

| ०                  | ×           | ०            | ×            |
|--------------------|-------------|--------------|--------------|
| धंसा सारे रेग सारे | ऽ प म म     | ग सा रे ग    | रे सा ऽ सा   |
| उ० स० ल० त०        | ० ते ज भ    | रे ० ग ग     | नां ० ० त    |
| धंसा सारे रेग सारे | ऽ म म म ऽ   | मग रेग रे सा | ऽ सारे प प   |
| उ० स० ल० त०        | ० उ ज ले    | मं० ०० दि र  | ० शिखर वि    |
| प ऽ धम प           | ऽ ध ध ऽ     | पध नीध प म   | ग रे ऽ रे    |
| रा ० जे० ०         | ० सो ने ०   | री० ०० कि र  | णां ० ० त    |
|                    | म ऽ म ऽ     | मग रेग रे सा | धं सा सा रेग |
|                    | गा ० भा ०   | ऱ्यां ० ति ल | मू ० ति चि   |
| मग रे सा ऽ         | धं सा सा ऽ  | रे सा रेग मग | रे सा ऽ सा   |
| मु० क ली ०         | न्हा ० ली ० | न व ते० ००   | जां ० ० त    |

( पुढील अंतरे 'उजळे मंदिर' प्रमाणें )

# तुझी मोहिनी !

जीवा तुझ्या मोहिनीनें भारिलें  
 उफाळुनि येती भाव चिन्हीं दाटले ॥  
 गूज मन्मनीचें केलें खुलें तुझ्यापाशीं  
 तुझ्या अन्तरीचें गूढ चित्ता नाकले ॥  
 करी पुरी भाशा पदरीं ठाक वा निराशा  
 फिरायचीं मागें ही न आतां पाडलें ॥  
 बरीं शिरीं अनुरागें वा दुरी फेक रागें  
 सुको मुको प्राणा, पुष्प पायीं वाहिलें ॥  
 लपणडाव हा जीवाला गमे तापदायी  
 कधीं ब्हावयाचे हे उमाले मोकळे ? ॥

जीवा तुझ्या ताल—केरवा. मात्रा ४

|              |                  |           |              |
|--------------|------------------|-----------|--------------|
|              | X                | o         | X            |
| सा नीं धं पं | ८ ९ धं सा        | ९ ग ९ ग   | ग ९ सा       |
| जी ० बा ०    | ० ० तु झा        | ० मो ० दि | नी ० नें ०   |
| ९ ग ८ ध      | प ९ ९ ९          | ९ ९ ९ ९   | ग ग ९ ग      |
| ० भा ० रि    | लें ० ० ०        | ० ० ० ०   | उ फा ० लू    |
| ९ ग ग ९      | ग रे ९ रे        | ९ रे ग प  | पध नीध नीध ० |
| ० नि ये ०    | ती ० ० भा        | ० व चि ०  | ती ० ० ० ० ० |
| ९ ग ९ सा     | सारे गुरे सारे ग | ॥ धृ ॥    |              |
| ० दा ० ट     | ले ० ० ० ० ०     |           |              |

|            |             |               |                 |
|------------|-------------|---------------|-----------------|
|            | X           | o             | X               |
|            | म ९ म म     | ९ म म ९       | म ९ रे ९        |
|            | गू ० ज म    | ० न्म नीं ०   | चें ० के ०      |
| म ९ ९ ९    | प ध ९ प     | म ९ ग सा      | सारे गुप मग रेग |
| लें ० ० ०  | खु लें ० तु | झा ० पा ०     | झीं ० ० ० ० ० ० |
| ९ ९ ९ ९    | ग ग ९ ग     | ९ ग ग ९       | गरे ९ ९ सा      |
| ० ० ० ०    | तु झा ० अं  | ० त रीं ०     | चें ० ० गू      |
| ९ नीं धं ९ | पं ९ ९ धं   | सा रे सारे गम | पम गुरे ग ९     |
| ९ ह चि ०   | सा ० ० ना   | ० क ले ० ०    | ० ० ० ० ० ०     |

( पुढील अंतरे वरील प्रमाणेंच )

## पाहूं रे किति वाट !

पाहूं रे किति वाट ? । जिवलगा ॥  
 छिण्डतें, धुण्डीतें — होई न भेटी  
 प्रीतीचें निधान — येई न हार्ती  
 झाली बाला श्रान्त — जिवलगा ॥

वन सळसळतें — मन तळमळतें  
 प्राणसख्या ! तव — चाडूल येतें—  
 भेसूर घन तिमिरांत — जिवलगा ॥

सागर खवळे — उसळती लाटा  
 झुंजत तयांशीं — हांसशी नाथा !  
 काडूर मम हृदयांत — जिवलगा ॥  
 होईल केव्हां — मीलन अन्ती ?  
 अवचित जुळतिल — प्रीति-ज्योती  
 विश्वाच्या प्रलयांत — जिवलगा ॥

पाहीन तोंवरी वाट — जिवलगा ॥

पाहूं रे किति वाट० ताल—दादरा—मात्रा ६

|             |           |           |                |
|-------------|-----------|-----------|----------------|
| x           | o         | x         | o              |
| रे गू ऽ     | रे ऽ रेग  | धंसा सा ऽ | धंसा रेगू सारे |
| पा हूं ०    | रे ० किति | वा ० ० ट  | जिवलगा ० ०     |
| रेगू प ऽ    | ग ऽ रेग   | ग सा ऽ    | सा ऽ ऽ         |
| पा ० हूं    | रे ० किति | वा ० ०    | ट ० ०          |
| रे गू रे    | गू रे सा  | रे गू रे  | रेगू प ऽ       |
| छि ङ ते     | धुं ङी ते | होई न     | भे० टी०        |
| ग प ग       | गू रे सा  | रे गू रे  | सारेगू रे ऽ    |
| प्री ती चें | नि धा न   | ये ई न    | हा ० ० ती०     |

|                    |                        |                          |                             |
|--------------------|------------------------|--------------------------|-----------------------------|
| ग ग ऽ<br>झा ली ०   | गरे सा ऽ<br>बा० ला०    | धंसा सा ऽ<br>श्रा० न्त ० | धंसा रेगु सारे<br>जिवलगा ०० |
| पंपं धं पं<br>वनसळ | पंध्र पं ऽ<br>सळ तें ० | पंध्र सासा<br>मन तळ      | रेगु प ऽ<br>मळ तें ०        |
| ग प ग<br>प्रा ण स  | ग रे सा<br>ख्यात व     | रे ग रे<br>चा हूळ        | सारेग रे ऽ<br>ये ०० ते ०    |
| ग ग ग<br>भे सू र   | रेग रेसा<br>घनतिमि     | धं सा सा<br>रां ० त      | धंसा रेगु सारे<br>जिवलगा ०० |

( पुढचे अंतरे 'वनसळसळतें', प्रमाणें )

# संत ज्ञानेश्वर

## मुंजीचें गाणें

मुक्ता—बघ मङ्गल दिन आला ।

चल चल रे मुञ्ज मुला ॥ ध्रु० ॥

घालुनिया लङ्गोटी ।

दण्ड उभा घे हातीं

मग म्हण रे ॐ भवती

चल चल रे मुञ्ज मुला ॥

दर्भानें तव माण्डी चिरतिल

बेटकुळी मग तिच्यांत भरतिल

आंत उड्या तीं दुणदुण मारिल !

घरघर भरभर गरगर फिरशिल

आला ! आला ! बघ मङ्गलदिन आला ॥

सोपान—यक्षोपविता करुनी धारण

गायत्रीचें मन्त्रोच्चारण

ब्रह्मचारी मी गुरुघरीं जाइन

होइन ज्ञानी दिपविन सकला

आला ! बघ मङ्गलदिन आला

मुक्ता— काशीला तूं निघशील जाया

तुला आडविल मामाराया

बोले 'देईल कन्या या या'

ब्रह्मचारी मग फिरला—फसला ॥

आला ! आला ! बघ मङ्गलदिन आला ॥

बघ मंगल दिन० ताल—केरवा

×

०

×

ॐ ॐ प ध म ॐ ग रे ग सा रे ग प ॐ प ध  
० ० ब घ मं ० ग ल दि न आ ० ला ० च ल

|               |                |             |               |       |
|---------------|----------------|-------------|---------------|-------|
|               | नी रे साँ ऽ    | नी प ध म    | पध ऽ ऽ ऽ      |       |
|               | च ल रे ०       | सुं ० ज सु  | का ० ० ०      |       |
| ऽ ऽ प ध       | म ऽ ग रे       | ग सा रे ग   | प ऽ ऽ ऽ       | ॥४०॥  |
| ० ० ब ध       | मं ० ग ल       | दि न आ ०    | का ० ० ०      |       |
|               | सा ऽ ग म       | ध ऽ ऽ ऽ     | प ग म ध       |       |
|               | आ ० लु नि      | आ ० ० ०     | लं ० गो ०     |       |
| प ऽ ऽ ऽ       | सा ऽ ग म       | ध ऽ ऽ ऽ     | प ग म ध       |       |
| टी ० ० ०      | दं ० ड उ       | भा ० ० ०    | वे ० हा ०     |       |
| प ऽ ऽ ऽ       | ग म ध प        | ध ऽ ऽ ऽ     | म ऽ म म       |       |
| ती ० ० ०      | म ग म्हा ण     | रे ० ० ०    | ऊँ ० भ व      |       |
| म ऽ ध म       | प ग म रे       | ग सा रे ग   | प ऽ ऽ ऽ       | ॥ १ ॥ |
| ती ० च ल      | च ल रे ०       | सुं ० ज सु  | का ० ० ०      |       |
|               | ऽ गं गं रे     | साँ नी ध प  | ग प ग प       |       |
|               | ० द भाँ ०      | नें ० त व   | मां ० डी ०    |       |
| ध नी प ध      | ऽ गुं गं गं रे | साँ नी ध प  | ग प ग प       |       |
| चि र तिल      | ० बे ० ट कु    | ली ० म ग    | ति न्यां ० त  |       |
| ०             | X              | ०           | X             |       |
| ध नी प ध      | प ध साँ ध      | साँ रे गं ऽ | साँ गं रे साँ |       |
| भ र तिल       | आं ० त ड       | डवा ० ती ०  | डु णु डु णु   |       |
| नी साँ नी ध प | नी रे साँ साँ  | नी साँ नी ध | ध नी ध प      |       |
| मा ० ० रि ल   | च र भ र        | भ र भ र     | ग र ग र       |       |
| म गे सा रे    | ग ऽ ऽ रे       | गुप ऽ ऽ ऽ   | ग ऽ ऽ रे      |       |
| फि र स्त्रि ल | आ ० ० ०        | ला ० ० ० ०  | आ ० ० ०       |       |
| गु प ऽ पध     | म ऽ ग रे       | ग सा रे ग   | प ऽ ऽ ऽ       | ॥२॥   |
| ला ० ० ब ध    | मं ० ग ल       | दि न आ ०    | ला ० ० ०      |       |

( तिसरा व चौथा अंतरा, दुसऱ्या अंतऱ्याप्रमाणें )

# आम्ही दैवाचे !

आम्ही दैवाचे दैवाचे शेतकरी रे ।  
 करुं काम, स्मरुं नाम, मुखीं राम हरी रे ॥  
 प्राणावानी पितिं रानी !  
 जुपुनिया बैल गुनी !  
 कष्ट क्येल नांगरुनी !  
 दैवाची स्वारी आली मिर्गावरी रे ! ॥  
 धान्याची पेर झाळी !  
 लक्ष्मिनं किर्पा केली !  
 मोत्याची रास दिली !  
 शिवारी पीक डोले राजापरी रे ! ॥  
 नाचत्याती पोरं थोरं !  
 बागडती गुरंदोरं !  
 चला जाऊं सम्याम्होरं !  
 बिगी बिगी बिगी गाडी हाकूं खळयावरी रे ! ॥

## आम्ही दैवाचे० ताल—दादरा

|          |                   |                       |
|----------|-------------------|-----------------------|
| X        | ०                 | X                     |
| मा सा ऽ  | रे ग ग ऽ सा ऽ     | ग ऽ ग मग सा ऽ         |
| आ म्ही ० | दै ० वा ० चे ०    | दै ० वा ० ० चे ०      |
|          | प ऽ प प प ध       | म ऽ ऽ ग ग रे          |
|          | झे ० त क री ०     | रे ० ० क रुं ०        |
|          | ग ऽ ग रे रे सा    | रे ऽ रे रे रे सा      |
|          | का ० म् स्म रुं ० | ना ० म् मु खीं ०      |
|          | रे ऽ सा रे ग ऽ    | सा ऽ ऽ सा सा ऽ        |
|          | रा ० म ह री ०     | रे ० ० आ म्ही ० ॥धृ०॥ |
|          | धं सा धं सा सा ऽ  | रे रे ऽ मग् रे ऽ      |
|          | प्रा ना ० वा नी ० | पि तीं ० रा ० नी ०    |



ग ग ऽ ग ग ऽ प गमग ऽ रे सा ऽ  
जु पु ० नि या ० बैल००० गु नी ०

ग ग ऽ ग ग ऽ पधु पग मग रेसा ऽ  
क छ ० क्ये ल ० नां० ग ०० रुनी ०

प ऽ प ऽ प ऽ प प ऽ प प ऽ  
द्ये ० वा ० ची ० स्वा री ० आ ली ०

पधुधनी ध प म ऽ ग रे ऽ सा सा ऽ  
मिर गा० ० व री ० रे ० ० आ म्ही ० ॥१॥

|   |                                      |                                     |
|---|--------------------------------------|-------------------------------------|
| ×                                       | ×                                    | ×                                   |
| ग प ग प प ऽ<br>धा ० न्या ० ची ०         | ध ध ऽ नी प ऽ<br>पे र ० झा ली ०       | सा सा ऽ सा सा ऽ<br>ल क्षु ० मि नं ० |
| नी प ध नी प ऽ<br>कि र्पा ० के ली ०      | सा रे सा रे सा ऽ<br>मो ० त्या ० ची ० | नी ऽ ध नी प ऽ<br>रा ० स दि ली ०     |
| प ऽ प ऽ प ऽ<br>शि ० वा ० रीं ०          | प ऽ प प प ऽ<br>पी ० क ढो ले ०        | पधुधनी ध प म ऽ<br>रा० जा०० प री ०   |
| ग रे ऽ सा सा ऽ<br>रे ० ० आ म्ही ० ॥ २ ॥ |                                      |                                     |

|  |                                     |                                     |
|--|-------------------------------------|-------------------------------------|
| ग प ग प प ऽ<br>ना ० च त्या ती ०        | ध ध ऽ नी प ऽ<br>पो रं ० थो रं ०     | ग प ग प प ऽ<br>बा ० ग ढ ती ०        |
| ध ध ऽ नी प ऽ<br>गु रं ० ढो रं ०        | सा सा ऽ सा सा ऽ<br>च ला ० जा ऊं ०   | नी प ध नी प ऽ<br>स म्धा ० म्हो रं ० |
| ग प प प प प<br>बि गी बि गी बि गी       | पधुधनी ध प म ऽ<br>गा० ढी०० हा कूं ० | ग ग ऽ रे सा ग<br>ख ल्या ० व री ०    |
| ग ऽ ऽ सा सा ऽ<br>रे ० ० आ म्ही ० ॥ ३ ॥ |                                     |                                     |

# प्रार्थना

ज्ञानेश्वर—चरण-शरण देवा !  
 अर्जुन जणुं शोकाकुल !  
 भक्तहृदय मोहविकल !  
 त्वरित सुपथ दावा ! धां वा !

‘चरण शरण’० ताल—दादरा

|                   |                         |
|-------------------|-------------------------|
| ×                 | ×                       |
| र ग रे सा नीं सा  | रेगु प म ग ग् रे        |
| च र ण श र ण       | दे०० वा ००० ॥४०॥        |
| ऽ ध ध ध नी ध      | ग म प म ग् रे           |
| अ र्जु न ज णुं    | शो ० का ० कु ल          |
| ऽ ग् रे सा नीं सा | रेगु प म ग ग् रे        |
| भ क्त हृ द य      | मो०० ह वि क ल           |
| ध ध ध ध ध धप      | सानी सानी सानी पध नीध प |
| त्वरित सु प थ     | दा० ०० ०० वा००००        |
| पध नीध म मप ऽ ऽ   |                         |
| धां०००० वा००००    | ॥ १ ॥                   |

## आनन्द आनन्द

आनन्द आनन्द अवघा आनन्द आगळा !  
 गोविन्द गोविन्द अवघा मुकुन्द सांवळा !  
 बहुता दिसांचें तप ये फळाळा !  
 धांवुनी भक्तासाठीं घननीळ वोळला !  
 कृष्णघन वोळला !  
 बाहेरीं भीतरीं अवघा आनन्द-सोहळा !

‘आनंद आनंद०’ ताल—केरवा

|             |               |              |                    |
|-------------|---------------|--------------|--------------------|
| ×           | ०             | ×            | ०                  |
| रे ग् रे सा | ऽ सा सा ऽ     | सा नीं सा रे | साग रेसा नीं धं पं |
| आ मं द ०    | ० आ नं ०      | द ० अ व      | बा० ०० ०० ०        |
| धं सा ऽ सा  | ऽ ऽ सारे मप म | ऽ ग् ऽ       | गुरे रे ऽ ऽ        |
| आ मं ० द    | ० ० आ० ०      | ० ० ग ०      | ळा० ० ० ०          |
| ग ग ऽ ग     | ऽ ग म ऽ       | प ऽ म प      | मप गम रेग          |
| गो विं ० द  | ० गो विं ०    | द ० अ व      | बा० ०० ०० ०        |
| रे ग् रे सा | ऽ सा रेसा नीं | रे ऽ रे ऽ    | ऽ ऽ ऽ ऽ ॥४०॥       |
| मु कुं ० द  | ० सां व ०     | ० ० ला ०     | ० ० ० ०            |
| ग ग ऽ ग     | ऽ ग रेग मप    | ऽ ऽ ग रे     | ऽ ऽ ग ग            |
| ब हु ० ता   | ० दि सां ०००  | ० ० च ०      | ० ० त प            |
| ऽ सा ऽ सा   | सारे ग ऽ रे   | ग प ऽ ऽ      | ऽ ऽ ऽ ऽ            |
| ० ये ० फ    | ळा० ० ० ०     | ला ० ० ०     | ० ० ० ०            |
| म ऽ म म     | ऽ म पमु गुरे  | ग ऽ म ऽ      | प ऽ ऽ ऽ            |
| धां ० बु नी | ० भक्ता ०००   | ० ० सा ०     | ठीं ० ० ०          |
| गप गप धप म  | ग रे गुरे सा  | रेग रे ग ऽ   | ऽ ऽ ऽ ऽ            |
| घ ० न ०० नी | ० ल वो ० ०    | ०० ल ला ०    | ० ० ० ०            |
| ग ग ऽ ग     | ऽ ग म ऽ       | प धप म ग     | म ऽ ऽ ऽ            |
| बा हे ० री  | ० भी त ०      | रीं ०० अ व   | घा ० ० ०           |
| रे ग् ऽ सा  | ऽ सा रेसा नीं | रे ऽ रे ऽ    | ऽ ऽ ऽ ऽ ॥१॥        |
| आ नं ० द    | ० सो ह ० ०    | ० ० ला ०     | ० ० ० ०            |

## हांसत वसंत ये वनीं

हांसत वसन्त ये वनीं —अलबेला  
प्रियकर पसन्त हा मनीं—धरणीला ॥

घनघन राई—बहरुनि येई  
कोमळ मंजुळ—कोयल गाई !  
अम्बा पाही फुलला—चांफा झाला पिचळा  
जाई जुई चमेलीला—भर आला शेवन्तीळा  
घमघमला ! — हांसत वसन्त ये वनीं — ॥ १ ॥

सतेज टवटवली  
कळी जशी कवळी !  
नभांत लुकलुकली  
चंद्रकोर इबली !  
आला शीतळ वारा—बरसत अमृतधारा  
मृदुळ फुलांचा करी झुला—अलबेला ॥ २ ॥

हांसत वसंत ताल—केरवा.

|                       |             |                |
|-----------------------|-------------|----------------|
| X                     | X           | o              |
| सारे ग ग ग ग ऽ ग सा   | साग रे ऽ सा | सानीं धनीं ऽ ऽ |
| हां०० स त व ० सं त    | बे० ० ० व   | नीं० ०० ० ०    |
| धं सा रे ग् रे ऽ ऽ सा | ग ऽ ऽ ऽ     | ऽ ऽ ऽ ऽ        |
| अ ल बे ० ला ० ० ०     | हां ० ० ०   | ० ० ० ०        |
| ग ग ग ग प ग ऽ सा      | साग रे ऽ सा | सानीं धनीं ऽ ऽ |
| प्रि य क र प सं ० त   | हां० ० ० म  | नीं० ०० ० ०    |
| धं सा रे ग् रे ऽ ऽ सा | ग ऽ ऽ ऽ     | ऽ ऽ ऽ ऽ ॥धृ०॥  |
| ध र णी ० ला ० ० ०     | हां ० ० ०   | ० ० ० ०        |
| ग ग ग ग ग म्ग रे सा   | ग ऽ ऽ ऽ     | ऽ ऽ ऽ ऽ        |
| घ न व न रा ०० ई ०     | ० ० ० ०     | ० ० ० ०        |
| ग ग ग ग ग म्ग रे सा   | ग ऽ ऽ ऽ     | ऽ ऽ ऽ ऽ        |
| ब ह रु नि बे ०० ई ०   | ० ० ० ०     | ० ० ० ०        |

|                           |                         |                         |
|---------------------------|-------------------------|-------------------------|
| ॐ ग ग ग ग मगु रे सा       | ॐ ग ग ग ग मगु रे सा     | ॐ ग ग ग ग मगु रे सा     |
| ० को म ल मं० ० जु ल       | ० को थ ल गा ० ० ई       | ० को थ ल गा ० ० ई       |
| सा रे प ॐ सा रे प ॐ       | नी सा नी सा नी सा नी सा | नी सा नी सा नी सा नी सा |
| कू ० हू ० कू ० हू ०       | कु हू कु हू कु हू कु हू | कु हू कु हू कु हू कु हू |
| ग ग ग ग रे ग रे सा        | ग ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ         | ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ           |
| आं बा पा ही फु ल ला ०     | हां ० ० ० ० ० ० ०       | ० ० ० ० ० ० ०           |
| ग ग ग ग रे ग रे सा        | ग ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ         | ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ           |
| चा फा झाला पि व ला ०      | हां ० ० ० ० ० ० ०       | ० ० ० ० ० ० ०           |
| ग ग ग ग ग ग रे सा         | ग ग ग ग ग ग रे सा       | ग ग रे सा               |
| जा ई जु ई च मे ली ला      | भ र आ ला शे वं ती ला    | शे वं ती ला             |
| धं सा रे गु रे ॐ ॐ सा     | ग ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ         | ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ           |
| ध म ध म ला ० ० ०          | हां ० ० ० ० ० ० ०       | ० ० ० ० ० ० ०           |
| X ०                       | X ०                     | ०                       |
| ध ध ॐ ध ध प ग प           | ध ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ         | ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ           |
| स ते ० ज ट व ट व          | ली ० ० ० ० ० ० ०        | ० ० ० ० ० ० ०           |
| ध ध ॐ सा ध प ग प          | ध ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ         | ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ           |
| क ली ० ज झी ० क व         | ली ० ० ० ० ० ० ०        | ० ० ० ० ० ० ०           |
| ध ध ॐ ध ग प ध प           | ध ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ         | ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ           |
| न भां ० त लु क ल क        | ली ० ० ० ० ० ० ०        | ० ० ० ० ० ० ०           |
| ध ॐ ध ध ॐ प ग प           | ध ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ         | ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ           |
| चं ० द्रको ० र ह व        | ली ० ० ० ० ० ० ०        | ० ० ० ० ० ० ०           |
| ग प प रे रे ग ग सा        | सारे ॐ ॐ रेग रेसा       | सा ॐ ॐ ॐ ॐ              |
| आ ० ला ० शी ० त ल         | वा ० ० ० ० ० ० ०        | रा ० ० ० ०              |
| ग प प रे रे ग रे ग        | सारे ॐ ॐ रेग रेसा       | सा ॐ ॐ ॐ ॐ              |
| ब र स त अ ० मृत           | धा ० ० ० ० ० ० ०        | रा ० ० ० ०              |
| ग ग ग ग ग ॐ मगु रेसा      | सा रे ॐ सा नीं ॐ ॐ ॐ    | नीं ॐ ॐ ॐ ॐ             |
| मृ दु ल फु लां ० चा ० ० ० | क रीं ० कु ला ० ० ०     | ला ० ० ० ०              |
| धं सा रे गु रे ॐ ॐ सा     | ग ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ         | ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ           |
| अ ल बे ० ला ० ० ०         | हां ० ० ० ० ० ० ०       | ० ० ० ० ० ० ०           |

॥१॥

॥२॥

## ‘ काका अब्बा ’

काका अब्बा, शूर शिपाई  
चाले जंगी रोज लडाई !!  
काका बसती डाव मांडुनी !  
अब्बा येती हुक्का घेउनि !  
काका म्हणती, ‘जिकिन डावा’!  
अब्बा म्हणती-‘उडविन धुब्बा’ !  
काका हत्ती मागें घेती !  
अब्बा गर्जति—‘भागूबाई’ !  
भागूबाई ! भागूबाई !  
काका अब्बा शूर शिपाई ॥ १ ॥

काकाजींची शेण्डी डोले !  
अब्बाजींची दाढी हाले !  
हल्ल्यावरती होती हल्ले !  
दिवस बुडाला तरिही चाले !  
प्रीतीची ही लाड-लडाई !  
काका अब्बा शूर शिपाई ॥ २ ॥

अन्न चुलीशी निवून जाई !  
पेंगत आई-देत जांभई !  
पोरें जमुनी करिती गिल्ला !  
तरिही यांचा खेळ चालला !  
तानभुकेची शुद्धच नाही !  
काका अब्बा शूर शिपाई !! ॥ ३ ॥

# काका अब्बा० ताल—केरवा.

|             |           |              |             |
|-------------|-----------|--------------|-------------|
| ×           | ०         | ×            | ०           |
| सा ऽ सा ऽ   | प ऽ प ऽ   | प ऽ प प      | प म प नी    |
| का० का०     | अ० ब्बा   | शू० र शि     | शा० ई०      |
| ध नी ध नी   | प ऽ ऽ ऽ   | ध ऽ धनी ऽ    | धप ध प ऽ    |
| ० ० ० ०     | ० ० ० ०   | बा० ले० ०    | जं० ० ० गी  |
| ध सा नी ध प | ग म प ऽ   | ॥धृ०॥        |             |
| रो० ज० क    | डा० ई०    |              |             |
| प ऽ प ऽ     | प प प म   | गु ऽ गु गु   | रे गु सा ऽ  |
| का० का०     | ब स ती०   | डा० व मा     | ० डु नी०    |
| प ऽ प ऽ     | प ऽ प म   | गु ऽ गु ऽ    | रे गु सा सा |
| अ० ब्बा०    | ये० ती०   | हु० का०      | वे० उ नि    |
| प ऽ प ऽ     | प ध प म   | म ऽ म म      | प ध नी ध    |
| का० का०     | म्ह ण ती० | जि० कि न     | डा० वा०     |
| नी ध नी ध   | नी ऽ ऽ ऽ  | नी ऽ नी ध    | ध प प म     |
| ० ० ० ०     | ० ० ० ०   | अ० ब्बा०     | म्ह ण ती०   |
| म म म म     | म ऽ म ग   | म ग म ग      | म ऽ ऽ ऽ     |
| उ ड वि न    | धु० ब्बा० | ० ० ० ०      | ० ० ० ०     |
| म ऽ म ऽ     | ध ऽ ध ऽ   | धनी नी ध प म | प ध ध ऽ     |
| का० का०     | ह० ती०    | मा० गे० ० ०  | वे० ती०     |
| ध ऽ ध ऽ     | ध नी ध प  | ग म प म      | प ऽ प ऽ     |
| अ० ब्बा०    | ग र ज ति  | भा० गू०      | बा० ई० ॥१॥  |
| प ऽ प सा    | नी ध प ऽ  | प ऽ प सा     | नी ध प ऽ    |
| का० का०     | जी० ची०   | खे० डी०      | डो० ले०     |
| प ऽ प सा    | नी ध प ऽ  | प ऽ प सा     | नी ध प ऽ    |
| अ० ब्बा०    | जी० ची०   | दा० डी०      | डा० ले०     |

|                 |                |           |             |
|-----------------|----------------|-----------|-------------|
| ०               | ×              | ०         | ×           |
| साँ ऽ साँ रेसाँ | नी ध प ऽ       | प ऽ प ध   | साँ ऽ साँ ऽ |
| ह ० ल्या ००     | व र ती ०       | हो ० ती ० | ह ० ले ०    |
| ध साँ रे ग्     | रेसाँ रे साँ ऽ | नी ध प ध  | साँ ऽ साँ ऽ |
| दि व स बु       | डा ० ० ला      | त रि ही ० | चा ० के ०   |
| नी ऽ नी साँ नी  | ध ऽ नी ध प     | ग म ग म   | प म प ऽ     |
| प्री ० ती ००    | ची ० ०० ही     | ला ० ड ल  | डा ० ई ०    |

॥२॥

( तिसरा अंतरा, दुसऱ्या अंतऱ्याप्रमाणे )



## जिवाचं मैतर तुम्हीं माझ्या !

जिवाचं मैतर तुम्हीं माझ्या !  
चल चल, सरजा, चल राजा रे ॥

बाग-मळ्यांची दाटी रे  
पिकतीं माणिक मोतीं रे  
लवलव करिते हिरवळ रे  
फुलली नाजूक मखमल रे ! ॥ १ ॥

दौलत ही न्यारी  
फुलवित शेतकरी —  
त्यास उणें सारें —  
दुनियेचें वैभव रे ! ॥ २ ॥

मंगल घर अपुलें  
गोकुळ गजबजलें !  
प्रीत इथें झुळझुळते —  
सुखममतेचें माहिर रे ॥ ३ ॥

जिवाचं मैतर तुम्हीं० ताल—केरवा.

|               |           |            |                 |
|---------------|-----------|------------|-----------------|
| X             | ०         | X          | ०               |
| सा रे सारे सा | नीं ऽ ऽ ऽ | ऽ सा रे रे | रे सा रेम पुम   |
| जि वा चं० ०   | ० ० ० ०   | ० मै त र   | तु म्ही मा० ० ० |
| रे ऽ ऽ ऽ      | ऽ ऽ ऽ ऽ   | म म म रे   | रे ग् ग् सा     |
| झ्या० ० ०     | ० ० ० ०   | च ल च ल    | स र जा ०        |
| ऽ सारे रे नीं | सा ऽ सा ऽ | ॥ धृ० ॥    |                 |
| ० चल रा ०     | जा ० रे ० |            |                 |

|              |             |              |              |
|--------------|-------------|--------------|--------------|
| ०            | X           | ०            | X            |
| ऽ गुम म म    | प धप म ग्   | ऽ गुम प म    | प ऽ ऽ ऽ      |
| ० बा० ग म    | ल्यां०० ची० | ० दा० टी ०   | रे ० ० ०     |
| ग् म म प     | प धप म ग्   | ऽ गुम प म    | प ऽ ऽ ऽ      |
| पि क ती ०    | मा०० णि क   | ० मो० ती ०   | रे ० ० ०     |
| रे म म रे    | रे ग् ग् सा | ऽ सारे रे नी | सा ऽ सा रे   |
| ल व ल व      | क रि ते ०   | ० हिर व क    | रे ० हां ०   |
| रे म म रे    | रे ग् ग् सा | सा रे रे नीं | सा ऽ ऽ ऽ     |
| फु ल ली ०    | ना ० णु क   | म ख म ल      | रे ० ० ० ॥१॥ |
| ऽ गुम प प    | प धप गुम ग् | प ऽ ऽ ऽ      | ऽ ऽ ऽ ऽ      |
| ० दौ० ल त    | ही०० न्या०० | री ० ० ०     | ० ० ० ०      |
| ऽ गुम प ध    | नी ध नी ध   | नी प ऽ ऽ     | ऽ ऽ ऽ ऽ      |
| ० फुल वि त   | शे ० त क    | री ० ० ०     | ० ० ० ०      |
| ऽ गुम प म    | प धप म ग    | म ऽ ऽ ऽ      | ऽ ऽ ऽ ऽ      |
| ० त्या० स उ  | णें ० ० सा  | रें ० ० ०    | ० ० ० ०      |
| ग् म प म     | प धपप ऽ मग् | ऽ गुम प म    | प धपप ऽ मग्  |
| हु नि ये ०   | हें००००००   | ० वै० भ व    | रे००००००     |
| म ऽ ऽ ऽ      | ऽ ऽ ऽ ऽ     | म म म रे     | ग् ग् ग् सा  |
| हां ० ० ०    | ० ० ० ०     | च ल च ल      | स र जा ०     |
| सा रे रे नीं | सा ऽ सा ऽ   | ॥२॥          |              |
| च ल रा ०     | जा ० रे ०   |              |              |
| ऽ गुम प ध    | नी ध नी ध   | नी ऽ ऽ ऽ     | ऽ ऽ ऽ ऽ      |
| ० मं० ग ल    | घ र अ पु    | कें ० ० ०    | ० ० ० ०      |
| ऽ गुम प ध    | नी ध नी ध   | नी ऽ प ऽ     | ऽ ऽ ऽ ऽ      |
| ० गो० कु ल   | ग ज ब ज     | कें ० ० ०    | ० ० ० ०      |

|                 |             |               |            |
|-----------------|-------------|---------------|------------|
| ०               | ×           | ०             | ×          |
| ग् म प म        | प ऽ ऽ मग्   | ग् म प म      | प ऽ ऽ मग्  |
| प्री ० त ह      | थें ० ० ० ० | झु क झु क     | ते ० ० ० ० |
| म ऽ ऽ ऽ         | ऽ ऽ ऽ ऽ     | म म म रे      | ग् ऽ ग् सा |
| हां ० ० ०       | ० ० ० ०     | सु ख म म      | ते ० चें ० |
| रे ऽ रे ऽ रे नी | सा ऽ ऽ ऽ    | सा रे सारे सा |            |
| मा० हि ० र      | रे ० ० ०    | जि वा चं ०    | ॥ ३ ॥      |

## ‘राधिका चतुर बोले’

राधिका चतुर बोले —

‘तुझी माझी प्रीत जुळे, कान्हा ॥

चल, प्रीतिपंख पसरूं

गगनीं स्वैर फिरूं —

गिरिशिखर सागरांना

लंघुनि मेघांना — ! ॥ १ ॥

नवलाख दिव्य रमणी

मंगलमय गाणीं

आळवितीं गगनीं —

— मधिं कान्त शान्त हंसरा—

— करिती फेर पुरा — ! ॥ २ ॥

ही तेजाची गंगा

चल, चल, श्रीरंगा —

घालु इथें पिंगा —

करूं प्रेम अमर अपुलें

तुझी माझी प्रीत जुळे — कान्हा !’ ॥ ३ ॥

राधिका चतुर बोले० ताल—केरवा.

|            |             |             |            |
|------------|-------------|-------------|------------|
| ०          | X           | ०           | X          |
| ५ ५ धं पं  | धं सा ५ सा  | सा सा रे धं | सा ५ ५ ५   |
| ० ० रा ०   | धि का ० च   | तु र बो ०   | ळे ० ० ०   |
| ५ ५ ५ ५    | सा ग ग रे   | सा ५ रे धं  | सा ५ रे धं |
| ० ० ० ०    | तु झी मा झी | प्री ० त जु | ळे ० का ०  |
| सा ५ ५ ५   | ५ ५ ५ ५     | ॥४०॥        |            |
| न्हा ० ० ० | ० ० ० ०     |             |            |

| X           | ०            | ०            | X               |
|-------------|--------------|--------------|-----------------|
| ऽ ऽ पं पं   | धं सा सा सा  | ऽ सा रे धं   | सा ऽ ऽ ऽ        |
| ० ० च ल     | प्री ० ति पं | ० ख ष स      | हं ० ० ०        |
| सा ग ग रे   | सा ऽ रे धं   | सा ऽ रे धं   | सा ऽ ऽ ऽ        |
| ग ग नीं ०   | स्वै ० र फि  | हं ० हां ०   | हां ० ० ०       |
| ऽ ऽ सा रे   | रे रे रे रे  | ऽ धं धंग रेग | रे ऽ ऽ ऽ        |
| ० ० गि रि   | झि ख र सा    | ० ग रां ० ०  | ना ० ० ०        |
| ग ऽ ग रे    | सा ऽ रे धं   | सा ऽ रे धं   | सा ऽ ऽ ऽ        |
| हं ० बु नि  | मे ० धां ०   | ना ० हां ०   | हां ० ० ०       |
| ऽ ऽ धं पं   | धं सा ऽ सा   | सा सा रे धं  | सा ऽ ऽ ऽ        |
| ० ० रा ०    | धिका ० च     | तु र बो ०    | ले ० ० ० ॥ १ ॥  |
| ऽ ऽ पं पं   | धं सा सा रे  | ऽ ग गुरे सा  | रेग ऽ गुरे सारे |
| ० ० न व     | ला ० ख दि    | व्य र ० म    | णी ० ० ०        |
| प ऽ ऽ ऽ     | ऽ ग ग ग      | रेग मग सा ऽ  | रे ऽ म ऽ        |
| ० ० ० ०     | ० मं ग क     | म ० य गा ०   | णीं ० ० ०       |
| प ऽ ऽ ऽ     | ग ऽ ग मग रे  | सा ऽ रे धं   | सा ऽ ऽ ऽ        |
| ० ० ० ०     | आ ० ल ० वि   | ती ० ग ग     | नीं ० ० ०       |
| ऽ ऽ पं पं   | धं सा धं सा  | ऽ सा रे धं   | सा ऽ ऽ ऽ        |
| ० ० म धि    | कां ० त शां  | ० त हं स     | रा ० ० ०        |
| सा ग ग रे   | सा ऽ रे धं   | सा ऽ रे धं   | सा ऽ ऽ ऽ        |
| क रि ती ०   | फे ० र पु    | रा ० हां ०   | हां ० ० ०       |
| ऽ ऽ धं पं   | धं सा ऽ सा   | सा सा रे धं  | सा ऽ ऽ ऽ        |
| ० ० रा ०    | धिका ० च     | तु र बो ०    | ले ० ० ० ॥ २ ॥  |
| ऽ ऽ ग प     | ग प प ऽ      | प ध ध प      | ग ऽ ऽ ऽ         |
| ० ० ही ०    | ते ० जा ०    | ची ० गं ०    | गा ० ० ०        |
| सा ग मग रेग | ग प प प      | प ध ध प      | ग ऽ ऽ ऽ         |
| ० ० ० ० ० ० | च ल च क      | श्री ० रं ०  | गा ० ० ०        |

| ०           | ×           | ०           | ×          | ।     |
|-------------|-------------|-------------|------------|-------|
| साग मग रेग  | ग प प ग     | सा ग ग सा   | सा ऽ ऽ ऽ   |       |
| ० ० ० ० ० ० | घा ० लुं ह  | थें ० पिं ० | गा ० ० ०   |       |
| ऽ ऽ पं पं   | धं सा सा सा | सा सा रे धं | सा ऽ ऽ ऽ   |       |
| ० ० क रुं   | प्रे ० म ज  | म र झ पु    | लें ० ० ०  |       |
| सा ग ग रे   | सा ऽ रे धं  | सा ऽ रे धं  | सा ऽ ऽ ऽ   |       |
| तु झी मा झी | प्री ० त जु | ले ० का ०   | न्हा ० ० ० |       |
| ऽ ऽ धं पं   | धं सा ऽ सा  | सा सा रे धं | सा ऽ ऽ ऽ   | ॥ ३ ॥ |
| ० ० रा ०    | धिका ० च    | तु र बो ०   | ले ० ० ०   |       |

## लखलख चन्देरी

लखलख चन्देरी तेजाची न्यारी दुनिया

झळाळति कोटी ज्योती या - हां - ॥

चला धरूं रिंगण

चुडी गुढी उंचावून

आकाशीच्या अंगणांत—मंजुळ रुणझुण !

नाचतीं चंद्र - तारे - वाजतीं पैंजण —

छुन् छुन् झुम झुम - हां हां — ॥ १ ॥

झोत रुपेरी - भूमिवरी - गगनांत !

धवळली सारी सृष्टी - नाचत डोलत !

कण कण उजळीत—हांसत हंसवीत—

करि शिणगार — हां हां — ॥ २ ॥

आनंदून रंगून - विसरुनि देहभान

मोहरली सारी काया - हारपली मोहमाया

कुडी चुडी पाजळून - प्राणज्योती मेळवून

एक होऊं या - हां हां — ॥ ३ ॥

लखलख चन्देरी० ताल—केरवा

|                     |            |                   |                  |
|---------------------|------------|-------------------|------------------|
| ०                   | X          | ०                 | X                |
| ५ ५ सासा सासा       | धं सा ५ सा | धं सा ५ सा        | रेम मप पध नीध    |
| ० ० लख लख           | चं दे ० री | ते जा ० ची        | न्या० री दु० नी० |
| पध पप ५ ध           | म ५ प प    | मप मप पध धप       | म ५ ग ५          |
| या० ०० ० झ          | ळा ० ळ     | ति को०टी०ज्यो०ती० | या ० ० ०         |
| रेगु रेगु रेसा सासा |            |                   |                  |
| ०००० लख लख          | ॥धृ०॥      |                   |                  |

|                     |                |                     |                  |
|---------------------|----------------|---------------------|------------------|
| ०                   | ×              | ०                   | ×                |
| ऽ मम ऽ पध           | ध नी ध प       | ऽ मम ऽ पध           | ध धनी ध प        |
| ० चला ० धरं         | रिं ० ग ण      | ० चुडी ० गुडी       | उं चा० वू न      |
| ऽ मम ऽ पध           | ध नी ध प       | ऽ मप म पध           | ध धनी ध प        |
| ० आका० शीच्या       | अं ग णां त     | मं० ० जु ल          | रु ण० झु ण       |
| ऽ मप मप ध           | ध धनी ध प      | ऽ मप मप ध           | ध धनी ध प        |
| ० ना० ० च ती        | चं द्र० ता रे  | ० वा०० ज ती         | पै० ० ज ण        |
| प प पध पध           | म ऽ ग ऽ        | रेगु रेगु रेसा रेसा | ॥ १ ॥            |
| खुन्र खुन्र झुम झुम | हां ० ० ०      | हां००० लख लख        |                  |
| ऽ पध ऽ सारै         | रै ऽगु रै सां  | ऽ पध ऽ सारै         | रै रैगं रै सां   |
| ० झो० ० त रु        | पे ०० री ०     | ० भूमी ० वरी        | गग ० नां त       |
| ऽ पध ऽ सारै         | रै रैगु रै सां | ऽ पध ऽ सारै         | रैगु रैगु रै सां |
| ऽ धव ० लली          | सा री० सृ ष्टी | ० ना० ० चत          | ढो००० क त        |
| ऽ धध ऽ धध           | ध ध ध ध        | ऽ धनी ऽ धनी         | प ध म प          |
| ० कण ० कण           | उ ज ली त       | ० हां० ० सत         | हं स वी त        |
| मप मप पध धप         | म ऽ ग ग        | रेगु रेगु रेसा सासा | ॥ २ ॥            |
| क० री० शि० ण०       | गा ० ० र       | हां० हां० लख लख     |                  |

( तिसरा अंतरा, दुसऱ्या अंतऱ्याप्रमाणें )



## ‘ सारे प्रवासी घडीचे ’

सारे प्रवासी घडीचे नांदूं सुखें संगतीं ॥

या दुनियेच्या अफाट हाटीं

पडती गांठी भेटी - अवचित

पडती गांठी भेटी — ! — ॥

बोलूं संगें — चालूं संगें

खेलूं नाचूं - हंसूं हंसूं संगें ! ॥ १ ॥

पाहूं संगें सुख सोहाळे !

साहूं संगे विजा वादळें !

जीव संगें — भाव संगें —

प्राण देऊं संगतीं — !

प्रीति-मैत्रिच्या पावन - तीर्थी

न्हाऊं - देऊं - जिवा सुखशान्ती । — ॥ २ ॥

सारे प्रवासी० ताल—कैरवा

|                |            |                 |                 |
|----------------|------------|-----------------|-----------------|
| ०              | ×          | ०               | ×               |
| ग म प ऽ        | ऽ ऽ घ नी   | ऽ घ ऽ प         | म ऽ ग ऽ         |
| सा ० रे ०      | ० ० प्र वा | ० सी ० घ        | डी ० चे ०       |
| ग ऽ म ऽ        | प ऽ म ग    | ऽ रे ऽ नी       | सा ऽ ऽ ऽ ॥ १ ॥  |
| नां ० दूं ०    | ० ० सु खें | ० सं ० ग        | तीं ० ० ०       |
|                | सा ग रे ग  | रेग रेसा सा ऽ   | सा ग रे ग       |
|                | या ० दु नि | ये ० ० ० च्या ० | अ फा ० ट        |
| रेग रेसा सा ऽ  | रे ग रे ग  | रेग रेग सा ऽ    | रे म म प        |
| हा ० ० ० टीं ० | प ड ती ०   | गां ० ० ० ठी ०  | भे ० टी ०       |
| घ नी घ घ       | प धप म पम  | ग मग रे ग रे    | सा ऽ सा ऽ ॥ २ ॥ |
| अ व चि त       | प ड ० ती ० | गां ० ० ठी ० ०  | भे ० टी ०       |

|                 |              |                 |            |
|-----------------|--------------|-----------------|------------|
|                 | X            | o               | X          |
|                 | सा ऽ म ऽ     | म ऽ म ऽ         | ऽ प ऽ प    |
|                 | बो ० लुं ०   | सं ० गें ०      | ० चा ० लुं |
| प ध प ऽ         | ऽ ध ऽ ध      | ध ऽ नी ऽ        | ऽ ऽ ध ध    |
| सं ० गें ०      | ० खे ० लुं   | ना ० चूं ०      | ० ० हं सुं |
| ऽ प प ऽ         | म ऽ ऽ ध      | प ऽ ऽ ऽ         | ऽ ऽ म ग    |
| ० रु सुं ०      | सं ० ० ०     | गें ० ० ०       | ० ० सु खें |
| ऽ रे ऽ नी       | सा ऽ ऽ ऽ     | ग म प ऽ         |            |
| ० सं ० ग        | तीं ० ० ०    | सा ० रे ०       | ॥ २ ॥      |
| ऽ ऽ ऽ ऽ         | सा ऽ म ऽ     | म ऽ म ऽ         | म प प नी   |
| ० ० ० ०         | पा ० हूं ०   | सं ० गें ०      | सु ख सो ०  |
| नी सा नी ध नी ध | प प ऽ प      | प नी नी ऽ       | नी नी ऽ प  |
| हा ० ० के ० ०   | ० सा ० हु    | सं ० गें ०      | वि जा ० वा |
| ऽ सा नी ऽ       | ऽ सा ऽ सा    | सा ऽ सा ऽ       | ऽ सा ऽ ध   |
| ० द के ०        | ० जी ० व     | सं ० गें ०      | ० भा ० व   |
| सा रे सा ऽ      | रे ऽ ऽ सा    | सा ऽ सा ध       | सा ऽ ऽ सा  |
| सं ० गें ०      | प्रा ० ० ण   | दे ० ऊं ०       | सं ० ० ग   |
| सा ऽ सा ऽ       | नी ऽ नी नी   | ऽ नी नी सा नी   | ध ऽ ध ध    |
| तीं ० ० ०       | प्री ० ति मै | ० त्रि च्या ० ० | पा ० व न   |
| प ऽ प ऽ         | ऽ ध ऽ ध      | ध ऽ नी ऽ        | ऽ ऽ ध ध    |
| ती ० थीं ०      | ० न्हा ० ऊं  | दे ० ऊं ०       | ० ० जि वा  |
| ऽ प प ऽ         | म ऽ ऽ ध      | प ऽ ऽ ऽ         | ऽ ऽ म ग    |
| ० सु ख ०        | शां ० ० ०    | ती ० ० ०        | ० ० सु खें |
| ऽ रे ऽ नी       | सा ऽ ऽ ऽ     | ग म प ऽ         |            |
| ० सं ० ग        | तीं ० ० ०    | सा ० रे ०       | ॥ ३ ॥      |

# संत सखू

## सुखविन पतिदैवता

सखू : सुखविन पति-दैवता  
 विसरुनि जग, जीविता ॥ धृ० ॥  
 परम धर्म पतिसेवा  
 आचरीन विठुराया  
 साहुनि छळ संकटा ॥ १ ॥

ध्रुव गगनीं जेवि अढळ  
 पति-चरणीं भाव अचल  
 देई धैर्य-बल देवा  
 मंगलव्रत पाळिता ॥ २ ॥

### सुखविन० ताल—दादरा

|                |                    |                |
|----------------|--------------------|----------------|
| X              | X                  | X              |
| रे रे म म ध ध  | ध ऽ प धनी रेसा नीध | ध नी ध प प प   |
| सु ख वि न प ति | दै ० व ता० ०० ००   | बि स रु नि ज ग |
| धम प ध प ऽ ऽ   | ॥ धृ ॥             |                |
| जी०० वि ता ० ० |                    |                |

|                      |                 |                   |
|----------------------|-----------------|-------------------|
| X                    | X               | X                 |
| ध सा ध सारे ऽ सा     | नी नी नीध ध प म | ध सा ध सारे ऽ सा  |
| प र म ध०० म          | प ति से०० वा ०  | आ ० च री०० न      |
| नी नी ध प ध नी ध प म | ध ऽ प म ग रे    | रे ऽ ऽ ग रे सा    |
| वि ठु रा०००० या ०    | सा ० हु नि छ ल  | सं ० ० क टा ० ॥१॥ |

|                  |                      |                 |
|------------------|----------------------|-----------------|
| X                | X                    | X               |
| प घ नी नी नी ऽ   | सां ऽ घ सां सां सां  | प घ सां रे गं ऽ |
| भ्रु व ग ग नीं ० | जे ० वि ज ढ ल        | प ति च र णीं ०  |
| सां ऽ रे नी नी घ | घ सां घ सां रे ऽ सां | नी नी घ ऽ प म   |
| भा ० व ज च क     | दे ० ईं धै ० ० र्यं  | ब क दे ० वा ०   |
| घ ऽ प म ग रे     | रे ऽ ग रे सा ऽ       |                 |
| मं ० ग ल व्र त   | पा ० लि ता ० ० ॥ २ ॥ |                 |

## शुभ बोल मुखें बोलावे

सखू : शुभ बोल मुखें बोलावे ॥ धृ० ॥

इतरां न कधीं सांगणें  
जरि घरांत कांहीं उणें  
हांसुनी सदा सोसावें  
शुभ बोल मुखें बोलावे  
श्री विठ्ठल विठ्ठल गावे ॥ १ ॥

दुमदुमे घोष श्रीहरी  
सुखदुःख भेद हो दुरी  
विठ्ठलमय विश्व पहावें  
श्री विठ्ठल विठ्ठल गावे ॥ २ ॥  
विठाई माउली.....

शुभ बोल० ताल—केरवा

|                    |                |            |           |
|--------------------|----------------|------------|-----------|
| X                  | o              | X          | o         |
| रे म प ऽ म ग्      | ग् ऽ सा ऽ      | नीं ऽ सा ऽ | ऽ ऽ सा सा |
| शु भ बो० क मु      | खें० बो० ला०   | वे०००      | इ त       |
| रेगम म म ग ऽ       | सा ऽ सा रे ऽ   | ऽ ऽ रे म   |           |
| रां०० न क धीं०     | सां० ग णें०    | ००० ज रि   |           |
| पध पध ऽ म मध पम रे | सा रे म ऽ      | ऽ रे म पध  |           |
| ध० रां०० त कां०००  | हीं० उ णें०    | ००० हां००० |           |
| म प ऽ ग् ग् ऽ      | सा ऽ नीं ऽ     | सा ऽ       | ऽ रे म    |
| सु नी० स दा० सो०   | सा० वे०        | ००० शु भ   | ॥१॥       |
| म ऽ ऽ नी प म ऽ     | ग् रे सा नीं ऽ | सा ऽ       | ऽ म प     |
| श्री०० वि ठ्ठ ल०   | वि ठ्ठ ल गा०   | वे०००      | दु म      |

सा॑ ध ऽ सा॑ ध प म प ध ध ऽ ऽ ऽ ऽ म प  
 दु मे ० घो ० ष श्री ० ह री ० ० ० ० सु ख  
 नी ऽ नी नी ध प म म प ध प ऽ ऽ ऽ ऽ नी  
 दुः ० ख भे ० ०० द ह्यो ० दु री ० ० ० ० वि  
 नी नी नी नी ० ऽ नी प प प ध नी सा॑ नी ऽ ऽ ऽ नी सा॑  
 ठ ल म य ० वि श्व प हा ० ०० वे ० ० ० श्री ०  
 रे ऽ रे रे रे ऽ रे रे सा॑ ग रे ऽ ऽ ऽ प ध  
 वि ० ठ ल वि ० ठ ल गा ० वे ० ००० वि ०  
 सा॑ ऽ ऽ ऽ ध प म रे ऽ म ऽ प ध ऽ ऽ ऽ  
 ठा ० ० ० ई ० ० ० ० मा ० उ ली ० ० ॥२॥

## पांडुरंग भेटी—

पांडुरंग भेटी, वैष्णव निघाले  
 विठ्ठल विठ्ठल घोषें, अंबर कोंदलें ॥ १ ॥  
 उभा विटेवरी आम्हां विठ्ठल हांकारी  
 पंढरीसी जाऊं जाऊं चंद्रभागे तीरीं ॥  
 पंढरीसी जाऊं जाऊं विठ्ठल्या नगरीं ॥ २ ॥

सखू :

जाऊं कशी, पाहुं केवी रूपडें सावळें  
 जिऊ उतावेळ माझा शिणले डोलुले ॥ ३ ॥  
 ठायीं ठायीं वाटे काटे, अंधकार दाटे  
 नुरे आस कासावीस, लेकरूं धाकुटें ॥ ४ ॥  
 दावि दावि चरण माये, निववी लोचन  
 महासुख लाहीन मी, श्रीमुख पाहीन ॥ ५ ॥

पांडुरंग भेटी० ताल—केरवा

|  |   |   |     |
|--|---|---|-----|
| X  | ० | X | ०   |
| ५ ५ पं ५ घं सा ५ रे ग ५ मग ५ रे सा रे ५    |   |   |     |
| ० ० पां ० डु रं ० ग भे ० ० ० टी ० ० ०      |   |   |     |
| ५ ५ ग ५ प म ५ म ग ५ मग ५ रे ५ सा ५         |   |   |     |
| ० ० वै ० ण्ण व ० नि घा ० ० ० ले ० ० ०      |   |   | ॥४॥ |
| ५ ५ रे ५ म प ५ ध ध ५ धनी धप म ५ गम गरे     |   |   |     |
| ० ० वि ० ठ्ठ ल ० वि ठ्ठ ० ० ० घो ० षें ० ० |   |   |     |
| रे ५ ग प ५ म ५ म गरे ग मग ५ रे ५ सा ५      |   |   |     |
| ० ० जं ब ० र ० कों द ० ० ० ० लें ० ० ०     |   |   | ॥१॥ |
| ५ ५ म म ५ म म ५ रे ग म ग रे सा रे ५        |   |   |     |
| ० ० उ भा ० वि टे ० व ० री ० जा ० म्हां ०   |   |   |     |

|                       |               |             |       |
|-----------------------|---------------|-------------|-------|
| X                     | ०             | X           | ०     |
| ऽ ऽ ग ऽ प ध ऽ नी      | ध प नी ध      | ऽ ऽ ऽ ऽ     | ८     |
| ० ० वि ० ठ ल ० हां    | का ० ० री     | ० ० ० ०     |       |
| ऽ ऽ रे ऽ ग प ऽ ध      | सा नी नी ऽ    | ध ऽ प ऽ     | ८     |
| ० ० पं ० ढ री ० सी    | जा ० ऊं ०     | जा ० ऊं ०   |       |
| ऽ ऽ ध ऽ नीधप म म      | गरे ग मग ऽ    | रे सा रे ऽ  | ॥ २ ॥ |
| ० ० चं ० द्र० भा ० गे | ती ० ० ० ०    | रीं ० ० ०   |       |
| ऽ ऽ ध ऽ ध ध ध ऽ       | ध ऽ नीध धप    | म ऽ म ऽ     |       |
| ० ० जा ० ऊं क शी ०    | पा० हूं ० ० ० | के ० वी ०   |       |
| ऽ ऽ प ऽ ध नी ऽ सा     | नीधपधनी सानी  | धनी धप ऽ ऽ  |       |
| ० ० रु ० प हें ० सा   | व० ० ० ० ० ०  | कें ० ० ० ० |       |
| ऽ ऽ रे ग ऽ प प ध      | सा ऽ नी ऽ     | ध ऽ प ऽ     | ८     |
| ० ० जि ऊ ० उ ता ०     | वे ० ल ०      | मा ० झा ०   |       |
| ऽ ऽ ध ऽ नीधप ऽ म      | ग रे ग ऽ      | रे सा रे ऽ  | ॥ ३ ॥ |
| ० ० शी ० ण ० के० डो   | लु ० ० ० ०    | ले ० ० ० ०  |       |

(चवथा अंतरा, दुसऱ्या अंतऱ्याप्रमाणें व पांचवा अंतरा, तिसऱ्या अंतऱ्याप्रमाणें)



## भाव भुकेला हरी—

भाव भुकेला हरी ।  
 करितसे भक्तांची चाकरी ॥ धृ ० ॥  
 भेटी आला भक्त सुदामा ।  
 भुलला त्याच्या भक्तिप्रेमा ॥  
 दैन्य त्याचें हरी ।  
 करितसे भक्तांची चाकरी ॥ १ ॥  
 त्रैलोक्याचा धनी श्रीपती ।  
 सुखें होऊनी पार्थसारथी ॥  
 भ्रमे पांडवा घरीं ।  
 करितसे भक्तांची चाकरी ॥ २ ॥  
 भक्त कबीरा कृष्ण कृपाळू ।  
 विणूं लागतो शेले शालू ॥  
 बैसुनि मागावरी ।  
 करितसे भक्तांची चाकरी ॥ ३ ॥  
 अंगण झाडी जातें ओढी ।  
 संत जनीच्या घरीं ॥  
 कावडी रांजणांत भरी ।  
 करितसे भक्तांची चाकरी ॥ ४ ॥

भाव भुकेला हरी० ताल—केरवा

|             |                |            |                 |
|-------------|----------------|------------|-----------------|
| ×           | ०              | ×          | ०               |
| धं मं पं पं | नीं ऽ धं नीं   | रे सा ऽ पं | नीं सा रे ऽ     |
| भा ० व भु   | के ० ला ०      | ह री ० क   | रि त से ०       |
| ऽ नीं सा ऽ  | नीं धं धं नीं  | रे सा ऽ ऽ  | ऽ ऽ ऽ ऽ ॥ धृ० ॥ |
| ० भक्तां ०  | ची ० चा ०      | क री ० ०   | ० ० ० ०         |
| ऽ सा रे ऽ   | रुं मं गं मं प | ऽ म रे सा  | नीं ऽ सा ऽ      |
| ० भे टी ०   | आ ० ० ० ला ०   | ० भक्त सु  | दा ० मा ०       |

| X             | o               | o             | X             |
|---------------|-----------------|---------------|---------------|
| ऽ नीं सा रे   | रेम प पधु मग    | ऽ रे सां रे ऽ | नीं ऽ सा ऽ    |
| ० भु ल ला     | त्या००० च्या०   | ० भ क्ति ०    | प्रे ० मा ०   |
| धं मं मं मं   | पं ऽ धुनीं पंधं | नीं सा ऽ पं   | नीं सा रे ऽ   |
| दै ० न्य त    | या ० चै० ००     | ह री ० क      | रि त से ० ॥१॥ |
| मं ऽ मं ऽ     | पं ऽ धुनीं पंधं | नीं सा ऽ सा   | नीं रे सा ऽ   |
| त्रै ० लो ०   | क्या ० चा० ००   | ध नी ० श्री   | ० प ती ०      |
| सा रे ऽ रेगु  | रेगु रे सा ऽ    | नीं ऽ धं नीं  | सा रे सा ऽ    |
| सु खें ० हो   | ०० उ नी ०       | पा ० र्थ सा   | ० र थी ०      |
| धं मं पं नी   | ऽ सा धं नीं     | रे सा ऽ पं    | नीं सा रे ऽ   |
| श्र मे ० पां  | ० ड वा ०        | घ रीं ० क     | रि त से ० ॥२॥ |
| ऽ पं पं पं    | धं ऽ नीं        | ऽ सा रे रे    | रेगु मपम रे ऽ |
| ० भ क्त क     | बी रा ०         | ० कृ ण्ण कृ   | पा०००० लू     |
| सा रे ऽ रेगु  | रेगु रे सा ऽ    | रेगु मग ग ऽ   | नीं ऽ सा ऽ    |
| वि णूं ० ला०  | ०० ग तो ०       | शे००० ले०     | शा ० लू ०     |
| धं मं मं मं   | पं ऽ धुनीं पंधं | नीं सा ऽ पं   | नीं सा रे ऽ   |
| बै ० सु नि    | मा० गा० ००      | व री ० क      | रि त से ० ॥३॥ |
| ऽ सा नीं धं   | नीं रे रे ऽ     | ऽ गम ग रे     | ग म ग ऽ       |
| ० अं ग ण      | झा ० डी ०       | ० जा० तें ०   | ओ ० ढी ०      |
| ऽ ग ग ग       | ग ऽ मगु म       | ग रे ऽ सा     | ऽ ग रे ऽ      |
| ० सं त ज      | नी ० च्या० ०    | घ रीं ० का    | ० व डी ०      |
| रेगु मग रे सा | ऽ नीं धं नीं    | रे सा ऽ पं    | नीं सा रे ऽ   |
| रां००० जणां   | ० त हा ०        | भ री ० क      | रि त से ०     |
| ऽ नीं सा ऽ    | नीं धं धं नीं   | रे सा ऽ ऽ     | ऽ ऽ ऽ ऽ ॥४॥   |
| ० भ क्तां ०   | ची ० चा ०       | क री ० ०      | ० ० ० ०       |

# दहा वाजतां

## हवास मज तूं

हवास मज तूं हवास सखया ॥ धृ० ॥

हृदयीं माझ्या भाव उसळती ।

ओठावरती शब्द नाचती ॥

रचावया परि कविता-पंक्ती-

हवास मज तूं हवास रे ॥ १ ॥

भुलविती खुलविती रसिक मनाला ।

सुमनांचा मी संचय केला

गुंफाया परि मोहक माला-

हवास मज तूं हवास रे ॥ २ ॥

असे कुंचली रंगही असती ।

धवल फलकही आहे पुढती ॥

रेखाया परि रम्य आकृती-

हवास मज तूं हवास रे ॥ ३ ॥

स्नेहही आहे, आहे पणती ।

मंदिरांतल्या मूर्तीपुढती ॥

उजळाया परि जीवन-ज्योती-

हवास मज तूं हवास रे ॥ ४ ॥

हवास मज तूं० ताल—केरवा-मात्रा ४

|               |             |          |          |
|---------------|-------------|----------|----------|
| ×             | ०           | ×        | ०        |
| सा सुरे गू रे | सा नीं सा ऽ | रे ग ऽ म | प ध म ग  |
| ह वा० ० स     | म ज तूं ०   | ह वा ० स | स ख या ० |
| मा गू रे ऽ    | ऽ ऽ ऽ ऽ     | ॥ धृ० ॥  |          |
| स ख या ०      |             |          |          |

|            |             |          |         |
|------------|-------------|----------|---------|
| धं सा रे म | ग म ग रे    | रे म प ध | ग प म ऽ |
| हृदयीं ०   | मा ० झ्या ० | भा ० व उ | सळती ०  |

X

X

X

धं सा रे ग

ग प म ऽ

ऽ म म मधु

पधु प म ऽ

ओ० ठा०

व र ती०

० शब्द ना०

०० च ती

म ध ऽ ध

पधनीधप प

मु प मपधप

म ऽ ग ऽ

र चा० व

या००० प रि

क धि ता०००

पं० क्ली०

ग प ऽ ध

धसा नीधप ऽ

मु प ऽ प

मग रेग ऽ ऽ

ह वा० स

म० ज० तूं०

ह वा० स

रे००००००

॥१॥

सा ग रे सा

नीं सा नीं ध

धं नीं रे ग

रे मु ग ऽ

भु ल वि ति

सु ख वि ति

र सि क म

ना० ला०

सा ग रे सा

नीं सा नीं ध

धं नीं रे ग

रे मु ग ऽ

सु म नां०

चा० मी०

सं० च य

के० ला०

सा रे ग रे

ग मु प प

ग ऽ प ध

पधु नी ध ऽ

गुं० फा०

या० प रि

मो० ह क

मा०० ला०

॥२॥

धं सा ऽ ग

ऽ म रे ऽ

रे म प ध

ग प म ऽ

अ से० कुं

० च ली०

रं० ग ही

अ स ती०

धं सा रे ग

रेगु प म ऽ

म ध प ध

ग प म ऽ

ध व ल फ

ळ० क ही

आ० हे०

पु ढ ती०

ध ऽ ध ऽ

पधनीधप प

प ऽ प मुप

धप म ग ऽ

रे० खा०

या००० प रि

र० म्य आ०

०० कृ ती०

॥३॥

सा रे ग म

प म ग सा

सा रे ग मगु

रे रे सा ऽ

स्ने० ह ही

आ० हे०

आ० हे००

प ण ती०

धं सा धं सा

रे ग सा ऽ

सा रे ग म

रे रे सा ऽ

मं० दि रां

० त ल्या०

मू० ति०

पु ढ ती०

सा रे ग रे

ग मु प प

ग ऽ प ध

पधु नी ध ऽ

उ ज ला०

या०० प रि

जी० व न

ज्यो०० ती०

॥४॥

## ‘तो म्हणाला’—

तो म्हणाला, सांग ना गे मी तुझा ना साजणी ।

ती म्हणाली, रत्न राया मी तुझ्या रे कोंदणीं ॥ १ ॥

तो म्हणाला, प्रेम म्हणजे वेड मजला वाटतें ।

ती म्हणाली, गोड अनू तें ओढ जीवा लावितें ॥ २ ॥

तो म्हणाला, भावनेचे खेळ सारे नाचरे ।

ती म्हणाली, जीवनाचा भावना आधार रे ॥ ३ ॥

तो म्हणाला, प्रीत करिते दो जिवांची एकता ।

ती म्हणाली, होय ना ? मग का अशी ही दूरता ? ॥ ४ ॥

तो म्हणाला० ताल—केरवा.

|             |                 |                   |                        |
|-------------|-----------------|-------------------|------------------------|
| X           | ०               | X                 | ०                      |
| ५ धं ५ नी   | सा ५ ग ५        | ५ ग ५ सा          | साग मध पम              |
| ० तो ० म्ह  | णा ० ला ०       | ० सां ० ग         | ना ० ० ० ० ० ०         |
| ५ ग ५ सा    | रे ५ सानीं घनीं | ५ सागमधप ५ म      | मग रेग ५ ५             |
| ० मी ० तु   | झा ० ना ० ० ०   | ० सा ० ० ० ० ० ०  | जणी ० ० ० ० ० ०        |
| ५ ग ५ सा    | रे ५ सा ५       | ५ ग ५ म           | पध ५ पध ५              |
| ० ती ० म्ह  | णा ० ली ०       | ० र ० तन          | रा ० ० या ० ०          |
| पम प ५ म    | ग ५ मरे ५       | ५ गमधप ५ म        | मगरेग ५ ५ ५            |
| ० ० मी ० तु | झ्या ० रे ० ०   | ० कों ० ० ० ० ० ० | दणीं ० ० ० ० ० ० ॥ १ ॥ |
| ५ म ५ म     | म ५ म ५         | ५ म ५ ध           | ध ध ध ध ५              |
| ० तो ० म्ह  | णा ० ला ०       | ० प्रे ० म        | म्हणजे ०               |
| प पध नी ध   | म ध पम गम       | रे रेमपध ५ म      | प ५ गम धप              |
| ० वे ० ० ड  | मजला ० ० ०      | वा ० ० ० ० ०      | ट तें ० ० ० ० ० ०      |

X                      °                      °                      X  
 ऽ ग ऽ सा रे ऽ सा ऽ ऽ ग ऽ म पध पध नी  
 ° ती ° म्ह णा ° ली ° ° गो ° ङ अनू ते ° °  
 ऽ नी ऽ सा ध ऽ पम गम रे रेमपध ऽ म प ऽ गम धप ॥२॥  
 ° ओ ° ङ जी ° वा ° ° ° ° ला ° ° ° ° वि ते ° ° ° °  
 ऽ ग् ऽ ग् ग् ऽ रे ऽ ऽ ग् ऽ प प ऽ प ऽ  
 ° तो ° म्ह णा ° ला ° ° भा ° व ने ° चे °  
 ऽ गपधसा ऽ ध पध् प ग् ऽ ऽ रेग् मपम ग् रे ऽ ऽ ऽ  
 ° खे ° ° ° ° ल सा ° ° रे ° ° ना ° ° ° ° च रे ° ° ° °  
 ऽ ग ऽ सा रे ऽ सा ऽ ऽ ग ऽ म प ध पध नी  
 ° ती ° म्ह णा ° ली ° ° जी ° व ना ° ° ° चा  
 ऽ नी ऽ सा नीधपधपमगमऽ ऽ रेमपध ऽ म प ऽ गम धप ॥ ३ ॥  
 ° भा ° व ना ° ° ° ° आ ° ° ° ° धा ° ° ° ° र रे ° ° ° °  
 ऽ ग ऽ ग् ग ऽ ग रेसा ऽ साग ग रे सासाधंसा धंपं  
 ° तो म्ह ° णा ° ला ° ° ° प्री ° ° त करिते ° ° °  
 ऽ ग ऽ ग् ग ऽ ग ग् ऽ ग प ध पनीध ऽ प म ऽ  
 ° दो ° जि वां ° ची ° ° ए ° क ता ° ° ° ° °  
 ऽ ग ऽ सा रे ऽ सा ऽ ऽ ग ऽ म प ध ऽ नी नी  
 ° ती म्ह ° णा ° ली ° ° हो ° य ना ° म ग  
 ऽ नी ऽ सा ध ऽ म ऽ रे रेस पध म प ऽ ऽ गमधप ॥ ४ ॥  
 ° का ° अ बी ° ही ° ° द् ° ° ° र ता ° ° ° ° °

## हैं चिमणं गोजिरवाणं—

हैं चिमणं-गोजिरवाणं  
हरिखुन गेलं आज कशानं ?  
नाजुक हंसतं मोहक डुलतं  
गाई गाणं मंजुळवाणं !  
सखे ग ! प्रेम मनीं फुललें ॥  
घेउनि हातीं अमृत-प्याले-  
सुख दारीं आलें ! ॥  
मुग्ध कळीला पवन भेटला  
नवजीवन नटलें ! ॥  
मनं मनाला मिळलीं जुळलीं  
भेदभाव विरले ! ॥  
दिसे प्रीतिच्या प्रतिबिम्बांनीं-  
जग अवघें भरलें ! ॥

हैं चिमणं० ताल—केरवा.

|                 |             |             |               |
|-----------------|-------------|-------------|---------------|
| X               | ०           | X           | ०             |
| रेगु रेगु रे सा | रे ग् प ऽ   | प ध नी सा   | नीध पध प ऽ    |
| हैं००० चि म     | णं ० ० ०    | गो ० जि र   | वा००० णं ०    |
| प सा नी सा      | नी ध प म    | ग म प ध     | मग रेग म ऽ    |
| ह रि खु न       | गे ० लं ०   | आ ० ज क     | शा ००० नं ०   |
| म नी ध प        | ध नी सा ऽ   | सा रे सा नी | ध नी ध ऽ      |
| ना ० जु क       | ह स तं ०    | मो ० ह क    | डु ल तं ०     |
| ध नी सा रे      | रेसा नी ध प | धसा नीसा धप | मग रेग म ऽ    |
| गा ० ई ०        | गा०० णं ०   | मं००० जुळ   | वा००० णं ०    |
| ऽ ऽ ऽ म         | रे ग प ध    | धनी सानी धप | पनी धप मग रेग |
| ० ० ० स         | खे ० ग ०    | प्रे ००० मम | नी००० फु० ल०  |

|                          |   |   |   |
|--------------------------|---|---|---|
| X                        | ○   | X | ○ |
| म ऽ ऽ ऽ रे ग म प         | मग रेग म ऽ म सा नी सा                     |   |   |
| लें ० ० ० घे ० ऊ नि      | हा० ००० तीं ० अ ० मृ त                    |   |   |
| ध नी ध ऽ ध नी सा रे      | रेसा नी नी सा नी सा ध सानी धप ध प्रेम     |   |   |
| प्या ० ले ० सु ख दा ०    | रिं ०० आ ००० हैं ०० ०० ० मनीं ०           |   |   |
| ऽ ग ग प गप धप ग रे       | ग प प ध ऽ नी ध ऽ                          |   |   |
| ० मु ग्ध क ली ००० ला ०   | प व न भे ० ट ला ०                         |   |   |
| म नी ध प ध नी सा रे      | सानी धनी सा ऽ रेसा नी धप मगम प्रेम        |   |   |
| न व जी ० व न न ट         | लें ० ०० ०० ०० ०० ०० ०० मनीं ०            |   |   |
| गप ऽ धप मग रेग म ऽ       | म सा नी सा ध नी ध ऽ                       |   |   |
| म नें ० म ० ना ००० ला ०  | मिळ लीं ० जुळ लीं ०                       |   |   |
| ध ऽ ध ध ऽ नी सा रे       | सारें सारें नी सा नी सा धनी धप मप ध प्रेम |   |   |
| भे ० द भा ० व बि र       | ले ०००००००० ०००० ०० ० मनीं ०              |   |   |
| म ध ऽ सोनी ध प म ऽ       | ग म ग रे गप धनी ध ऽ                       |   |   |
| दि से ० प्री ० ति च्या ० | प्र ति बि ० बां ०० नीं ०                  |   |   |
| म नी ध प ध नी सा रे      | सानी धनी सा ऽ रेसा नी धप मगम प्रेम        |   |   |
| ज ग अ व घें ० भ र        | लें ० ०० ०० ०००००००० मनीं ०               |   |   |



## गोड गुपित—

गोड गुपित कळलं मला ॥  
 माण्डव घाला करा तयारी  
 नवऱ्याला ही पसन्त नवरी-  
 मुहूर्त ठरवा चला- ! ॥  
 नवरा नवरी सजवा मिरवा  
 जेवण घाला गांव बोलवा-  
 खण्डीचे लाडू वळा- ! ॥  
 लाजु नको ग घास घालना  
 ऐका ऐका गोड उखाणा-  
 करूं नका गलबला- ! ॥  
 'समोरच्या कोनाड्यांत ठेवले पेढे  
 अशोकपन्त झाले प्रेमानें वेडे'  
 म्हणुनि भाळले हिला- ! ॥  
 वहिनी माझी आशाराणी  
 मुलामुलींची गोजिरवाणी-  
 सेना होवो तिला- ! ॥

गोड गुपित० केरवा-मात्रा ४

|           |           |          |               |
|-----------|-----------|----------|---------------|
| ×         | ०         | ×        | ०             |
|           |           |          | सा नीं        |
|           |           |          | गो ड          |
| सा ग ऽ ग  | ग म प ध   | म प ऽ म  | ग रे सा नीं   |
| गु पि ० त | क ळ लं ०  | म ला ० म | ला ० ० ०      |
| सा ग ऽ ग  | ग म प ध   | नी प ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ ॥३०॥  |
| गु पि ० त | क ळ लं ०  | म ला ० ० | ० ० ० ०       |
| ग ऽ ग म   | ग रे ग ऽ  | ग म प ध  | पम गम प ऽ     |
| मां ० ड व | घा ० ला ० | क रा ० त | या ० ० ० री ० |

| ०           | X         | ०        | X           |
|-------------|-----------|----------|-------------|
| ग प प ऽ     | प ऽ प ऽ   | ग प ऽ ध  | ध नी ध ऽ    |
| न व ञ्या ०  | ला ० ही ० | प सं ० त | न व री ०    |
| ध प ध ऽ     | प म प ऽ   | म ग म ऽ  | ग रे ग ऽ    |
| ० ० ० ०     | ० ० ० ०   | ० ० ० ०  | ० ० ० ०     |
| सा ग ऽ ग    | ग म प ध   | म प ऽ म  | ग रे सा नीं |
| मु हू ० र्त | ठ र बा ०  | च ला ० च | ला ० ० ०    |
| सा ग ऽ ग    | ग म प ध   | नी प ऽ ऽ | ॽ ॽ ॽ ॽ     |
| गु पि ० त   | क ल लं ०  | म ला ० ० | ० ० ० ० ॥१॥ |

( 'नवरा नवरी सजवा मिरवा', हा अंतरा 'मांडव घाला करा तयारी' प्रमाणें )

|           |           |            |             |
|-----------|-----------|------------|-------------|
| ध ऽ ध ध   | ध ऽ ध प   | ग प ध नी   | ध नी नी प   |
| ला ० जु न | को ० ग ०  | घां ० स घा | ० ल ना ०    |
| ग ऽ ग प   | ग रे रे ऽ | ग प ध नी   | नी ध प प ऽ  |
| ऐ ० का ०  | ऐ ० का ०  | गो ० ड उ   | खा ० ० णा ० |

|           |          |        |
|-----------|----------|--------|
| सा ग ऽ ग  | ग म प ध  | नी प ऽ |
| क रूं ० न | का ० ग ल | ब ला ० |

|             |               |             |       |
|-------------|---------------|-------------|-------|
| स मो र ञ्या | को ना ढ्यां त | ठे व ले     | पे डे |
| अ शो क पं त | झा ले         | प्रे मा नें | वे डे |

|              |          |            |              |
|--------------|----------|------------|--------------|
| सा ग ग ग     | ॽ म प ध  | म प ऽ म    | ग रे सा नीं  |
| म्ह णु नि भा | ० ल ले ० | हि ला ० हि | ला ० ० ० ॥२॥ |

|           |           |          |           |
|-----------|-----------|----------|-----------|
| प प प ऽ   | प ऽ प म   | ग म प म  | ग रे सा ऽ |
| व हि नी ० | मा ० झी ० | आ ० शा ० | रा ० णी ० |

|             |            |           |           |
|-------------|------------|-----------|-----------|
| ग प ऽ ध     | सा नी ध प  | ग प ध प   | ग रे सा ऽ |
| मु लां ० सु | ळीं ० ची ० | गो ० जि र | वा ० णी ० |

|           |           |            |              |
|-----------|-----------|------------|--------------|
| सा ग ग रे | ग म प ध   | म प ऽ म    | ग रे सा नीं  |
| से ० ना ० | हो ० वो ० | ति ला ० ति | ला ० ० ० ॥३॥ |

## चल थरकत मुरकत

चल थरकत मुरकत डौलांत रे ॥  
 खुले धर्तीचा नूर नव्या नवलांत रे ॥  
 चैतवैसाखाच्या संग  
 शिणगाराला नवा रंग  
 आली लगीनसरार्ह थाटामाटांत रे ॥  
 ज्योतीलागी मिळे ज्योती  
 दोन जीव एक होती-  
 झरे पिर्तीच्या अम्रिताची बरसात रे ॥  
 नेऊं वाजत गाजत  
 राजाराणीची वरात-  
 गड्या मिरवत चन्देरी रथांत रे ॥  
 जाइल साडेसाती दूर  
 येइल कमाईला पूर  
 जरा खाऊं पिऊं राहूं रंगढंगांत रे ॥  
 चल थरकत ताल—केरवा

×                      °                      ×                      °  
    सा सा  
    च क  
 धं नीं धं नीं धं नीं धं प धं सा ऽ रे सा रे ग ऽ  
 थ र क त मु र क त डौ लां ° त रे ° ° °  
 सारे र ग रे सा ऽ म म म म ऽ रे ग ऽ ग सा  
 डौं कां ° त रे ° खु ले ध र्ती ° चा नूर ° न व्या  
 सारे रेग ऽ रे सा ऽ ॥४०॥  
 न व लां ° ° त रे °

म म  
 चै त

X

o

X

o

ग म प म ग सा म प ध प ध प म ग सा सा  
 वै सा खा ब्या संग क्षि ण गा रा ला न बा रं ग आ ली  
 धं नी धं नी धं पं पं पं धं सा ऽ रे सारे मग ग सा  
 ल गी न स रा ई था टा मा टां ० त रे ० ० था टा  
 सारे रेग ऽ रे सा ऽ सा नी धं नी धं नी ॥१॥  
 मा ० टां ० त रे ० च ल थ र क त

म प  
ज्यो ति

म प म प म ग ग म प नी ध नी ध प ध ध  
 ला गी मि के ज्यो ती दो न जी व ए क हो ती झ रे  
 पध पध ऽ म म प धप म गम पध धप म ग ऽ सा सा  
 पि ० ती ० ० च्या अ त्रि ता ० ची बर सा ० ० त रे ० च ल ॥२॥

प ध  
ने ऊं

प नी ध नी ध प प ध नी सा नी सा नी ध ऽ ऽ  
 वा ज त गा ज त रा जा रा णी ची व रा त ० ०  
 नीनी नीनी नीप पध पध म मप धप म ग ऽ ऽ ऽ सा सा  
 गड्या मिरवत चं ० दे ० री र ० थां ० त रे ० ० ० च ल ॥३॥

ग म

जा ई ल

प सा नी सा सा ऽ प सा सा नी ध प म ग ऽ ऽ नीनी  
 सा डे सा ती दूर ० बे ई ल क मा ई ला पू र ० ० ज रा  
 नी सा नी सा नी सा नी धप पध नी ध ऽ प म ऽ म म  
 खा ऊं पि ऊं रा दूर रं ग ० ठं गां ० ० त रे ० रं ग  
 मप धप ऽ म ग ऽ म म म म म रे ग ग ग सा  
 ठं गां ० ० त रे ० च ल थ र क त सु र क त  
 धंसा धंसा ऽ रे सारे मग ऽ ऽ सारे रेग ऽ रे सा ऽ सा सा  
 डौ ० लां ० ० त रे ० ० ० ० डौ ० लां ० ० त रे ० च ल

# हृदया ! केवि तुला समजावूं

हृदया ! केवि तुला समजावूं ? ॥

सुकला अपुला बाग चिमुकला  
झुळझुळणारा झरा आटला --  
जीवन कुठलें देऊं ? — ॥

मधुर सुखाचें स्वप्न सम्पलें  
अमृतप्याले विषमय झाले —  
केवी ओठा लावूं ? — ॥

झंझावातें विझली ज्योती  
मन्दिरांतली फुटली मूर्ती  
प्रलय कसा हा साह्य ? — ॥

हृदया केवि तुला० ताल-केरवा

×                      °                      ×

ॐ सारे ग् प ॐ पध सा ध प ॐ ग् सा ग् ॐ रे ॐ ॥४॥  
० हृ द या ० के० वि तु ला ० स म जा ० वूं ०

ॐ गग ग ॐ ॐ रेग रेगरेसा ॐ रे रे सा  
० सु क ला ० ० अपुला००० ० बा ग चि

रे मग् रे ॐ ॐ रेग ॐ रेग रे ग् गुरे सा ॐ सारेग् प ध सा  
मु क० ला ० ० झुळ ० झुळ णा ० रा ० ० झरा००जा०

ॐ धप ॐ म ॐ ध ध ध ॐ धध धनी पध ॐ प ॐ  
० ट ला ० ० ० जी व न ० कु ठ लें ० दे ० ० ऊं ०

ॐ सारे ग् प ॥१॥  
० हृ द या ०

० × ०  
 ऽ पप प प प पध् ध्प ऽ ग्ग गुरे  
 ० म भु र सु स्वा ०० चें ० ० स्व प्र सं ०  
 रे ग् रे ऽ ऽ ग् ग् ग् सारे गुप पऽ ऽ धसां ऽ धसां  
 ० प कें ० ० ज मृ त प्या ००० कें ० ० विष ० म थ  
 ऽ धसां ऽ धप ऽ ध ध ऽ ऽ ध ध नी ऽ धपध ऽ प  
 ० झा ० ० कें ० ० के वी ० ० ओ ठा ० ० ला ०० ० ऊं  
 ऽ सारे ग् प ॥२॥  
 ० ह द या ०  
 ऽ ध ध ऽ ध ऽ ध ऽ ऽ नीनी नी धम ऽ धनीसांनीऽध  
 ० झं झा ० वा ० तें ० ० बि झ ली ०० ० ज्यो ००००० ती  
 ऽ नी ऽ धनी ऽ ध नी ऽ ऽ पनी नीसां रें ऽ सां गुरें सां ऽ नी  
 ० मं ० दि रां ० त ली ० ० फु ट ली ०० ० मू ०००००० र्ती  
 ऽ पध सां सां सारें ऽ सां रें गें ऽ रें सारें ऽ सां ऽ ऽ ऽ ऽ  
 ० प्र ल य क सा ००० हा ०० ० सा ००० हूं ० ० ० ०  
 ऽ पध सां सां सारें ऽ सां रें गें ऽ रें सारें ऽ सां ऽ सारे ग् प  
 ० प्र ल य क सा ० ० ० हा ० ० सा ००० हूं ० ह द या ० ॥३॥

## दिसते सृष्टी आज नवीन्

दिसते सृष्टी आज नवीन् ॥ धृ० ॥  
 छळ शिशिराचा दारुण सोसुन ।  
 वृक्ष लता या आल्या बहरून ॥  
 नव वेलींघर नवीन सुमने ।  
 गंध नवे अन् रंग नवीन् ॥ १ ॥  
 व्याकुळलेलीं रानपांखरे ।  
 पसरुनि अपुले पंक्षपिसारे ॥  
 खुल्या दिलाने उडतीं गातीं ।  
 सूर नवे अन् गीत नवीन् ॥ २ ॥  
 चढलों डोंगर हांसत झुंझत ।  
 काळोखांतुन कांटे तुडवित ॥  
 दिव्य-प्रीतिचें झालें दर्शन ।  
 आणि लाभली दृष्टी नवीन् ॥ ३ ॥

दिसते सृष्टी० ताल—केरवा

|            |             |              |               |
|------------|-------------|--------------|---------------|
| X          | ०           | X            | ०             |
| ५ ग ध प    | ग ५ सा ५    | ग म प नी     | ध ५ ५ ध ॥धृ॥  |
| ० दि स ते  | सृ ० ष्टी ० | आ ० ज न      | बी ० ० न      |
| ५ रेग रे प | ग ५ सा ५    | ५ रेग म प    | मग रेग म म    |
| ० छळ झि झि | रा ० चा ०   | ० दा रु ण    | सो ० ० ० सु न |
| ५ ग ग ग    | ग ५ मग रे   | ५ गप पध ५    | पध नीध पम     |
| ० वृ क्ष ल | ता ० या ० ० | आ ० ल्या ० ० | ब ० ह ० रु न  |
| ५ ग प प    | प ५ प प     | ग म ५ ग      | म ध प ५       |
| ० न व वे   | लीं ० ब र   | न ० बी न     | सु म ने ०     |
| ग म प म    | प ५ प ग     | ग म प नी     | ध ५ ५ ध ॥१॥   |
| गं ० ध न   | वे ० अन् ०  | रं ० ग न     | बी ० ० न      |

|                    |             |              |                |
|--------------------|-------------|--------------|----------------|
| X                  | ०           | X            | ०              |
| ऽ ग् ग् ग्         | ग् ऽ सा ऽ   | सारेगममग     | रेग मग रेसा    |
| ० व्या कु ल        | के ० कीं ०  | रा००० नपां०  | ०० ख० रे०      |
| सा रे ग प          | ग प प ऽ     | ग मु प ध     | पमु गमु पऽ     |
| प स रु नि          | अ पु ले ०   | पं ० ख पि    | सा० ०० रे०     |
| प प ऽ प            | प ऽ पमु ग   | ऽ गध ध ऽ     | ध ऽ नीध प      |
| खु ह्या ० दि       | ला ० ने० ०  | ० उड तीं ०   | गा ० तीं ०     |
| ऽ नी नी नी         | नी ऽ सानी ध | ऽ धनी सां रे | सां ऽ ऽ सां    |
| ० सू र न           | वे ० अनू० ० | ० गी० त न    | वी ० ० नू ॥२॥  |
| ग मु ग मु          | ग रे सा सा  | ग म प नी     | सां रे नी सां  |
| च ड डों ०          | डों ० ग र   | हां ० स त    | झुं ० ज त      |
| सा रे म ऽ          | म ऽ म ग     | म नी ध नी    | सां रे नी सां  |
| का ० लो ०          | झां ० तु न  | कां ० टे ०   | तु ड वि त      |
| सां ऽ रे नी        | ऽ ध प ऽ     | म प नीं सां  | नीसां रे रे रे |
| दि ० व्य प्री      | ० ति चें ०  | झा ० कें ०   | द ० ० शी न     |
| ऽ रे रे ग रे सा रे | ग रे सा ऽ   | ऽ धनी सां रे | सां ऽ ऽ सां    |
| ० आजिका००          | ० भ ली ०    | ० द ० छी न   | वी ० ० नू ॥३॥  |



# भरत-भेट

## उद्यां होइल राजाराम

उद्यां होइल राजाराम,  
रघुनंदन मेघश्याम मे ॥ धृ० ॥

कधीं ? उद्यां ?

हां उद्यां— !

राजा राम ?

हां हां ! निघे ध्वनी-त्रिभुवनी—

जय जय राम ॥ १ ॥

हांसूं तान्यापरी-नांचूं झन्यापरी !

हांसूं फुलापरी-नांचूं मोरापरी !

गाऊं पक्ष्यापरी ॥

गाऊं भृंगापरी ॥

गाऊं गुं गुं गुं गुं गान—

रघुनंदन मेघश्याम ॥ २ ॥

मी होईन कवी-गाणीं गाईन नवीं ।

कविराया हवी-राणी स्फूर्ती-देवी ।

गाजे जयजय ध्वनी-पाटूं सिंहासनी !

रघुनंदन मेघश्याम राम,

उद्यां होइल राजा राम ॥ ३ ॥

उद्यां होइल राजाराम ताल—केरवा

×

०

×

८ ८ ८ रेगु सा ग रे सा रे ग म ८ प ८ ८ प

० ० ० उद्यां हो ० ह ल रा ० जा ० रा ० ० म

८ ८ ध ध घ रे सा नी घ सा नी ध प नी ध प

० ० र घ नं ० द न मे ० घ ० श्या ० ० म

० ×  
म ऽ ग् रे  
ने ० उ छां ॥४॥

ऽ ऽ प ध नी सा ऽ ऽ  
० ० क वीं उ छां ० ०  
ऽ ऽ ध नी नीसां रे ऽ रे  
० ० रा जा रा ० ० म  
रे सां प ध नी सां ऽ रे  
० ० नि धे ध्व नी ० त्रि

म ऽ ग् रे  
रा म ० उ छां ॥१॥

ऽ ऽ धं नीं सा सा ऽ रे  
० ० हां सुं ता न्या ० प  
म ऽ म ग म ध ऽ प  
री ० हां सुं फु ला ० प  
म ऽ म ग म नी ध नी  
री ० गा ऊं प क्ष्या ० प  
सां ऽ ग् रे सा ग् रे सा  
री ० गा ऊं गुं ० गुं ०  
ऽ ऽ म ग रे म ऽ प  
० ० मी ० हो ई न् ० क  
म ऽ ध नी सां सां ऽ रे  
वी ० क वि रा या ० ह  
ध ऽ ध ध ध नी ऽ ध  
वी ० गा जे जयजय ० ध्व  
ध ऽ ध ध ध रे सां नी  
नी ० र घु नं ० द न  
म ऽ ग् रे सा ग् रे सा  
ने ० उ छां हो ० इ क

० ×  
ऽ ऽ ध नी ध प ऽ ऽ  
० ० हां ० उ छां ० ०  
ऽ ऽ ऽ ऽ ग् रे सां ग्  
० ० ० ० हां ० ० हां  
सां नी ध प प नी ध प  
भु व नी ० ज य ज य

सा ऽ सा नीं सा ग ऽ रे  
री ० नां चूं झ न्या ० प  
ध नी ध प ग म ऽ प  
री ० नां चूं मो रा ० प  
सां ऽ सां सां नी नी ऽ नी  
री ० गा ऊं भृं गा ० प  
रे ग् म ऽ प ऽ ऽ ऽ ॥२॥  
गुं ० गुं ० गान ० ० ०  
ध नी ध प म ग ऽ प  
वी ० गा नीं गा ई न् ० न  
सां ऽ नी ध प ध ऽ नी  
वी ० रा नी स्फूर् ती ० दे  
प ध ऽ म म प म प  
नीं पा ० हूं सिं हा ० स  
ध सां नी ध प नी ध प  
मे ० व ० श्या ० ० म  
रे ग् म ऽ प ऽ ऽ प ॥३॥  
रा ० जा ० रा ० ० म्

## चालला वना रघुवीर

चालला वना रघुवीर ॥ धृ ॥  
 भाग्यलता जगमाता सीता  
 संगे लक्ष्मण सुमन सुधीर ॥ १ ॥  
 राजहंस सुकुमार सुमंगल  
 वनीं चालले उडुनी दूर ॥  
 जन करिती आकांत  
 लोचनीं ढलढल वाहे नीर ॥ २ ॥  
 धांवा धांवा-कुणी थांबवा-रघुराया ॥  
 धांवा कोणी वनीं न धाडा  
 शत जन्मांची पुण्याई ॥  
 मूर्तिमंत आनंद चालला  
 उरली दुःखाची खाई ॥ ३ ॥  
 रथ रामाचा घड घड चाले  
 कालचक्र हें वक्र फिरे ॥  
 ग्रहण घेरिते रघुरविबिंबा  
 प्रकाश गेला तिमिर भरे ॥ ४ ॥  
 प्राण निघाले दूर-  
 राहिले मागें ओस शरीर ॥

चालला वना रघुवीर० ताल—केरवा.

|            |            |            |               |
|------------|------------|------------|---------------|
| ०          | X          | ०          | X             |
| ५ ५ धं सा  | रे म ५ पुम | ग सा रे रे | सा ५ ५ सा     |
| ० ० चा ०   | ल ला ० व ० | ना ० र घु  | वी ० ० र      |
|            | ५ प प धू   | म ५ प धू   | सा ५ सा ५     |
|            | ० भा ग्य ल | ता ० ज ग   | मा ० ता ०     |
| रे नी सा ५ | ५ नी ५ नी  | सा ५ सा सा | ५ सा रे नी सा |
| सी ० ता ०  | ० सं ० गे  | ल ० क्षम ण | ० सु म न सु   |

०                      X                      ०                      X

ध् ऽ ऽ प    ऽ नी नी ध    ऽ नीधपम    ऽ पध नी नी  
धी ० ० र    ० रा ज हं    ० स ० सु कु    ० मा ० र सु  
ध् ऽ प प    प ध् म मप    धप मग रे सा    ऽ सा रे ग रे  
मं ० ग ल    व बी ० चा ०    ० ० ल ० के ०    ० ड डु नी ०

म ऽ ऽ म    ॥१॥    ( तालाशिवाय म्हणणें )  
दू ० ० र

सां रे रे रे रे रे सां रे ग् ऽ ऽ ग् ग् रे ग् ऽ रे सां रे ग् रे सां  
ज व करिती आ ० कां ० ० ० त लोचनी ० ० ० ड ल ड ल

ध् ऽ प ऽ ऽ ध सां ऽ ऽ सां  
वा ० हे ० ० नी ० ० ० र    ॥२॥

रे रे रे रे ऽ ऽ रे रे रे ग म ग म ग रे ऽ ऽ सां रे सां रे सां सां ऽ ऽ  
धां वा धां वा ० ० ० कुणी ० थां ० ० ० ब ० वा ० ० र धु रा ० ० या ० ०  
ऽ प ध सां    ऽ सां सां रे सां    नी नी सां नी ध    पध ऽ प ऽ  
० धां वा ०    ० को णी ० ०    व नी ० ० न    धा ० ० डा ०  
ऽ प प ध रे    सां रे सां नी ध    ऽ धप म ध    ध प ऽ ऽ  
० क्ष त ज ०    न्मां ० ० ची ०    ० पु ० ण्या ०    ई ० ० ०

( तालाशिवाय )

रे रे रे ऽ रे    रे सां सां रे ग्    ग् ऽ रे ग् ऽ ऽ    रे ग् रे सां  
मूर्ती मं ० त    आ ० नं ० ०    दचा ० लला ० ०    ड र की ०  
नी ध् ऽ प ऽ प रे ऽ सां ऽ  
दुःखा ० ची ० खा ० ० ई ०

ऽ सा सा सा ऽ    रे प प ऽ    ऽ पध प ध    म ऽ ग रे सारे  
० र थ री ०    मा ० चा ०    ० ध ड ध ड    चा ० ले ० ० ० ०

|               |              |               |           |
|---------------|--------------|---------------|-----------|
| °             | X            | °             | X         |
| ऽ पप प ऽ      | ऽ ध म ऽ      | ऽ रे रे ग     | रे ऽ ऽ ऽ  |
| ° का क च°     | ° क हें °    | ° व क्र कि    | रे ° ° °  |
| ऽ सासा सा नी  | ऽ सानी ध प   | ऽ नीरें सा सा | नी ऽ ध प  |
| ° झ ह ण धे    | ° रि ° तें ° | ° र घु र वि   | बि ° बा ° |
| प पध नीध प    | म ऽ ग रे     | ऽ सारे म ग    | रे ऽ ऽ ऽ  |
| प्र का° ° ° श | गे ° ला °    | ° तिभि र भ    | रे ° ° °  |

( तालाशिवाय )

रे रे रे रे रेगम रेगमारे ऽ रे ग रे ग ऽ सा रे ग रे सा  
 प्रा ण नि धा के° ° दू° ° ° र रा हि लें ° मा ° ° गें °

सा नी ध म म प ऽ प ॥२॥  
 ओ ° ° स श री ° र

## वन्दुनि पावन पाया !

वन्दुनि पावन पाया-

नेऊं पैलथडी रघुराया ॥

धूळ लागतां या पायाची

शिळा अहल्या झाली !

नावेची या नकरी नारी-

भक्तांचा तू वाली-

आवर अपुली माया ! ॥

पाप ताप करि दूर-उद्धरी-

जीवन गंगामाई-

न्हाणिन, प्राशिन प्रभुचरणामृत

ठेविन पायी डोई ! ॥

नाव आमुची ओढ हात ही

गंगा ओलांडाया-

तव नांवाची नाव दयाळा

अथांग भव ताराया

भक्तां उद्धाराया- ! ॥

वंदुनि पावन० ताल—केरवा.

|               |               |                  |               |
|---------------|---------------|------------------|---------------|
| X             | ०             | X                | ०             |
| ऽ नीं नीं नीं | नींसा ऽ सा सा | सारे गुरे सा नीं | ऽ सागु ग् म   |
| ० वं धु नि    | पा ० ० व न    | पा ० ० ० या ०    | ० ने ० ऊं ०   |
| ऽ धूप म ग्    | रे ऽ नीं नीं  | सा ऽ सा ऽ        |               |
| ० पै ० ल थ    | डी ० र धु     | रा ० या ०        | ॥धृ॥          |
| प ऽ धूप ग्    | मगु म प ऽ     | ऽ पुनी प ऽ       | गुम गुम प ऽ   |
| धू ० ल ० छा   | ० ० ग तां ०   | ० या ० पा ०      | या ० ० ० ची ० |

|               |                |                |                |
|---------------|----------------|----------------|----------------|
| X             | ०              | X              | ०              |
| प पध सानी ध   | प ध म प        | गुम डगु मप     | ड ड ड ड        |
| शिळा ००००     | ह ० ल्या ०     | झा ००००        | ० ० ० ०        |
| ड नी नी ड     | धनी सानी धप    | ड पध प ड       | गुम डगु म प    |
| ० ना बे ०     | ची ०००० या ०   | ० न क री ०     | ना ०००० री ०   |
| ड नी प म      | गसा सामगुम     | गुरे ड सा ड    | सारे गुरे सानी |
| ० भ कां ०     | चा ० तुं ००००  | वा ० ० की ०    | रा ०००० मा ०   |
| ड नीं नीं नीं | सा सा सा ड     | सारे गुरे सानी | ड सागु ग म     |
| ० जा व र      | अ पु ली ०      | मा ०००० या ०   | ० ने ० ऊं ०    |
| ड सां सां सां | ड नी सारे गुरे | ड नी नी ध      | ड नीध प म      |
| ० पा प ता     | ० प क ० रि ०   | ० दू र उ       | ० छ ० री ०     |
| ड म म म       | प ड पध सानी    | ध ड प ड        | ड ड ड ड        |
| ० जी व व      | गं ० गा ० ००   | मा ० ई ०       | ० ० ० ०        |

( ' न्हाणिन प्राशिन ' हे ' नावेची या न करी ' प्रमाणें ) ॥२॥

|                   |                       |                 |                   |
|-------------------|-----------------------|-----------------|-------------------|
| डपनी नी नीसां     | ड रे नीसां ड          | डपनी नी नीसां   | ड रे गुरे सां ड   |
| ० ना ० व जा ०     | ० मु ची ० ०           | ० औ ० ट हा ०    | ० त ०० ही ०       |
| डपनी नी प         | ड पसां सां नी         | सारे डसां रे गं | ड ड ड ड           |
| गं ० गा ०         | ० ओ लां ०             | डा ०००० या ०    | ० ० ० ०           |
| ड गं गं गं ड      | रं गुरे सां रे सां नी | नीसां रे रे सां | नीसां नी रे सां ड |
| ० त व नां ०       | वा ०००० ची ००         | ना ० ० व द      | या ०००० ला ०      |
| सां सारे सानी धाप | पम मप धप              | गु मगु रे सा    | सारे गुरे सानी    |
| अ थां ०००० ग      | भव ता ० ००            | रा ०० या ०      | रा ०००० मा ०      |
| ड नीं नीं ड       | ड सा सा ड             | सारे गुरे सानी  | ड सागु ग म        |
| ० भ कां ०         | ० उ डा ०              | रा ०००० या ०    | ० ने ० ऊं ०       |

॥३॥

# सांगा शोधुं कुठें रघुनाथ !

सांगा शोधुं कुठें रघुनाथ ?

माझा-शोधुं कुठें रघुनाथ ?

रामावाचुनि जीवन वाया

गेला प्राणविसावा—

रामवियोगें मन हें व्याकुळ—

मृदुल फूल वणव्यांत ! ॥

दाखवि चरणां, निववी नयनां

सिंचुनि शीतल किरणां

ये ये आतां—ये रघुनाथा

दे प्रियदर्शन करि रे करुणा ! ॥

भरत झुरतसे तुजविण रामा—

प्राण उभे नयनांत ! ॥

सांगा शोधुं कुठें रघुनाथ ताल—केरवा

|              |                 |               |                    |
|--------------|-----------------|---------------|--------------------|
| ०            | X               | ०             | X                  |
| ५ रेम मध ५   | ५ पध प म        | ग रेसा रेग मग | रे ५ ५ सा          |
| ० सां० गा० ० | ० शो० धुं कु    | ठें ०० र० धु० | ना ० ० थ           |
| ५ रे रे रे   | रे सा रेग मग    | रे सा ५ सा    | नीसा रसा ध ५       |
| ० शो धुं कु  | ठें ० र० धु०    | ना ० ० थ      | मा० ०० झा०         |
| ५ नीध प प    | प म सा नी सा नी | ध प ५ प       | ५ सा ध ५           |
| ० शो धुं कु  | ठें ० र० धु०    | ना ० ० थ      | ० सां गा ० ॥ धृ० ॥ |
|              | ५ म म ५         | ५ म म म       | ५ प ध म            |
|              | रा ० मा ०       | ० वां चु नि   | ० जी व न           |
| प ५ प ५      | ५ परे सा ५      | नी सा नी ध प  | म ध प ५            |
| वा ० या ०    | ० गो ला ०       | प्रा ०० ण वि  | सा ० वा ०          |



०                      X                      ०                      X  
 ऽ   ऽ   ऽ   ऽ   ऽ   रे   रे   रे   रे   ऽ   रे   सा   ऽ   रेम   म   ऽ  
 ०   ०   ०   ०   ०   रा   म   वि   यो   ०   गें   ०   ०म   न   हें   ०  
 रेगं   ऽ   रे   रे   ऽ   नीसां   ध   धप   ध   म   म   ध   प   ऽ   ऽ   प  
 ग्या ००   कु   ल   ०   मृ   दु   क   फू   ०   ०   ल   व   ण   ग्यां   ०   ०   त   ॥१॥

( ताळाशिवाय )

म प ष सा रे रे म ऽ ऽ      गंमं गंरे सां गंरे ऽ ऽ      रे गं रे सां ऽ ऽ  
दा ख वि ख र णी ० ० ०      ० ० ० ० ० ० ० ० ०      नि व वी ० ० ०  
रे मं गंरे सांरे ऽ ऽ  
अ य नां ० ० ० ० ० ०

सां नी सां ऽ ऽ नीसां रे सारैं ऽ    नी ध म प    नी सां नी ऽ सां ऽ  
सि चु नी • • • • • छाी • त क    कि र णां • • •  
प नी ऽ नी सां नी सां ऽ    पनीसारैं ऽ    सारैं नी ध नी ध प ऽ  
ये ये • आ • तां • •    ये • • • • •    र घु ना • • था • •

ऽ नी नी ध    ऽ पुष प म    ऽ रेम प म    प नी ध प  
 ० दे प्रि य    ० द० शी न    ० करि रे ०    क रु णा ०  
 ऽ पु रे रे रे रे रे रे सा    ऽ रेम म म ग    ऽ रे ऽ  
 ० भ र त ऋ र त से ०    ० तु ज बि ण रा ० मा ०

ॐ नी ष प प म म ध मध प ऽ प ऽ रेम म ध ॥२॥  
० प्रा ण ड भे ० न य नां ० ० त ० सां ० गा ०

## आले आले रघुवीर—

आले आले रघुवीर—

चला आले रणधीर ॥ धृ ॥

आज भाग्य उजळलें धन्य झालें

गंगातीर ॥ आले० ॥

चला पोरानों थोरानों—

चला आयानों बायानों ॥

चला चला सारे वेगें—

आतां धरवेना धीर ॥ १ ॥

संग ध्यारे पानं फुलं—

गोड फळं कंदमुळं ॥

राम-पाया पुजायाला—

गंगा माईऽचं नीर ॥ २ ॥

रघुवीर हाये कोन—

हित आला कशापायी ? ॥

हाये राजा अयोध्येचा—

त्येची रानी सितामाई ॥

सांगाती तो हाये—

भाऊ लक्ष्मन वीर ॥ ३ ॥

नाचूं गाऊं धरूं फेर—

करूं आनंदें गजर ॥

रामनामैं टाकूं सारें—

धुमवून गंगातीर ॥ ४ ॥

रघुवीर डोळां पाहूं—

जीवभाव पायीं वाहूं ॥

अमृताचा समींदर गोड सावळं शरीर ॥ ५ ॥

## आले आले रघुवीर० ताल—दादरा.

|       |                 |                 |                 |  |
|-------|-----------------|-----------------|-----------------|--|
|       | X               | X               | X               |  |
| सा रे | धं ऽ सा रे ग ऽ  | सा ऽ रे प म ऽ   | ग ऽ रे सा रे रे |  |
| आ ले  | आ० ले र घु०     | वी० र च ला०     | आ० ले० र ण      |  |
|       | सा ऽ ऽ सा सा रे |                 |                 |  |
|       | धी०० र आ ले     | ॥ धृ० ॥         |                 |  |
| प प   | प ऽ प ध नी ऽ    | ध प ऽ ऽ ऽ ऽ     | ऽ ऽ नी ध प ऽ    |  |
| आ ज   | आ० ग्य उ ज०     | ल लें००००       | ००००००          |  |
|       | ऽ ऽ नी ध प ऽ    | प ऽ प ध नी ऽ    | ध प ऽ ऽ प प     |  |
|       | ००००००          | आ० ग्य उ ज०     | ल लें०० ध न्य   |  |
|       | प ध प म म ग     | रे ऽ ऽ रे सा रे |                 |  |
|       | आ० लें गं गा०   | ती०० र आ ले     | ॥ १ ॥           |  |

( ताल केरवा )

|               |              |                 |             |  |
|---------------|--------------|-----------------|-------------|--|
| X             | X            | X               | X           |  |
| ऽ ऽ ऽ सा सानी | सा ग् रे ग्  | रे सा ऽ सा सानी | सा ग् रे ग् |  |
| ००० च ला०     | पो रा नों थो | रा नों० च ला०   | आ या नों बा |  |
| रे सा ऽ पुप   | प प ध नी     | ध प प प         | म ध प म     |  |
| आ नों० च ला   | च ला सा रे   | वे गें आ तां    | ध र वे ना   |  |
| ग ऽ ग सारे    |              |                 |             |  |
| धी० र आ ले    | ॥ २ ॥        |                 |             |  |

( तिसरा अंतरा, दुसऱ्या अंतऱ्याप्रमाणें. )

( ताल दादरा )

|       |               |                 |                 |
|-------|---------------|-----------------|-----------------|
| X     | X             | X               |                 |
| म ग म | प ऽ प ध प म   | प ऽ प म ग म     | प ऽ प ध प म     |
| र घु० | वी० र हा थे०  | को० न हि त०     | आ० ला क आ०      |
|       | प ऽ प नी नी ऽ | नी ऽ नी नी नी ध | प ध प म ग ऽ     |
|       | पा० वी हा थे० | रा० जा अ थो०    | थ्ये० आ त्ये चि |

× ×  
 रे ग सा रे ग म ग ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ  
 रा ० नी सि ता ० मा ई ० ० ० ०

( ताल केरवा )

× × × ×  
 प प प प प प प प प ध प म ग ऽ ऽ ग  
 अ न् सां गा ती तो हा बे भा ऊ क क्षु म न बी ० ० र ॥४॥

( ताल दादरा )

× × ×  
 सा सा रे ऽ ग ग म ग रे ग रे सा सा ऽ रे ऽ ग ग म ग  
 ना चूं गा ० ऊं ध रं ० फे ० र क रं ० आ ० नं दें गजर  
 सा सा  
 क रं

( ताल दादरा )

× × ×  
 सा सा नी ऽ सा रे ग् ऽ रे ऽ रे ऽ ऽ ऽ प प प ध प म  
 र धु बी ० र डो लां ० पा ० हूं ० ० ० जि व भा ० व पा  
 ऽ ग ग ऽ रे सा  
 ० बी वा ० हु ०

( ताल केरवा )

× × × ×  
 प प प प ध नी ध प प ध प म ग ऽ ग सा सा  
 अ मृ ता चा स मीं द र सा व लं का री ० र जा के ॥ ६ ॥

# आपलें घर

## आपलें घर

देश आपुला-हें अपुलें घर ॥  
हीन दीन जे पंकीं रुतले  
प्रिय ते अपुले बान्धव सगळे  
सेवा त्यांची-देवाजीची—  
पूजा, अर्चा हीच पुण्यकर— ॥ १ ॥

रोगदुःखभय करूं निवारण  
मृतांस देऊं अभिनव जीवन—  
ज्ञानमन्त्र सकलांस शिकवुनी  
प्रकाश पसरूं प्रसन्न सुखकर— ॥ २ ॥

लयास नेऊं दास्य, विषमता—  
ध्याऊं मंगल प्रीतिदेवता—  
स्वातन्त्र्याचा समानतेचा—  
फडकत ठेवूं ध्वज उंचावर— ॥ ३ ॥

हें अपुलें घर० ताल-केरवा

×                      ×                      ×                      ×  
गं मं पं नीं सा ऽ रे ग रेग पम ग रे साग रेग सा नीं  
हें ० अ पु लें ० घ र हें ० ० ० अ पु लें ० ० ० घ र  
प ऽ रे रे ग रे सा नीं ॥ धृ० ॥  
दे ० झ भा ० पु ला ०  
ऽ नीं धं नीं सासा नीं साग रेग रे सा ऽ नीं धं पं धं नीं धं पं  
० ही न दी ० न जे ० ० ० ० ० ० ० ० पं कीं ० रु त ले ०

X                      ०                      X                      ०  
 ऽ धं नीं घ प धं सा सा ऽ    ऽ सारे ऽ ग म    ग म ग सा ऽ  
 ० प्रि य ते०    अ पु ले ०    ० बां ०० ध व    स ग ० ले०  
 ऽ सा ग ऽ    ग म प प ध प ध    प म गू गू सा    सारे म गू रे ऽ  
 ० से वा ०    त्यां ०० ची ० ००    ०० दे वा ०    जी ० ०० ची ०  
 प ध ध प म    म ऽ म ऽ    ग ऽ सा रे    ग म ग ग  
 पू ० जा ० ०    अ ० र्चा ०    ही ० च पु    ० ण्व क र  
 प ऽ रे रे    ग रे सा नीं    ॥ १ ॥  
 दे ० श आ    ० पु ला ०

प ऽ गू गू रे गू प प    ऽ प प ध प ध प गू रे  
 रो ० ग दुः    ० ख भ य    ० क हं नि    वा ० ०० र ण  
 रे गू सा रे रे गू प प ऽ    ध प ध म    म प ध ध ध  
 मृ तां ० स दे ० ० कं ०    अ भि न व    नी ० ० व न  
 ऽ ध ध ध ऽ ध ध प    ध सा नी नी ध प    ध नी सा नी ध प  
 ० ज्ञा व मं ०    अ स क    लां ० ०० स क्षि    क ० वु ० नी ०  
 प ध ऽ ध प ध प म ऽ    ग ग ऽ सा    रे ग प म ग  
 प्र का ० श प स ० हं ०    प्र स ० श    सु ख क ० र  
 ब ऽ रे रे    ग रे सा नीं    ॥ २ ॥  
 दे ० श आ    ० पु ला ०

प ग ऽ प ग सा ग ग ऽ    ऽ ऽ ऽ ऽ    ऽ ऽ ऽ ऽ  
 ल था ० स ने ० कं ० ०    ० ० ० ०    ० ० ० ०  
 ग मु प ध प मु प ऽ    ऽ ऽ ऽ ऽ    ऽ ऽ ऽ ऽ  
 दा ० स्थ वि ष म ता ०    ० ० ० ०    ० ० ० ०  
 ग म प ऽ    ऽ ऽ प ध सा नीं    ध प म प ध प    म ग ऽ सा  
 आ ० कं ० ० ० मं ० ००    ग ल प्री ० ००    ति दे ० व  
 ग ग ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ    ऽ ध ध ऽ    ध ऽ ध ऽ  
 ता ० ० ० ० ० ० ०    ० स्वा तं ०    आ ० वा ०

|               |               |              |              |
|---------------|---------------|--------------|--------------|
| X             | °             | X            | °            |
| ध धनी रेसा नी | ध नी प ऽ      | पनी नी नी    | नी ऽ सानी धप |
| स मा० ०० न    | ते ० चा ०     | ० फ ढ क त    | ठे ० वूं० ०० |
| ऽ पप सा ऽ     | सा ऽ सा सारेग | रेग सारे नीध | नी सा सा सा  |
| ० ध्व ज ऊं ०  | चा ० व र००    | ०० ध्वज ऊं०  | चा ० व र     |
| ऽ ऽ ऽ ऽ       |               |              |              |
| ० ० ० ०       | ॥३॥           |              |              |

## आला श्रावण नाचत गात

आला-आला श्रावण नाचत गात ॥  
 मनमोहन जणुं यदुनाथ ॥  
 कृष्ण-घनांचा सारुनि बुरखा  
 लखलखते गगनांत—  
 चंचल चपला राधाबाला—  
 शोधितसे निजनाथ ! ॥ २ ॥

प्रकाश क्षणभर, क्षणभर छाया—  
 जलधारा निमिषांत—  
 खेळ चालला यमुनातीरीं—  
 लपला हरि कुंजांत ! ॥ २ ॥

सुखवी वृष्टी-सजली सृष्टी—  
 करुनी हिरवा थाट  
 मूर्तिमंत शृंगारच आला—  
 श्रावण नाचत गात ! ॥ ३ ॥

आला श्रावण नाचत गात० ताल—केरवा

|                     |                   |               |                   |
|---------------------|-------------------|---------------|-------------------|
| धनी रें सां ऽ       | नी ध ध सां नी सां | ध ऽ ऽ प       | ऽ म ग रे          |
| आ०० ला०             | ०० आ०००           | ला०००         | ० श्रा व ण        |
| ग प ध नी            | ध ध ऽ प ऽ         | गमु गमु ध     | मु ध नी ध प प     |
| ना० च त             | गा०० त०           | मन मो००       | ०००० ह न          |
| नी ध नी रें गें रें | सां ऽ ऽ ध         | धनी रें सां ऽ | नी ध ध सां नी सां |
| ज णुं य० दु०        | ना०० थ            | आ०० ला०       | ०० आ००००          |
| ध ऽ ऽ प             | ऽ म ग रे          | ग प ध नी      | ध ध ऽ प ऽ         |
| ला०००               | ० श्रा व ण        | ना० च त       | गा०० त० ॥४०॥      |



|                    |                  |                |                   |
|--------------------|------------------|----------------|-------------------|
| ऽ धनी सा रे        | सा ऽ नी ऽ        | ऽ ऽ ऽ नीसा     | रे ग नी रे        |
| ० कृ ० ण्य ध       | नां ० चा ०       | ० ० ० सा ०     | रु नि बु र        |
| साऽरेसाऽरेसाऽरे    | नीसा नीसा धनी पध | ऽ साग रे ग     | सा ऽ नी पध        |
| खा ० ० ० ० ० ०     | ० ० ० ० ० ० ०    | ० ल ख ल ख      | ते ० ग ग ०        |
| सा ऽ ऽ सा          | ऽ नी ध प         | ग म ग ऽ        | ग म प ध           |
| नां ० ० त          | ० चं च क         | च प ला ०       | रा ० धा ०         |
| साऽरेसासा धप       | ग म म ध          | धनी नी रे ग रे | सा ऽ ऽ सा         |
| बा ० ० ० ला ०      | शो ० धि त        | से ० नि ० ज ०  | ना ० ० थ ॥ १ ॥    |
| ऽ ऽ ऽ ऽ            | रे गू ऽ गू       | रे ग सा सा     | ऽ पध सा सा        |
| ० ० ० ०            | प्र का ० क्ष     | क्ष ण भ र      | ० क्ष ण भ र       |
| साऽरे मग रेग साऽरे | ऽ ऽ ऽ ऽ          | ऽ गम रेग साऽरे | ऽ पध ध सा         |
| छा ० ० ० या ० ० ०  | ० ० ० ०          | ० ० ० ० ० ०    | ० जल धा ०         |
| सा ऽ रे म पम       | गू ऽ ऽ ऽ         | ऽ ऽ ऽ सा       | ऽ रे रे रे ऽ      |
| रा ० नि ० मि ०     | षां ० ० ०        | ० ० ० त        | ० ज ल धा          |
| रे सा रेग मग       | रे सा ऽ ऽ        | ऽ ऽ ऽ सा       | ऽ रेग रे सा       |
| रा ० नि ० मि ०     | षां ० ० ०        | ० ० ० त        | ० खे ० ल चा       |
| ऽ रे रे सा नी      | ऽ ध सा नी ध      | ध नी नी ध प    | ऽ धनी ध प         |
| ० ल ला ० ०         | ० य मु ना ०      | ती ० री ० ०    | ० ल प ला ०        |
| ध सा रेग मग        | रे सा ऽ सा       |                |                   |
| ह रि कुं ० ० ०     | जां ० ० त        | ॥ २ ॥          |                   |
| सा रे सा नी        | सा रे रे ऽ       | ऽ रेग म ग      | रे ग रे ऽ         |
| सु ख वी ०          | वृ ० छी ०        | ० सज ली ०      | सृ ० छी ०         |
| रे गू गू रे सा     | रेग रेग मप       | म ऽ ऽ ऽ        | ऽ ऽ ऽ म           |
| क रु नी ० ०        | हिर वा ० ० ०     | था ० ० ०       | ० ० ० ट           |
| ग ऽ ग ग            | ऽ ग ग म          | म ऽ म म        | रेम गू रे ऽ       |
| मू ० ति मं         | ० त श्रं ०       | गा ० र च       | बा ० ० ला ० ॥ ३ ॥ |

# बाळा जो जो अंगाई

बाळा जो जो अंगाई

गाई रजनीमाई ॥

निजलीं सारीं रान-पांखरें

गातीं निर्झर गाती वारे-

गाति दिशाही दाही-॥ १ ॥

आकाशामधि शब्दांचाचुनि

यक्ष यक्षिणी गातीं गाणीं-

लहर तरंगत येई-॥ २ ॥

सुबक रुपेरी तुझा पाळणा

नक्षत्रांच्या राघू मैना-

छतास जडल्या पाही-॥ ३ ॥

हंसरा माझा राजसराणा

कुणा दिसेना कधि रडतांना-

दृष्ट न होवो बाई !-॥ ४ ॥

बाळा जो जो अंगाई० ताल—केरवा

|                  |             |              |                |
|------------------|-------------|--------------|----------------|
| ×                | ०           | ×            | ०              |
| ग मग रे सा       | नीं सा रे ग | रे ऽ सा ऽ    | ऽ ऽ ऽ ऽ        |
| बा ०० ला ०       | जो ० जो अं  | गा ० ई ०     | ० ० ० ०        |
| ऽ ऽ नीं ऽ        | ऽ ऽ ऽ ऽ     | पुंधुं ऽ ऽ ऽ | पं ऽ ऽ ऽ       |
| ० ० जो ०         | ० ० ० ०     | जो ०० ० ०    | जो ० ० ०       |
| धंनीं धनीं सानीं | धुप ऽ ऽ ऽ   | धं सा रे ग   | रे ऽ सा ऽ      |
| गा ० ० ० ० ०     | ई ० ० ० ०   | र ज नी ०     | मा ० ई ०       |
| ग ऽ ऽ सा         | रेम ऽ ऽ ऽ   | ग मग रे सा   | नीं सा रे ग    |
| जो ० ० ०         | जो ० ० ० ०  | बा ०० ला ०   | जो ० जो ० ॥४०॥ |

|                |                |               |               |
|----------------|----------------|---------------|---------------|
| X              | ०              | X             | ०             |
| ऽ सारे नीं ऽ   | धं नीं धं पं   | ऽ धं नीं प ध  | सा सा सा ऽ    |
| ० निज लीं ०    | सा ० रीं ०     | ० रा० न पां   | ० ख रें ०     |
| ऽ म ऽ म        | म ऽ म म        | ऽ गम पध प     | ग सा गग ऽ     |
| ० गा ० तीं     | नि ० र्झ र     | ० गा० ०० ती   | वा ० रे ० ०   |
| ऽ रेगु रे ग    | रेगु रेगु सा ऽ | सारे ग ऽ सा   | रेम ऽ ऽ ऽ     |
| ० गा० ति दि    | शां० ०० ही०    | दा० ० ० ०     | ही० ० ० ० ॥१॥ |
| ऽ धं नीं ऽ साग | ग म म म        | ऽ म ध प       | ग म म म       |
| ० बा० ० का०    | शा ० म धि      | ० श ब्दां ०   | वा ० चु नि    |
| ऽ धू धू प      | ऽ धू म ऽ       | ऽ रेगु ऽ मगु  | रे गू सा ऽ    |
| ० य क्ष य      | ० क्षि णी ०    | ० गा० ० तीं ० | गा ० णीं ०    |
| ऽ रेगु रे गू   | रे गू सा सा    | सारे ग ऽ सा   | रेम ऽ ऽ ऽ     |
| ० क ह र त      | रं ० ग त       | ये० ० ० ०     | ई० ० ० ० ॥२॥  |
| ऽ सारे सा नीं  | धं नीं धं पं   | धं सा ऽ ग     | ऽ मगु रे सा   |
| ० सु ब क रु    | पे ० री ०      | तु झा ० पा    | ० ळ० णा ०     |
| ऽ म म ऽ        | म ऽ म ऽ        | गम पध ध प म   | ग सा गग ऽ     |
| ० न क्ष ०      | त्रां ० च्या ० | रा० ०० धू० ०  | भै ० ना० ०    |
| रे गू रे गू    | रे गू सा ऽ     | सारे ग ऽ सा   | रेम ऽ ऽ ऽ     |
| छ तां ० स      | ज ढ ल्या ०     | पा० ० ० ०     | ही० ० ० ० ॥३॥ |
| म ध ध ऽ        | ऽ ऽ म ऽ        | मप मप ऽ ऽ     | ऽ ऽ ग ऽ       |
| हं स रा ०      | ० ० ० ०        | मा० झा० ००    | ० ० ० ०       |
| ऽ ग ग म        | रे ऽ सा ऽ      | ऽ मम ऽ म      | म ऽ म ऽ       |
| ० रा ज स       | रा ० णा ०      | ० कुणा ० दि   | से ० ना ०     |
| ऽ गम ग म       | रे सा गगु ऽ    | ऽ गू रे गू    | रे गू सा ऽ    |
| ० क धि र ढ     | तां ० ना ००    | ० दृ ष्ट न    | हो ० वो ०     |
| सारे ग ऽ सा    | रेम ऽ ऽ ऽ      | मगमग रे सा    | नीं सा रे ग   |
| बा० ० ० ०      | ई० ० ० ०       | बा ० ० ळा ०   | जो ० जो ० ॥४॥ |

## दरियाच्या दुनियेचे शूर सरदार

दरियाच्या दुनियेचे शूर सरदार हो  
जी हां ! राणी सरकार हो !  
अथांग जळीं, फेकूनि जाळीं  
लुटा मासळी बेदरकार् ॥  
दरियाच्या कुशीं-मोत्याच्या राशी  
लुटूनि सजवूं पितींची नार् ॥  
सोन्याची सरी, गोठ तोडे भारी  
जरतारी साडी नखरेदार् ॥  
सांजेच्यापारी-डौलांत घरीं  
मिरवत येऊं मर्द शिलेदार् ॥  
भाकर पोटाला, चिलीम ओठाला  
शेजेचा न्यारा करूं शिणगार् ॥

दरियाच्या दुनियेचे० ताल—केरवा

|               |                |             |              |
|---------------|----------------|-------------|--------------|
| X             | ०              | X           | ०            |
| रेगरे गुरे सा | धुंधुं पं ऽ पं | धंऽसा सासा  | रे ऽ रे ग् ऽ |
| दरिया ००च्या  | दुनिये ० चे    | शू ० र स र  | दा ० र हो ०  |
| रे सा ऽ धं    | सा ऽ रे ग्     | रेऽसा सा ऽ  | ॥४०॥         |
| जी हां ० रा   | णी ० स र       | का ० र हो ० |              |
| रे म ऽ प      | म रे ऽ ऽ       | रे म ऽ प    | म रे रे ऽ    |
| अ थां ० ग     | जळीं ० ०       | फे कू ० नि  | जा ० ळीं ०   |
| रे रे ऽ रे    | ऽ ग् सा ऽ      | धं ऽ सा सा  | रे ऽ रे ग् ऽ |
| लु टा ० मा    | ० स ळी ०       | बे ० द र    | का ० र हो ०  |
| रे सा ऽ धं    | सा ऽ रे ग्     | रेऽसा सा ऽ  |              |
| जी हां ० रा   | णी ० स र       | का ० र हो ० | ॥१॥          |

|               |             |                                  |              |
|---------------|-------------|----------------------------------|--------------|
| ×             | ०           | ×                                | ०            |
| पधु ध ऽ नी    | धुप ऽ ऽ ऽ   | पधु ध सां सां                    | नी ध प ऽ     |
| वरि था ० च्या | कुशीं ० ० ० | मो ० त्या ० च्या                 | रा ० शी ०    |
| प प ऽ ग       | रे गू सा ऽ  | धं धं सा सा                      | रे ऽ रे ग ऽ  |
| छ दू ० नि     | स ज वूं ०   | पिर ती ० ची                      | ना ० र हो ०  |
|               |             | जी हां रा णी स र का र हो ० ॥ २ ॥ |              |
| रे म ऽ प      | ग म ऽ ऽ     | प ऽ ध प म                        | ग ऽ रे ऽ     |
| सो न्या ० ची  | स री ० ०    | गो ० ठ तो डे                     | भा ० री ०    |
| पप प ऽ गू     | रे गू सा ऽ  | ऽ ध ध सा ऽ                       | रे ऽ रे ग ऽ  |
| ज र ता ० री   | सा ० डी ०   | ० न ख रे ०                       | दा ० र हो ०  |
|               |             | जी हां रा णी स र का र हो ० ॥ ३ ॥ |              |
| म मुधु ध      | म ध ध ऽ     | ध पध प म                         | ग मग रे ऽ    |
| सां जे ० च्या | पा ० री ०   | डौ कां ० त                       | ध ० ० री ०   |
| पप प ऽ गू     | रे गू सा ऽ  | धं सा सा सा                      | रे ऽ रे गू ऽ |
| मि र व ० त    | ये ० ऊं ०   | म रूं शि ले                      | दा ० र हो ०  |
|               |             | जी हां रा णी स र का र हो ॥ ४ ॥   |              |
| रे गू ऽ सा    | रे म म ऽ    | नी ध ऽ नी                        | धुध ऽ प ऽ    |
| भा कर ० पो    | टा ० ला ०   | चिळीम ० ओ                        | ठा ० ० ला ०  |
| ध प ऽ ग       | रे ग सा ऽ   | धं धं सा सा                      | रे ऽ गू ऽ    |
| झे जे ० चा    | न्या ० रा ० | क रूं शि ज                       | गा र ० हो ०  |
|               |             | जी हां रा णी स र का र हो ० ॥ ५ ॥ |              |

## अपुलें घर तें नाही

तें नाही रे नाही-  
अपुलें घर तें नाही ॥  
काठ्यांची किरकिर  
सासूची पिरपिर  
मामंजी खवीस राही-जिथं—  
मामंजी खवीस राही—॥  
मणभर दळण  
गाडीभर धुणं-  
उपास पोटभर होई-जिथं-  
उपास पोटभर होई—॥  
गुरावाणी खपा  
मर्जीला जपा-  
आनंद रुसून जाई-तरी-  
आनंद रुसून जाई—॥  
खलबत्ता कुटा-  
वरवंटा पाटा—  
फोडा तयावर डोई-चला-  
फोडा तयावर डोई—॥

तें नाही रे नाही० ताल—केरवा.

०                      X                      ०                      X  
S S S ग S ग ग प ग रे सा S धं नीं नीं धं पं  
० ० ० तें ० ना हीं रे ना ० हीं ० ज पु के० ०  
धं सा रे ग गुरे सा सा S रे ग गुरे सा सा S सा S  
घ रं तें ० ना ० ० हीं ० तें ० ना ० हीं ० ० ॥ धृ० ॥

X

o

X

सा सा ऽ पं धं ऽ सा सा सा रे ऽ रे ग  
का व्यां ० ची किं र कि र सा सू ० ० ची

रेऽग रे ग धं सा ऽ सा सा सा ऽ सा रेग सारे ऽ  
पिं र पि र मा मं ० जी ख वी ० स रा ० ० ०

ऽ ऽ ग ग धं सा ऽ सा सा रे ऽ मु ग रे सा ऽ ॥१॥  
० ० जि थं मा मं ० जी ख वी ० स रा ० ही ०

धं सा रे ग सा रे ऽ रे ग म प ध  
म ण भ र द ल ० ण गा डी भ र

म प ऽ ऽ म म ऽ म म म म म गमपध मपधप  
धु णं ० ० ड पा ० स पो ट भ र हो ० ० ० ० ० ० ० ० ०

ग ऽ रे ग धं सा ऽ सा सा रे ग मु ग रे सा ऽ ॥२॥  
ई ० जि थं ड पा ० स पो ट भ र हो ० ई ०

ऽ ऽ ऽ ऽ ग म प ध प ध ऽ ऽ म ष ऽ म  
० ० ० ० गु रा वा णी ख पा ० ० म र्जी ० ला

ग रे ऽ ऽ ध ध ऽ ध ध ध ऽ ध प धप मप म  
ज बा ० ० आ नं ० द रु सू ० नि जा ० ० ई ० ०

ग रे सा सा धं सा ऽ सा रे रे ऽ मु ग रे सा ऽ ॥३॥  
० ० त री आ नं ० द रु सू ० नि जा ० ई ०

ममप ऽ ध म प ऽ ऽ धधध ऽ नी  
ख ल ब ० ता कु टा ० ० व र वं ० टा

ध ध प ऽ नी नी ऽ नी ध नीध प धप म पम ग मग  
पा ० टा ० फो डा ० त या ० ० व र ० डो ० ० ई ० ०

रे ऽ सा रे धं सा ऽ सा सा ऽ रे मु ग रे सा ऽ ॥४॥  
० ० च का फो डा ० त या ० व र ० डो ० ई ०

# हीं सजीव सुमनें

हीं सजीव सुमनें देवा  
 हांसरी सदोदित ठेवा ॥  
 दुःखाचा प्रखर निखारा  
 रोगांचा विषमय वारा-  
 छकुल्यास न या लागावा ! ॥  
 लतिकेवर हंसत डुलावे  
 हांसुनी जगा हंसवावे-  
 मकरन्द मधुर पसरावा ! ॥  
 छळ दुःख संकटें नाना  
 द्या शाप ताप थोरांना-  
 छलुं नकाच चिमण्या जीवां ! ॥  
 काळाचा घांस न व्हावा  
 हा निर्मल नाजुक ठेवा  
 तुमचीं हीं रूपें देवा !-॥

हीं सजीव सुमनें० ताल—केरवा.

|              |              |                |                      |
|--------------|--------------|----------------|----------------------|
| X            | ०            | X              | ०                    |
| ५ ५ सारे गू  | रेसा धं ५ पं | पं धं सा ५     | सारे मपम ग ५         |
| ०० हीं ००    | स ० जी ० व   | सु म नें ०     | दे ०००० वा०          |
| सारे गम ग ग  | ५ म रे ५     | सासा धं सारे म | रे सा धं सा          |
| हां ००० सरी  | ० स दो ०     | दि त ठे ०००    | ०० बा ०              |
| रे रे ५ गू ५ | रेसा धं ५ पं | पं धं सा ५     | सारे मपम गू ५ ॥ धृ ० |
| ०० हीं ००    | स ० जी ० व   | सु म नें ०     | देवा ०००० वा०        |
| ५ रे रे गू   | रे सा ५ रेग  | म प म ५        | गू ५ रे सा           |
| ० दुः खा ०   | चा ०० प्रख   | र नि खा ०      | ०० रा ०              |
| ५ धंसा रे गू | रे सा ५ रेप  | म प म ५        | रेग मग रेसा          |
| ० रो ० गां ० | चा ०० विष    | म य वा ०       | ०००० रा ०            |



X                      •                      X                      •  
 प प पध सांनी    ध प म ऽ    ग सा सारे मग्    रे ऽ ऽ ऽ  
 छकुल्या०००    स न या ०    कां गा००    वा ० ० ०

हांसरी सदोदित ठेवा ॥ १ ॥

( पहिली ओळ तालाशिवाय म्हणणें )

पं पं धंसाधं धंसा सासा सा ग ग प ग ऽ सा रेरेऽ ग् मग् रे सा ग् ऽ रेरे  
 ल ति के०० ०० व र हं स त डु ला ० वे ०००० ल ति के ००० व र  
 सारे गम मम    ऽ पम ग ऽ    ग म रे सा    गग ऽ प प  
 हां००० सुनी    ० ज० गा ०    हं स वा ०    वे० ० म क  
 पध सांनो धप    म म ग सा    सारे मग् रे ऽ    ऽ ऽ ऽ ऽ  
 रं००० द म    धु र प स    रा००० वा०    ० ० ० ०

हांसरी सदोदित ठेवा ॥ २ ॥

प प ग् ऽ    ग् रे ऽ ग्    सा ऽ सारे ग्    रे ग् म प  
 छ ल दुः ०    ख सं ० क    टें ० ना० ०    ना ० ० ०  
 मप ध ध ऽ    ध ध ऽ ध    ध प धसां नी    ध ऽप ग म  
 धा ०० धा ०    प ता ० प    थो ० रां० ०    ना ० ० ०  
 प ध म प    ऽ म ग मग्    रे सा सारे मग्    रे ऽ ऽ ऽ  
 छ लुं न का    ० च चि म०    ण्या० जी०००    वा ० ० ०

हांसरी सदोदित ठेवा ॥ ३ ॥

ऽ ऽ प ऽ    ग् ऽ सा ऽ    नीं ऽ पं पं    धं सा सा ऽ  
 ० ० का ०    ला ० चा ०    धां ० स न    ळ्हा ० वा ०  
 ऽ ऽ सारे ग    ग ऽ ग ग    ऽ गम प ध    म ग म ऽ  
 ० ० हा० ०    नि ० मं ल    ० ना० जु क    ठे ० वा ०  
 ऽ ऽ प प    पध सांनी धप    म ऽ ग' सा    सारे मग् रे ऽ  
 ० ० तु म    चीं००० हीं०    रु ० पें ०    दे००० वा०  
 सारे गम ग ग    ऽ म रे ऽ    सासा धंसा रेम    रे सा धं सा  
 हां००० सरी    ० स दो ०    दि त ठे०००    ० ० वा ० ॥ ४ ॥









